रांची, मंगलवार 11 नवंबर 2025 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 07, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 211 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में धमाका, कई वाहनों के उड़े परखच्चे, पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित

ब्लास्ट में 11 की मौत, 30 घायल

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली सोमवार की शाम एक भीषण धमाके से दहल उठी. लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी एक कार में हाई इंटेंसिटी ब्लास्ट हुआ, जिससे आसपास की कई गाड़ियों में आग लग गई. इस धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 24 लोग घायल बताए जा रहे हैं. चश्मदीदों के मुताबिक, विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास की इमारतों के शीशे तक टूट गए.

फायर ब्रिगेड और पुलिस की त्वरित कार्रवाई : सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया. दिल्ली पुलिस, एनएसजी और एनआईए की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटी हैं. शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, यह हाई इंटेंसिटी ब्लास्ट था और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है. पुलिस ने आसपास के इलाके को पूरी तरह सील कर दिया है और लाल किले तथा चांदनी चौक मार्केट को सुरक्षा कारणों से बंद कर दिया गया है.

देशभर में अलर्ट, मुंबई और यूपी में सख्त निगरानी : इस धमाके के बाद पूरे देश में सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ गई है. मुंबई पुलिस ने शहर के सभी संवेदनशील इलाकों में नाकेबंदी और पेट्रोलिंग बढ़ा दी है. रेलवे स्टेशन, मॉल, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है.

उधर, उत्तर प्रदेश सरकार ने भी हाई अलर्ट घोषित कर दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को सभी जिलों में कड़ी निगरानी और ड्रोन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं. नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ में भीड़भाड़ वाले इलाकों में गहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं.

नोएडा और गुरुग्राम में कड़ी चौकसी : दिल्ली से सटे नोएडा और गुरुग्राम में पुलिस ने सुरक्षा घेरा मजबूत कर दिया है. सेक्टर-18, मेट्रो स्टेशनों और बाजारों में संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की तलाशी ली जा रही है. सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी की जा रही है.

आतंकी साजिश के संकेत : सूत्रों के अनुसार, धमाके से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने देशव्यापी अभियान चलाकर एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा किया था. गुजरात, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में कई संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी के साथ हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए थे. जांच में सामने आया है कि कश्मीर के अनंतनाग मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर अदील अहमद राथर को भी गिरफ्तार किया गया है, जिस पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है.

- हरियाणा के सलमान की थी आई–20 कार (एचआर 26–7674)
- सलमान ने नदीम को बेचने की कही बात, नदीम लापता
- सीसीटीवी से मिले सुराग के आधार पर सात हिरासत में
- ब्लास्ट के समय कार पर तीन लोग थे सवार
- वारदात पर गृहमंत्रालय की बड़ी बैठक आज
- किसी आतंकवादी संगठन ने नहीं ली जिम्मेवारी

अमित शाह ने ली धमाके की जानकारी

इस पूरी घटना की जानकारी दिल्ली पुलिस के कमिश्नर सतीश गोलछा ने देश के गृह मंत्री अमित शाह को फोन पर दी है. गृह मंत्रालय की पूरी घटना पर नजर बनी हुई है. गृह मंत्रालय ने जांच के आदेश दे दिए हैं. वहीं प्रधानमंत्री ने अमित शाह से इस धमाके पर बात की है और घटना की जानकारी ली है.

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

तीन डॉक्टर समेत सात आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है. यह नेटवर्क प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा हुआ था. पुलिस ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर इस नेटवर्क से जुड़े सात प्रमुख आतंकियों को गिरफ्तार किया है. उनके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और करीब 2,900 किलो (तीन टन के करीब) विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है.

कई राज्यों में हुई संयुक्त छापेमारी : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस अभियान में हरियाणा पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर श्रीनगर, अनंतनाग, गंदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में तलाशी अभियान चलाया. तलाशी के दौरान आतंकियों के पास से दो पिस्तौल, दो एके-सीरीज राइफलें, एके-56, एके-क्रिंकोव राइफल, एक चाइनीज स्टार पिस्तौल और एक बेरेटा पिस्तौल बरामद की गईं. इसके अलावा आईईडी निर्माण में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, टाइमर, रिमोट कंट्रोल, तार, बैटरी, रासायनिक पदार्थ और धातु के टुकड़े भी जब्त किए गए.

जैश के पोस्टर से खुला नेटवर्क का सुराग : यह कार्रवाई 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम क्षेत्र में जैश-ए-मोहम्मद के धमकी भरे पोस्टर मिलने के बाद शुरू की गई. इस मामले में नौगाम पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 162/2025 दर्ज की गई थी, जिसमें यूएपीए, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराएं लगाई गईं. जांच के दौरान सुरक्षाबलों को एक संगठित 'व्हाइट कॉलर' आतंकी नेटवर्क के अस्तित्व का पता चला, जिसमें शिक्षित पेशेवर और छात्र शामिल थे जो कथित तौर पर पाकिस्तान और अन्य विदेशी आकाओं से संपर्क में थे.

धर्मार्थ कार्यों के नाम पर जुटाया जा रहा था धन : पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि यह नेटवर्क सामाजिक या धर्मार्थ कार्यों के नाम पर शिक्षण संस्थानों और पेशेवर संगठनों के माध्यम से धन जुटाता था. इस धन का इस्तेमाल हथियार और विस्फोटक खरीदने, रसद व्यवस्था करने के लिए किया जा रहा था.

बड़े हमले की साजिश नाकाम : अधिकारियों ने बताया कि बरामद किए गए 2,900 किलो विस्फोटक इस बात की ओर संकेत करते हैं कि आतंकी किसी बड़े हमले की तैयारी में थे. उन्होंने कहा कि जांच के सभी पहलुओं-फंडिंग, सप्लाई चैन और नेटवर्क कनेक्शन पर तेजी से काम किया जा रहा है.

सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े हुए हैं

फरीदाबाद से एक और आतंकी गिरफ्तार

360 किलो अमोनियम नाइट्रेट सहित हथियार बरामद

एजेंसी । फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद जिले के धौज गांव से दिल्ली, हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में डा. मुजम्मिल नामक एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ एवं हथियार बरामद किए गए हैं. पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि आतंकवादी डा. मुजम्मिल फरीदाबाद के ही धौज गांव स्थित अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ाता था. यह आतंकवादी 10 दिन पहले पकड़ा गया था. आतंकवादी से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसकी निशानदेही पर जहां उसने कमरा किराए पर लिया था, वहां से 360 किलोग्राम रसायनिक पदार्थ बरामद किया है, जो अमोनियन नाइट्रेट बताया जा रहा है. इसके अलावा एक कैननकाप राइफल, पांच मैगजीन, एक पिस्टल, भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं. आठ बड़े सूट केस, चार छोटे सूट केस, बाल्टी, टाइमर बैटरी के साथ, रिमोट, वॉकी-टॉकी सेट, इलेक्ट्रिक वायर सहित अन्य सामान बरामद किया गया. पुलिस कमिश्नर ने पत्रकार वार्ता में बताया कि पिछले कई दिनों से यह जांच चल रही थी और 10 दिन पहले संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तारी हुई. इसमें कुल दो आतंकवादी पकड़े गए, जिनमें एक डा. मुजम्मिल को फरीदाबाद पुलिस ने और आदिल अहमद को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सहारनपुर से पकड़ा.

गिरफ्तार डॉक्टर मुजम्मिल

विस्फोटक बरामद

लखनऊ से महिला डॉक्टर शाहीन को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली । जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने लखनऊ की एक महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है. इस मॉड्यूल से जुड़े कई लोगों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार मिले हैं. गिरफ्तार महिला डॉक्टर की कार से एके-47 राइफल भी बरामद की गई है.

बिहार विस चुनाव : आज दूसरे चरण का मतदान, दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

20 जिलों की 122 सीटों पर होगी वोटिंग

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान आज होने जा रहा है. राज्य के 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर मतदाता अपने-अपने प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे. पहले चरण के मतदान के बाद अब सभी की निगाहें इस चरण पर टिकी हैं, जिसे चुनाव का निर्णायक दौर माना जा रहा है. क्योंकि आज होनेवाली चुनाव से ही यह साफ हो जाएगा कि नीतीश की सत्ता बचेगी या तेजस्वी राज्य के नए सीएम बन पाएंगे.

एनडीए और महागठबंधन के बीच कांटे की टक्कर

दूसरे चरण में एनडीए के 122 और महागठबंधन के 126 प्रत्याशी मैदान में हैं. एनडीए की ओर से भाजपा के 53, जदयू के 44, लोजपा (आर) के 15, हम के छह और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के चार उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं. वहीं, महागठबंधन की तरफ से राजद के 70, कांग्रेस के 37, वीआईपी के आठ, सीपीआई के चार, सीपीआई (एमएल) के छह और सीपीआई के एक प्रत्याशी मैदान में हैं. इसके अलावा जनसुराज पार्टी ने भी इस चरण में 120 प्रत्याशी उतारे हैं, जिससे मुकाबला कई सीटों पर त्रिकोणीय हो गया है.

इन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा लगी दांव पर

इस चरण में कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर है. एनडीए खेमे से पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, रेणु देवी, मंत्री विजेंद्र यादव, नीतीश मिश्रा, प्रेम कुमार, कृष्णनंदन पासवान, प्रमोद कुमार, शीला मंडल, लेशी सिंह और जयंत राज के राजनीतिक भविष्य का फैसला मतदाता करेंगे. वहीं विपक्षी खेमे में राजद के वरिष्ठ नेता उदय नारायण चौधरी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान और भाकपा माले के नेता महबूब आलम जैसे दिग्गजों की साख भी इसी मतदान से तय होगी.

तेजस्वी यादव बोले बदलाव निश्चित है

राजद नेता तेजस्वी यादव ने दूसरे चरण के मतदान से पहले एनडीए पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि पहले चरण के बाद सत्ताधारी खेमे में गमगीन माहौल है और जनता इस बार बदलाव के मूड में है. तेजस्वी ने आरोप लगाया कि दो गुजराती बिहार को उपनिवेश बनाना चाहते हैं, लेकिन बिहार की जनता संविधान विरोधी ताकतों को करारा जवाब देगी. उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से निष्पक्षता बरतने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र की डकैती रोकने के लिए बिहार तैयार है.

सम्राट का पलटवार : एनडीए की जीत तय

दूसरी ओर भाजपा के वरिष्ठ नेता और तारापुर से प्रत्याशी सम्राट चौधरी ने दावा किया कि जनता पूरी तरह एनडीए के साथ है और 11 नवंबर को होने वाले मतदान में गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलेगा. उन्होंने मतदाताओं से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की और कहा कि "विकास, सुरक्षा और स्थिरता के लिए एनडीए की सरकार जरूरी है. चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं. बिहार की जनता तय करेगी कि राजा कौन बनेगा, कोई परिवार नहीं.

घाटशिला उपचुनाव की सारी तैयारियां पूरी आज सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान

- सीसीटीवी व वेबकास्टिंग से होगी सख्त निगरानी : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

शुभम संदेश । रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि 45-घाटशिला विस उपचुनाव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. मतदान मंगलवार को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा. उन्होंने बताया कि सोमवार को सभी मतदान दलों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया. शाम तक सभी टीमों ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर रिपोर्ट कर दी है. रवि कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है. सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान की रियल-टाइम निगरानी की जा रही है. यह निगरानी भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और आरओ कार्यालय से की जा रही है.

उन्होंने बताया कि घाटशिला उपचुनाव को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की गई हैं. साथ ही उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे के बीच अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान करें और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें. इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

पीएम ने कवि आंदे श्री के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली । पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तेलंगाना के प्रखर कवि और विचारक आंदे श्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से हमारे सांस्कृतिक और बौद्धिक परिदृश्य में एक गहरा शून्य पैदा हो गया है. पीएम ने एक्स पोस्ट में कहा, आंदे श्री के निधन से हमारे सांस्कृतिक और बौद्धिक परिदृश्य में एक गहरा शून्य पैदा हो गया है. उनके विचार तेलंगाना की आत्मा को प्रतिबिंबित करते थे. एक प्रखर कवि और विचारक होने के नाते, वे लोगों की आवाज़ थे.

अभिनेता धर्मेंद्र की बिगड़ी तबीयत, भर्ती

मुंबई। लाखों-करोड़ों दिलों पर राज करने वाले 60-70 के दशक के लोकप्रिय अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत बिगड़ गई है. उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. धर्मेंद्र को उम्र संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. उनके फैंस लगातार उनके जल्दी ठीक होने के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं. उनके करीबी दोस्त अवतार गिल ने धर्मेंद्र की सेहत पर अपडेट देते हुए बताया है कि उन पर दवाइयों का असर भी नहीं हो रहा है.

रोहिंग्या समुदाय के 11 लोगों की मौत

क्वालालंपुर । थाईलैंड-मलेशिया सीमा के पास रोहिंग्या समुदाय के लोगों को ले जारी एक नाव के डूब जाने से लगभग 11 लोगों की मौत हो गई है. मलेशियाई अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि एक नाव में रोहिंग्या समुदाय के लगभग 70 लोग सवार थे, जबकि एक अन्य नाव में करीब 230 यात्री सवार थे. हालांकि दूसरी नाव के यात्रियों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है.

अमेरिका में शटडाउन खत्म होने के संकेत

वाशिंगटन । अमेरिकी इतिहास के अब तक के सबसे लंबे सरकारी शटडाउन पर ट्रंप प्रशासन के लिए अच्छी खबर है. सीनेट के कई डेमोक्रेट्स ने व्हाइट हाउस से कुछ महत्वपूर्ण घोषणा होने पर सरकार के पक्ष में मतदान करने की इच्छा जताई है. वार्ता में शामिल एक व्यक्ति के अनुसार, यह इस बात का संकेत है कि शटडाउन से मंडराया संकट दूर होने के करीब है. सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते में जनवरी तक धन के लिए नया अस्थायी उपाय शामिल होगा.

भोपाल में मॉडल की संदिग्ध हालात में मौत

भोपाल । मध्य प्रदेश के भोपाल में 21 साल की मॉडल खुशी अहिरवार की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है. मृतका के परिजनों ने उसके बॉयफ्रेंड कासिम अहमद पर हत्या का आरोप लगाया है. फिलहाल पुलिस ने खुशी का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है. परिवारजन शव को लेकर सागर जिले के मंडी बामोरा गांव चले गए हैं, जहां युवती का अंतिम संस्कार किया जाएगा. वहीं, आरोपी कासिम पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है.

दिल्ली कार ब्लास्ट : यासीन ने जो देखा उससे कांप उठेगी रूह !

धमाके से कान सुन्न हो गया, कई लोग हवा में उड़ गये

एजेंसी । नई दिल्ली

ऐतिहासिक लाल किले के पास हुए भीषण ब्लास्ट ने रविवार शाम को दहशत फैला दी। इस धमाके में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हो गए। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ितों ने बताया कि ब्लास्ट इतना जोरदार था कि आसपास खड़ी गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए और कई लोग हवा में उछलकर नीचे गिरे।

पहाड़गंज निवासी और पीड़ित बलबीर सिंह ने बताया कि वह अपनी वैगनआर कार में बैठे थे। जाम की स्थिति थी, तभी अचानक जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट के तुरंत बाद एक व्यक्ति मेरी गाड़ी के ऊपर गिरा, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। बलबीर सिंह का कहना है कि वह बाल-बाल बचे क्योंकि उनके भाई सामान खरीदने चांदनी चौक गए थे और उन्होंने उन्हें लाल किले के सामने बुलाया था, लेकिन वे समय पर नहीं आ पाए। अगर वह समय पर पहुंच जाते, तो शायद आज जिंदा न होते। पानीपत निवासी महेश ने बताया कि उन्हें ऐसा लगा मानो बाजार के बीच में बहुत बड़ा धमाका हुआ हो। पूरा इलाका धुएं से भर गया और चारों ओर चीख-पुकार मच गई। वहीं, चंदू नगर निवासी व रिक्शा चालक यासीन बताया कि उनके रिक्शे में तीन सवारियां थीं। एक धमाके के साथ सब कुछ उड़ गया। मैं गाड़ी के नीचे जा गिरा। कान अब भी सुन्न हैं। दो मिनट बाद होश आया तो सवारियां कहीं नजर नहीं आईं। यासीन के अनुसार, वह कश्मीरी गेट से तीन नेपाली यात्रियों को लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जा रहे थे। धमाके के बाद चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि मैंने अपनी आंखों से तीन-चार शव देखे और कई लोगों को गंभीर रूप से घायल हालत में पड़ा पाया।

सड़क पर फैल गया खून ही खून

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की कई गाड़ियों के शीशे टूट गए और सड़क पर खून ही खून फैल गया। पुलिस और एनएसजी की टीमें मौके पर पहुंचीं और पूरे क्षेत्र को घेर लिया। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि धमाके के पीछे कौन-सा संगठन या कारण था। लाल किले के आसपास का इलाका सील कर दिया गया है और पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। राजधानी दिल्ली एक बार फिर दहशत में है, और लोगों की निगाहें अब जांच एजेंसियों की रिपोर्ट पर टिकी हैं।

योगी ने की घोषणा

यूपी के सभी स्कूलों में वंदेमातरम का गायन हर दिन होगा अनिवार्य

लखनऊ/गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर में एकता पदयात्रा के दौरान प्रदेश भर के स्कूलों के लिए बड़ा एलान किया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम्' का नियमित व अनिवार्य गायन सुनिश्चित किया जाएगा. योगी ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं, और 'वंदे मातरम्' हमारी सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है. वंदे मातरम का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है. राष्ट्र से बढ़कर कुछ भी नहीं है. कुछ लोगों के लिए मत और मजहब ऊपर है. उन्होंने याद दिलाया कि 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे हो चुके हैं और इसे बदलने का कोई प्रयास सफल नहीं होगा.

पटना में बड़ा हादसा

इंदिरा आवास की छत गिरी परिवार के 5 लोगों की मौत

संवाददाता । पटना

पटना जिले के दानापुर दियारा अंतर्गत अकीलपुर थाना क्षेत्र के मानस पंचायत स्थित मानस नया पानापुर गांव में घर की छत गिरने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. स्थानीय लोगों कहना है कि घर के सभी लोग सो रहे थे, अचानक छत भरभरा कर गिर गई. इसमें तीन बच्चे समेत पांच लोगों की मौत हो गई. इधर, छत गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को जानकारी दी. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मरने वालों की पहचान बबलू (36) उसकी पत्नी रोशन खातून (32) बेटी रुखसार (12) चांदनी (2) और बेटे चांद (10) के रूप में हुई. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. इधर, स्थानीय लोगों कहना है कि कुछ साल पहले ही बबलू को यह मकान आवास योजना के तहत मिला था. बबलू आर्थिक तंगी के कारण मकान की मरम्मत नहीं करवा पा रहा था.

झारखंड अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम : जेईई व नीट परीक्षाओं की निःशुल्क आवासीय कोचिंग के लिए www.jharkhandshikshanutthan.com पर जाकर आवेदन करें

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के माध्यम से "झारखंड अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम" प्रारंभ किया जा रहा है. योजना का उद्देश्य राज्य के मेधावी एवं प्रतिभाशाली अनुसूचित जनजाति (एसी) वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जेईई (इंजीनियरिंग) और नीट (मेडिकल) की तैयारी हेतु विश्वस्तरीय और पूर्णतः निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराना है. यह योजना झारखंड सरकार की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका लक्ष्य है कि राज्य के जनजातीय विद्यार्थी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें और डॉक्टर और इंजीनियर बनने के अपने सपनों को साकार करें.

झारखंड सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के माध्यम से "झारखंड अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम" प्रारंभ किया जा रहा है. यह जानकारी परियोजना निदेशक, समेकित विकास जनजाति अभिकरण रांची सह अध्यक्ष संचालन समिति अनुसूचित जनजाति शिक्षण उत्थान कार्यक्रम झारखंड सरकार, रांची संजय कुमार भगत ने दी. बताया कि इस योजना का उद्देश्य राज्य के मेधावी एवं प्रतिभाशाली अनुसूचित जनजाति (एसी) वर्ग के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जेईई (इंजीनियरिंग) तथा नीट (मेडिकल) की तैयारी हेतु विश्वस्तरीय एवं पूर्णतः निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध कराना है.

आवश्यक दस्तावेज़ : निशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन करते समय विद्यार्थियों को अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण पत्र, अंकतालिका, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटो देना जरूरी है.

कैसे करें आवेदन : आवेदन की प्रक्रिया : इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी ऑनलाइन या ऑफ़लाइन दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन www.jharkhandshikshanutthan.com पर जाकर कर सकते हैं.आवश्यक विवरण एवं दस्तावेज अपलोड कर फॉर्म सबमिट करें.

ऑफ़लाइन आवेदन : आवेदन फॉर्म वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा विभागीय कार्यालयों / नजदीकी आईटीडीए या जिला कल्याण कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है. फॉर्म को सही जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ संबंधित जिला कल्याण कार्यालय या आईटीडीए कार्यालय में जमा किया जा सकता है.

चयन प्रक्रिया : दस्तावेज़ सत्यापन एवं मेरिट/स्क्रीनिंग टेस्ट के आधार पर पात्र विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा. चयनित विद्यार्थियों को पोर्टल या विभागीय सूचना माध्यम से कोचिंग आरंभ तिथि एवं रिपोर्टिंग निर्देश प्रदान किए जाएंगे.

आवेदन करने की अंतिम तिथि : 19 नवम्बर 2025 शाम 5 बजे तक आवेदन जमा करने की तिथि निर्धारित की गई है. अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी www.jharkhandshikshanutthan.com वेबसाइट पर उपलब्ध दिशानिर्देश पढ़ सकते हैं या 9251664830 पर संपर्क कर सकते हैं. विद्यार्थियों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड दिया गया है, जिसे अपने मोबाइल से स्कैन करके भी विद्यार्थी सीधे वेबसाइट पर पहुंच सकते है.

300 विद्यार्थियों को आवासीय कोचिंग की सुविधा

इस योजना के अंतर्गत कुल 300 विद्यार्थियों को हिंदपीढ़ी, रांची स्थित मल्टीपर्पस हॉल-कम-ट्रेनिंग सेंटर में आवासीय कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है.कार्यक्रम का संचालन मोशन एजुकेशन, कोटा, जो झारखंड सरकार द्वारा चयनित संस्था है के सहयोग से किया जा रहा है.

सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं : चयनित विद्यार्थियों को कई तरह की सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाती हैं. इसके तहत विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा उच्चस्तरीय कोचिंग कराई जाती है. आवासीय सुविधा (लड़के/लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास) की सुविधा भी निःशुल्क ही उपलब्ध करायी जाती है. चयनित विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री एवं ई-कॉन्टेंट युक्त टैबलेट मुहाया कराया जाता है, साथ ही पुस्तकालय एवं डिजिटल अध्ययन सुविधा भी उपलब्ध करायी जाती है.

पात्रता के लिए क्या-क्या हैं मापदंड : विद्यार्थी झारखंड राज्य के अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से संबंधित हों, साथी ही झारखंड का स्थायी निवासी हो. विद्यार्थी के माता-पिता नियमित सरकारी सेवा में न हों .जो विद्यार्थी अन्य समान सरकारी योजनाओं के अंतर्गत कोचिंग का लाभ ले रहे हैं, वे पात्र नहीं होंगे.

कांग्रेस ने उजागर की वोट चोरी की साजिश

राहुल गांधी ने पेश किए फर्जी मतदाताओं के सबूत, झारखंड में 16 लाख हस्ताक्षर जुटाए

शुभम संदेश। रांची

कांग्रेस पार्टी ने देश के सामने वोट चोरी की साजिश को उजागर करते हुए आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है. राहुल गांधी ने पूरे सबूतों के साथ जाली मतदाताओं, फर्जी पते, जोड़े गए फर्जी नाम और हटाए गए वास्तविक मतदाताओं की सूची जनता के बीच प्रस्तुत की है.प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने बताया कि हरियाणा में कुल दो करोड़ मतदाताओं में से लगभग 25 लाख फर्जी मतदाता पाए गए हैं. उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार एक संवैधानिक अधिकार है, जो लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है, परंतु भाजपा इसे वोट चोरी के जरिये हाईजैक करने की कोशिश कर रही है.

राजू ने बताया कि झारखंड में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 16 लाख नागरिकों ने भाग लिया. इस अभियान का अभियान का मुख्य उद्देश्य चुनाव सुधार हेतु भारत निर्वाचन आयोग से पांच मांगों पर कार्रवाई करने को लेकर है. इसमें प्रमुख रूप से स्पष्ट मतदाता सूची फोटो सहित देना, ताकि इससे मतदाता,उसके आवास,मतदाता का संपूर्ण विवरण पता चल सके, वोटर लिस्ट को स्कैन किया जा सके. लेकिन चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को बंद कर दिया, इसका प्रमुख उद्देश्य भाजपा को मौका देने के लिए है, ताकि केंद्रित तरीके से फर्जी मतदाताओं को जोड़ने व कांग्रेस समर्थित मतदाताओं को हटाने और एक ही व्यक्ति का अनेक जगहों पर नाम जोड़ना है. चुनाव आयोग हटाए या जोड़े गए मतदाताओं की सूची समय पर प्रकाशित करे, ताकि राजनीतिक दल या उम्मीदवार पूरी छानबीन कर मतदाताओं का अधिकारों की सुरक्षा कर सकें. बिहार में लाखों मतदाताओं को एसआइआर के तहत मतदाता सूची से बाहर किया गया, लेकिन उनकी आपत्तियों को दर्ज करने की कोई प्रक्रिया नहीं है. इस प्रक्रिया में उचित सुधार की आवश्यकता है और मतदाता सूची का प्रकाशन चुनाव के अंतिम क्षणों में करने की बजाय पहले करना चाहिए. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि "वोट चोर गद्दी छोड़" अभियान 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलाया गया था, जिसे व्यापक जनसमर्थन के कारण 10 दिन और बढ़ाया गया. त्योहारों के बावजूद यह अभियान सफल रहा और झारखंड में अपेक्षा से अधिक हस्ताक्षर संग्रहित किए गए. उन्होंने कहा कि सांगठनिक कारणों से लक्ष्य पूरा नहीं हो सका अन्यथा संख्या और अधिक होती. संवाददाता सम्मेलन में सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, उपनेता राजेश कच्छप, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधायक ममता देवी व सुरेश बैठा, पूर्व राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार बलमुचु, प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे.

एक नजर

कोयला तस्करी में पुलिस-उग्रवादी गठजोड़, ऊपर तक पहुंच रही है अवैध कमाई : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बढ़ती कोयला तस्करी को लेकर झारखंड सरकार पर तीखा हमला बोला है.मरांडी ने आरोप लगाया कि राज्य के पुलिस अधिकारी और उग्रवादी संगठन मिलकर कोयले की अवैध तस्करी को अंजाम दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड में कोयले का यह "काला खेल" अब सिर्फ धनबाद, बोकारो और रामगढ़ तक सीमित नहीं है, बल्कि पलामू और लातेहार जैसे जिलों तक फैल चुका है. मरांडी के अनुसार, प्रतिदिन हजारों टन कोयला पलामू के रास्ते बिहार के डेहरी और उत्तर प्रदेश के बनारस तक पहुंचाया जा रहा है.उन्होंने दावा किया कि इस अवैध कारोबार से होने वाली करीब 15 करोड़ रुपये प्रतिमाह की कमाई का बंटवारा उग्रवादी संगठनों और पुलिस अधिकारियों के बीच होता है. मरांडी ने सवाल उठाया कि अगर पूरे राज्य में चल रही कोयला तस्करी की कुल काली कमाई का अनुमान लगाया जाए, तो यह आंकड़ा रोज़ाना करोड़ों रुपये तक पहुंच सकता है.उन्होंने कहा, "शायद झारखंड ही ऐसा राज्य है जहां अपराधी, पुलिस और सत्ता का गठजोड़ मिलकर राज्य के संसाधनों को खुलेआम लूट रहा है. न जाने यह सरकार राज्य को और कौन-कौन से दिन दिखाएगी.

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को मिली अनुमति, 17 से तिरुपति बालाजी मंदिर के करेंगे दर्शन

रांची। रांची के पूर्व उपायुक्त (डीसी) छवि रंजन को राज्य से बाहर जाने की अनुमति मिल गई है। सोमवार को रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें तमिलनाडु के तिरुपति बालाजी मंदिर जाने की अनुमति प्रदान की.छवि रंजन ने कोर्ट में याचिका दायर कर 17 नवंबर से 21 नवंबर तक तमिलनाडु यात्रा की अनुमति मांगी थी. कोर्ट ने यह अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी है.दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस शर्त पर जमानत दी है कि वे ट्रायल अवधि के दौरान केस से जुड़े गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे और अदालत की अनुमति के बिना झारखंड से बाहर नहीं जाएंगे. इन्हीं शर्तों का पालन करते हुए उन्होंने यात्रा के लिए कोर्ट से अनुमति प्राप्त की है.

एक्सएलआरआई के सभी छात्रों को मिला समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट

रांची/जमशेदपुर।। एक्सएलआरआइ ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्लेसमेंट परंपरा को कायम रखते हुए समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट (एसआईपी) 2025-27 में शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है. इस वर्ष संस्थान के कुल 583 विद्यार्थियों को देश और विदेश की 114 प्रतिष्ठित कंपनियों ने कुल 584 ऑफर दिए हैं. इनमें से 28 कंपनियां पहली बार एक्सएलआरआइ की प्लेसमेंट प्रक्रिया में शामिल हुईं. सर्वाधिक स्टाइपेंड 3.5 लाख रुपये प्रति माह का ऑफर जेपी मॉर्गन ने दिया, जबकि औसत स्टाइपेंड 1.6 लाख रुपये और मीडियन स्टाइपेंड 1.55 लाख रुपये रहा. संस्थान की ओर से सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि 38 प्रतिशत विद्यार्थियों को दो लाख रुपये प्रति माह से अधिक और 81 प्रतिशत विद्यार्थियों को एक लाख रुपये प्रति माह से अधिक का स्टाइपेंड मिला. शीर्ष 5 प्रतिशत विद्यार्थियों का औसत स्टाइपेंड 2.49 लाख रुपये प्रतिमाह दर्ज किया गया. बड़ी संख्या में छात्रों को कंसल्टिंग, फाइनेंस, मार्केटिंग, जनरल मैनेजमेंट, ऑपरेशंस, एनालिटिक्स और एचआर जैसे विविध क्षेत्रों में अवसर प्राप्त हुए. शीर्ष रिक्रूटर्स में आदित्य बिड़ला समूह, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अमेज़ॉन, अमेरिकन एक्सप्रेस, बजाज ऑटो और बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप शामिल रहे.

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ को भेजा पत्र

राज्य सरकार के स्तर पर लंबित है राढू बहुउद्देशीय जलाशय योजना

शुभम संदेश। रांची

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सितम्बर में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर. पाटिल से मुलाकात कर, रांची के सिल्ली प्रखंड के राढू बहुउद्देशीय जलाशय योजना (जो 1980 में अस्तित्व में आई थी) की स्थिति से अवगत कराया था. इस योजना पर विशेष ध्यान देते हुए, इसे आरंभ कराने का आग्रह किया था. इस आलोक में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को पत्र लिखा है. अपने पत्र में पाटिल ने कहा है कि ऐसी सिंचाई परियोजनाओं पर राज्य सरकार का विशेष योगदान होता है. केंद्र सरकार तकनीकी सहायता और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है. केंद्र स्तर पर इस पर यथोचित कार्यवाही की जा चुकी है. इसके पुनः शुभारंभ करने के लिए राज्य स्तर पर डीपीआर व अन्य मूल्यांकन के कार्य लंबित हैं. राज्य सरकार द्वारा पहल करने के बाद ही इस पर आगे की कार्यवाही की जा सकती है.

किसानों को होगा लाभ, जलसंकट का समाधान होगा

रक्षा राज्य मंत्री ने सीएम को लिखा पत्र, विशेष हस्तक्षेप का आग्रह

केंद्रीय मंत्री के जवाब आने के बाद रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. अपने पत्र में सेठ ने कहा है कि यह सिंचाई परियोजना क्षेत्र की जनता के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है. सबसे बड़ी बात है कि इस परियोजना के लागू होने से किसी प्रकार का कोई विस्थापन नहीं होगा और सिल्ली व राहे क्षेत्र में जल संकट का समाधान भी हो जाएगा. क्षेत्र के किसानों को सिंचाई का लाभ मिलेगा. रोजगार के कई नए अवसर भी सृजित होंगे. सेठ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि परियोजना पर विशेष ध्यान देते हुए इसे आरंभ करने की दिशा में हस्तक्षेप करने की कृपा करें.

परियोजना से कोई विस्थापन नहीं, सिल्ली -राहे प्रखंड के सैकड़ों गांवों को लाभ होगा

स्वर्णरेखा नदी की सहायक राढू नदी पर आधारित यह परियोजना क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी. इस परियोजना में बांध का निर्माण, पाइपलाइन सिंचाई प्रणाली, पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था, जल विद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति एवं औद्योगिक उपयोग हेतु जल की व्यवस्था की जानी है. परियोजना का महत्वपूर्ण और सकारात्मक पक्ष यह है कि इससे कोई विस्थापन नहीं होगा. इसके साथ ही इस योजना के संचालित होने से सिल्ली एवं राहे प्रखंड के सैकड़ों गांव को दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त होगा. वर्तमान समय में इस योजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत एआईबीपी घटक के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिसमें 60% केंद्रांश का प्रावधान है.

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियां शुरू : सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

पदाधिकारी फील्ड विजिट कर मतदाता सूची के मैपिंग की समस्याओं का निरीक्षण व निराकरण करें : के रवि कुमार

शुभम संदेश। रांची

एसआईआर में सुविधा के लिए वर्तमान मतदाता सूची का 2003 की मतदाता सूची से अधिक से अधिक मैपिंग करना सुनिश्चित करें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों के लिए निर्देश मिला है. उन्होंने कहा कि पदाधिकारी आगामी एसआईआर में सुविधा के लिए वर्तमान मतदाता सूची का 2003 के मतदाता सूची से अधिक से अधिक मैपिंग करना सुनिश्चित करें. जितने अधिक मतदाताओं की 2003 की मतदाता सूची से पैरेंटल मैपिंग हो जाती है, उन्हें इन्यूम्यूरेशन फॉर्म भरने में आसानी हो सकेगी. वे सोमवार को निर्वाचन सदन से ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे.

किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि निर्वाचन से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती है. यदि निर्वाचन के कार्य में कोई बीएलओ आनाकानी करते हैं, तो उनकी रिपोर्ट विभाग को भेजें एवं निलंबन की प्रक्रिया करते हुए नए बीएलओ नियुक्त करें. कहा है कि सभी स्तर के पदाधिकारियों को निर्वाचन हेतु आवंटित कार्य को करना अनिवार्य है, इसमें किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती है.

मतदाता सूची की मैपिंग की बिंदुवार समीक्षा : सीईओ ने समीक्षा के क्रम में सभी जिलों की मतदाता सूची की मैपिंग की बिंदुवार समीक्षा की. समीक्षा के क्रम में जमीनी स्तर पर आ रही परेशानियों को समाप्त करने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए. उन्होंने सभी पदाधिकारियों को फील्ड विजिट कर मतदाता सूची मैपिंग की समस्याओं का निरीक्षण करते हुए उसका समाधान करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए. इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर द्वारा मतदान केंद्रों के युक्तिकरण हेतु पीपीटी के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराई गई.

मौके पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित थे.

क्रिकेट | खेलो झारखंड अंतर्गत राज्य स्तरीय क्रिकेट की खुली चयन प्रक्रिया 12 नवंबर को

रांची के साउथ रेलवे कॉलोनी मैदान में सुबह 8 बजे से चयन प्रक्रिया

- भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्मतिथि 01 जनवरी 2007 या उसके बाद की होनी चाहिए

शुभम संदेश। रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में "खेलो झारखंड" कार्यक्रम अंतर्गत राज्य स्तरीय अंडर-19 बालक एवं बालिका स्कूली क्रिकेट खुली चयन प्रक्रिया का आयोजन मंगलवार 12 नवंबर को साउथ रेलवे कॉलोनी मैदान, चुटिया, रांची में सुबह 8 बजे से किया जाएगा. राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि इस चयन ट्रायल के माध्यम से चयनित खिलाड़ियों के लिए 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा. प्रशिक्षण शिविर के दौरान अंतिम झारखंड राज्य अंडर-19 क्रिकेट टीम का गठन किया जाएगा, जो आगामी राष्ट्रीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिता (एसडीएफआई) में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी. अंडर-19 बालक वर्ग की प्रतियोगिता पांच से नौ दिसंबर 2025 तक रोहतक (हरियाणा) में और अंडर-19 बालिका वर्ग की प्रतियोगिता एक जनवरी से 6 जनवरी 2026 तक मध्य प्रदेश में होगी.

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि इस ट्रायल का मुख्य उद्देश्य विद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना है, ताकि झारखंड के विद्यार्थी खेल क्षेत्र में अपनी दक्षता का प्रदर्शन कर सकें और आगे चलकर देश का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनें. विभाग का लक्ष्य है कि विद्यालयों के माध्यम से खेलों की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए, जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास हो सके.

- रजिस्ट्रेशन का समय सुबह 7 से 8 बजे तक निर्धारित
- सफेद यूनिफॉर्म और स्पोर्ट्स शू पहनकर आना अनिवार्य

ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्मतिथि 01 जनवरी 2007 या उसके बाद की होनी चाहिए. इस ट्रायल में राज्य के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं. ट्रायल हेतु एलिजिबिलिटी फॉर्म में खिलाड़ी का फोटो में प्रधानाध्यापक या प्रभारी का हस्ताक्षर अनिवार्य है. एलिजिबिलिटी फॉर्म जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय या जिला क्रिकेट संघ से प्राप्त किया जा सकता है.

खिलाड़ियों को ट्रायल के दिन अपने साथ आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, पिछले वर्ष का अंक पत्र एवं बोनाफाइड प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से लाना है. ट्रायल हेतु रिपोर्टिंग एवं रजिस्ट्रेशन का समय सुबह 7 से 8 बजे तक निर्धारित किया गया है. इसके बाद किसी भी खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्वीकार नहीं किया जाएगा. ट्रायल लेदर बॉल से लिया जाएगा, अतः खिलाड़ियों को अपना पूरा क्रिकेट किट साथ लाना आवश्यक है.सभी खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए सफेद यूनिफॉर्म (व्हाइट ड्रेस) और स्पोर्ट्स शू पहनकर आना अनिवार्य है.

मुख्यमंत्री की नजरों में जो बैल है, वह लाखों जनता का चुना हुआ जनप्रतिनिधि है

बैल के सिंग की मार झेलने को तैयार रहे राज्य की हेमंत सरकार: आदित्य साहू

शुभम संदेश। घाटशिला/रांची

झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने सोमवार को मुख्यमंत्री के बैल वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी. साहू ने कहा कि बैल गांव,गरीब,किसान की पहचान है. करोड़ों लोगों के पेट भरने में सहयोगी है. लेकिन बहुत ऐसे लोग होते हैं, जो बैल से काम लेने के बाद उसके महत्व को भूल जाते हैं. मालिक होने का अहंकार सिर चढ़कर बोलने लगता है.साहू ने कहा कि गांव,गरीब ,किसान जनता के लिए बैल ही उपयोगी है, इसलिए आज जनता उसी बैल के साथ खड़ी है.

कार्यकारी अध्यक्ष साहू ने कहा कि लेकिन आज बैल गुस्से में है, आक्रोशित है और जनता उसी के साथ खड़ी है.कहा कि मुख्यमंत्री जिसको बैल बोलकर अपमानित करते हैं, वह राज्य का पूर्व मुख्यमंत्री है, आदिवासी समाज का अगुआ हैं, लाखों जनता के लंबे समय से जन प्रतिनिधि हैं. साहू ने कहा कि बैल के अपमान का बदला जनता लेने को तैयार है. अब हेमंत सरकार को बैल के सिंग की मार झेलने को तैयार रहना चाहिए.

लूट और झूठ से ऊब चुकी है राज्य की जनता

साहू ने कहा कि जनता लूट और झूठ से ऊब चुकी है. आम आदमी परेशान है. स्वास्थ्य,शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है. बालू, पत्थर,खान खनिज की लूट मची है. युवा शक्ति हताश और निराश है. महिलाएं भयभीत हैं. कहा कि राज्य की बेटियां अब विद्यालयों में भी असुरक्षित हो गई हैं. ऐसी हालत से राज्य को उबारने के लिए जनता कमर कस कर तैयार हो चुकी है.

महाकाल के दरबार में पहुंचीं अभिनेत्री दिव्या दत्ता, बोलीं -आत्मा तृप्त हो गई

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 12

रांची, मंगलवार 11 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 4, अंक : 211 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

थाई मांगुर की तस्करी : चांदी की हथकड़ी से जकड़े हैं कानून के हाथ

कैंसर के कारोबारी

- रुपेश वसूलता है एनएच से पासिंग के डाक की रकम
- थानेदार से लेकर गश्ती पार्टी की भी महीने की बंधी है कमाई
- जीटी रोड में तस्करी के लिए करने पड़ते हैं लाखों खर्च
- लाखों के खर्च पर करोड़ों की कमाई करते हैं बंगाल के तस्कर

रिजवान शम्स

किस्त- 11

धनबाद (शुभम संदेश)। विश्व के कई देशों में प्रतिबंधित थाई मांगुर के खिलाफ शुभम संदेश की मुहिम जारी है. इस मुहिम में शुभम संदेश की टीम ने झारखंड, बंगाल, बिहार और यूपी में थाई मांगुर की तस्करी की हर परत कुरेदी है. मुहिम के तहत इस खतरनाक मछली के तस्कर, तस्करी के तरीके, इनको संरक्षण देने वाले और एनएच के पासिंग एजेंटों की हर खबर आप तक पहुंचाई गई. इस तस्करी को रोकने वाले हाथों में ही चांदी की हथकड़ी लगा दी गई है. यही वजह है कि यह तस्करी सालों से बेखौफ जारी है, तो फिर चलिए आज की किस्त में कानून के रखवालों का रोल देखते हैं.

मैथन चेकपोस्ट इस तस्करी का सबसे प्रमुख केंद्र है. इस तस्करी के मास्टर माइंड अपना गेम भी यहीं से शुरू करते हैं. पहले यहां लोकल अधिकारी और छुटभैयों को मैनेज करने के बाद काम बन जाता था. लेकिन धीरे-धीरे तस्करी का दायरा बढ़ता गया और मैनेज करने वाले अधिकारियों की सूची भी लंबी होती गई. फिलहाल केवल एक साहब के लिए 20-22 लाख रुपये प्रति महीना का खर्च आ रहा है, यह रकम रुपेश उठाता है. इसके बाद छोटे साहब से लेकर सड़क पर लाठी भांजने वाले तक को भी तस्करी की रकम से कुछ न कुछ कमाई हो ही जाती है. इस खेल में तस्कर से लेकर चौकीदार तक कमाई में लीन हैं और नुकसान का जख्म इंसान और जानवर के साथ पूरे पर्यावरण को झेलना पड़ रहा है. हम बता चुके हैं कि धनबाद के नेशनल हाइवे में मैथन चेकपोस्ट से लेकर तोपचांची तक थाई मांगुर लदे वाहनों को पार कराने का ठेका लिया जाता है. इसमें कई टीमें लगी रहती हैं, फिलहाल जिस टीम को यह काम मिला है, उस गिरोह ने पुलिस को 22 से 25 लाख रुपये दिए हैं. थानेदारों के अलावा गश्ती पार्टी की अलग से महीने की रकम फिक्स है. जो तस्करों के माध्यम से इन तक समय पर पहुंच जाती है. इसके अलावा एनएच के छुटभैया नेताओं, रंगदारों की भी जेब गर्म करनी पड़ती है, ताकि इस अवैध कारोबार में कोई अड़चन न आए. यही कारण है कि बिना किसी बडे. विवाद के यह तस्करी का खेल दशकों से बेरोक-टोक जारी है.

मछली लदे वाहनों को स्कार्ट करती है स्कार्पियो

थाई मांगुर लदे ट्रकों को स्कार्पियो और बोलेरो जैसे वाहनों से स्कार्ट किया जाता है. शुभम संदेश की टीम ने एनएच पर बिना रोकटोक मछली ट्रकों को स्कार्ट करती हुई एक ऐसी ही काले रंग की स्कार्पियो की तस्वीर प्राप्त की है. ऐसे कई वाहन हैं जो मैथन चेकपोस्ट से लेकर तोपचांची तक रात के अंधेरे में दौड़ते हैं और इन खतरनाक मछलियों को थाना दर थाना पार कराते हुए तोपचांची बार्डर तक पहुंचाते हैं. इसी के लिए इन्हें प्रति ट्रक छह हजार रुपये मिलता है, जो महीने में लाखों रुपये की कमाई का साधन बन जाते हैं.

पासिंग पाने की लड़ाई में होते हैं विवाद

दशकों से जारी इस तस्करी में अक्सर पासिंग पाने वाले गुटों में ही आपसी खींचातान के कारण विवाद हो जाते हैं. असल में मैथन चेकपोस्ट में कई गुट हैं, जो पासिंग की कमाई छोड़ना नहीं चाहते. इस लड़ाई का फायदा पुलिस उठा रही है, क्योंकि पासिंग में जो खाकी की जेब में जिनता ज्यादा रकम उड़ेलती है, उसे ही इजाजत मिलती है. ऐसे में किसी एक गुट को ही पासिंग का काम मिलता है, जबकि शेष गुट इनके पीछे पड़े रहते हैं. इस बार भी विपुल, महेंद्र साहनी और सुनील यादव गुट ने काम हथिया लिया है, जबकि शेरू एंड कंपनी पीछे रह गया. हालांकि शेरू एंड टीम फिलहाल शांत पड़ा है, लेकिन अन्य गुट अगली बार की तैयारियों में मेहनत कर रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

झारखंड मंत्रिमंडल की बैठक 12 नवंबर को

रांची। झारखंड सरकार की मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार 12 नवंबर को अपराह्न 3 बजे से झारखंड मंत्रालय, प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी. इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने आधिकारिक सूचना जारी कर दी है. बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श और निर्णय लिए जाने की संभावना है. इनमें राज्य की विकास योजनाओं की समीक्षा, विभागवार कार्यों की प्रगति, नई नीतियों की स्वीकृति और प्रशासनिक नियुक्तियों से संबंधित प्रस्ताव प्रमुख रूप से शामिल हो सकते हैं.

सारंडा : 16 नवंबर को आर्थिक नाकेबंदी

चाईबासा। सारंडा वन क्षेत्र को वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी घोषित करने के निर्णय के खिलाफ स्थानीय लोग सड़कों पर उतरने की तैयारी में हैं. सारंडा बचाओ समिति ने इस निर्णय का जोरदार विरोध करते हुए 16 नवंबर को आर्थिक नाकेबंदी की घोषणा की है.पश्चिम सिंहभूम के छोटानागरा के जमकुंडिया नयाबाजार में आयोजित प्रतिनिधि सभा में आंदोलन की रणनीति तय की गई. सभा की अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी बुधराम लागुरी ने की.

रमा झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नियुक्त

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रमा खलखो को झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है. सोमवार शाम इससे संबंधित पत्र उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय भेजा. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा व संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष अलका लांबा के प्रति आभार व्यक्त किया.

बाजार समिति लूट-गोलीकांड का विरोध, बंद रहा कृषि बाजार

- 48 घंटे में उद्भेदन नहीं तो सड़क से सदन तक आंदोलन : सांसद ढुलू
- 48 घंटे के बाद कारोबारी करेंगे धनबाद की बंदी : चेतन गोयनका
- व्यापारी हमारे भाई, ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी : रागिनी

शुभम संदेश। धनबाद

बाजार समिति के व्यापारी श्याम भीमसरिया के साथ जानलेवा हमला और छिनतई के विरोध में बाजार समिति चेंबर ऑफ कॉमर्स का कृषि बाजार की बंदी पूर्ण रूप से सफल रही. बाजार समिति के सभी व्यापारी सुबह 11:00 बजे मंडी परिसर के मुख्य गेट पर जमा होकर इस घटना का विरोध किए. जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अंतर्गत सभी संगठन के पदाधिकारी शामिल हुए. बैठक में मुख्य रूप से धनबाद के सांसद ढुलू महतो और झरिया विधायक रागिनी सिंह, धनबाद के पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल, पूर्व पार्षद प्रिय रंजन, भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य संजीव अग्रवाल,राजकुमार अग्रवाल के साथ बड़ी संख्या में पूरे जिले के व्यापारी एकत्रित हुए. सभी ने इस आपराधिक घटना की निंदा की और पुरजोर विरोध किया. सांसद महतो ने कहा कि अगर प्रशासन 48 घंटे के अंदर इस घटना का उद्भेदन नहीं करता है तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेंगे. झरिया विधायक रागिनी सिंह ने इस घटना की तीव्र भर्त्सना की और कहा कि व्यापारी हमारे परिवार के सदस्य हैं और 24 घंटे हम उनके लिए तत्पर हैं. जब भी कोई जरूरत पड़ेगी, हम उनके साथ खड़े हैं. धनबाद जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 48 घंटे के अंदर अगर इस मामले का उद्भेदन नहीं होता है तो पूरे धनबाद जिला के व्यापारी धनबाद को बंद करने के लिए बाध्य होंगे. पूर्व महापौर श्री चंद्रशेखर अग्रवाल ने बाजार समिति की सुरक्षा पर चिंता जताई और अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की.

(शेष पेज-11 पर)

कृषि बाजार में टीओपी खोलने की मांग

धनबाद। कृषि बाजार के व्यापारियों ने कृषि बाजार परिसर के अन्दर पर्याप्त लाइट, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड और परिसर के अन्दर टीओपी खोलने की मांग की. इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थी. घटना को लेकर बरवाअड्डा पुलिस अपराधियों के सुराग जुटाने के लिए क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है. साथ ही कॉल डंप एवं अन्य तकनीक का सहारा ले रही है. वहीं कारोबारियों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश देखा गया.

7-8 करोड़ का कारोबार ठप

धनबाद। बाजार समिति में व्यापारी श्याम भीमसरिया पर बाइक सवार बदमाशों द्वारा गोलीबारी कर लाखों रुपये लूटने की घटना के विरोध में सोमवार को बाजार समिति पूरी तरह से बंद रही. इस घटना से नाराज व्यापारियों ने परिसर के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए स्थायी समाधान की मांग की. इस बंद के कारण दैनिक 7-8 करोड़ रुपये का व्यापार ठप रहा. व्यापारियों में घटना को लेकर काफी आक्रोश भी देखा गया.

प्रधानखंता में पकड़ाया तेंदुआ

शुभम संदेश। धनबाद

बलियापुर प्रखंड के ढांगी पहाड़ी स्थित प्रधानखंता हाई स्कूल के पास शनिवार की शाम उस वक्त अफरातफरी मच गई जब स्थानीय लोगों ने तेंदुए को घूमते देखा. तेंदुआ देखते ही लोग घरों से बाहर निकलकर शोर मचाने लगे, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप फैल गया. सूचना मिलते ही सीआरपीएफ के जवान और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. जवानों ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया ताकि तेंदुआ किसी रिहायशी इलाके में न घुस पाए.

करीब कई घंटों तक सर्च ऑपरेशन चला. स्थानीय लोग दूर से तमाशा देख रहे थे, वहीं वन विभाग की टीम ने ड्रोन और ट्रैंक्विलाइज़र गन की मदद से तेंदुए की लोकेशन का पता लगाया. आखिरकार शाम होते-होते टीम को सफलता मिली और तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया. रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी. वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर घबराएं नहीं, बल्कि तुरंत सूचना दें. रेस्क्यू के बाद तेंदुए को चिकित्सकीय जांच के लिए टोपचांची वन क्षेत्रीय कार्यालय भेजा गया, जहां उसकी सेहत की जांच की जा रही है.

स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की टीम की सराहना की.

नगर निकाय चुनाव पर झारखंड हाईकोर्ट सख्त

24 नवंबर तक निश्चित तिथि बताने का निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सोमवार को कड़ी टिप्पणी की और राज्य निर्वाचन आयोग को 24 नवंबर तक चुनाव की निश्चित तिथि बताने का निर्देश दिया. जस्टिस आनंदा सेन की अदालत ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि आयोग को अगली सुनवाई तक चुनाव कराने की समय-सारिणी प्रस्तुत करनी होगी.सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि राज्य में कराए गए ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट आयोग को सौंप दी गई है. उन्होंने कहा कि आयोग ने कुछ बिंदुओं, जैसे सीटों के आरक्षण और जनसंख्या सूची से संबंधित जानकारी मांगी है, जिसे जल्द उपलब्ध कराया जाएगा. इसके बाद ही चुनाव की अधिसूचना जारी की जा सकेगी.

42.5 लाख की अफीम बरामद, चार गिरफ्तार

हजारीबग। हजारीबाग जिले की मुफस्सिल थाना पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 8.2 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 42.5 लाख रुपये आंकी गई है. पुलिस ने मौके से चार अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्करों में सचिन कुमार (18, दारियातु, थाना -चतरा), राकेश कुमार मेहता (20, पबरा, थाना- कटकमसांडी, जिला – हजारीबाग), नन्कु ठाकुर (24, सतौर, थाना – चतरा) व अनिल दांगी (45 दारियातु, थाना – चतरा) शामिल है.

माइनिंग सरदार की परीक्षा : फर्जीवाड़ा मामले में आरोपियों को पुलिस पेपर की आपूर्ति

शुभम संदेश। धनबाद

डीजीएमएस माइनिंग सरदार की परीक्षा में हुए फर्जीवाड़ा मामले की सुनवाई सोमवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विजय कुमार श्रीवास्तव की अदालत में हुई. अदालत में आरोपियों को पुलिस पेपर की आपूर्ति की गई. अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 11 दिसंबर 2025 निर्धारित कर दी है.

ये है मामला: डीजीएमएस धनबाद में वर्ष 2001 तक नियम था कि मैट्रिक पास व अनुभव प्रमाणपत्र देकर डीजीएमएस द्वारा आयोजित माइनिंग सरदार की परीक्षा में बैठ सकते हैं. वर्ष 2003 व 2004 में शैक्षणिक योग्यता इंटर कर दी गई लेकिन सीबीआई को जानकारी मिली कि माइनिंग सरदार के लिए वर्ष 2003 ,2004 में डीजीएमएस में आयोजित परीक्षा में गड़बड़ी हुई है. जांच में खुलासा हुआ कि माइनिंग सरदार की परीक्षा में विनोद कुमार मंडल ,प्रयाग प्रसाद ,सहदेव प्रसाद ,अमित कुमार व अर्जुन कुमार गलत तरीके से बैठने का मौका दिया गया. चारों की शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक थी. इतना ही नहीं, इन लोगों को पास भी कर दिया गया. इनका अनुभव प्रमाण पत्र भी जांच में जाली निकला. डीजीएमएस से माइनिंग सरदार की परीक्षा पास करने के बाद मिले प्रमाण पत्र पर पांचों को कोल इंडिया की एसइसीएल व बीसीसीएल में नौकरी मिल गई. माइनिंग सरदार के पद पर बहाल होने के बाद इन लोगों को कंपनी की ओर से सैलरी वह अन्य मद में 1.52 करोड़ रुपए मिले. सीबीआई ने 30 जून 2017 को 8 आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

एसीबी ने आईएएस विनय को रिमांड पर लेने के लिए अदालत में आवेदन दिया

रांची। मुख्यमंत्री के सचिव रहे आईएएस अधिकारी विनय चौबे को अब एसीबी रिमांड पर लेगी. रिमांड के लिए एसीबी ने अदालत में आवेदन दायर किया है. विनय चौबे पहले शराब घोटाला और उसके बाद हजारीबाग के खासमहाल जमीन घोटाले में जेल में रह चुके हैं.एसीबी ने जमीन घोटाले में प्रारंभिक जांच (पीई) के बाद एफआईआर दर्ज की थी. जांच के दौरान उन्हें इस घोटाले में संलिप्त पाया गया और ठोस सबूत भी मिले हैं. इसके आधार पर एसीबी ने अदालत से विनय चौबे को रिमांड पर लेने का अनुरोध किया है.

अजब-गजब उजाले से कम, सीओ साहेब को अंधेरे से ज्यादा प्यार

दिन में आते नहीं, रात में जाते नहीं

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद अंचल अधिकारी रामप्रवेश कुमार की असामान्य दिनचर्या ने धनबाद में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू कर दी है. शुक्रवार रात करीब नौ बजे के बाद भी उन्हें अंचल कार्यालय में काम करते देखा गया, जबकि दिन के कार्यालय समय में उनकी उपस्थिति बेहद दुर्लभ बताई जा रही है. जिले में वर्तमान में कोई विशेष अभियान, वीआईपी दौरा नहीं होने के बावजूद सीओ साहब की यह रात्रिकालीन प्रेम चर्चाओं में है. साहेब की रात्रि कर्तव्यनिष्ठा को लेकर हर जुबान की अलग राग है.

कार्यालय पहुंचने वाले फरियादियों को अक्सर हाथ लगती है मायूसी

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सीओ रामप्रवेश कुमार से मिलने को कार्यालय समयानुसार पहुंचने वाले फरियादियों को अक्सर मायूसी हाथ लगती है. लेकिन शाम के बाद तो रामप्रवेश कुमार दफ्तर में लीन हो जाते हैं. इनके पुराने जानने वाले तो ये भी कह रहे हैं कि बलियापुर में भी रात को दफ्तर में बैठना इनको भाता था. धनबाद में भी यही हालात कायम हैं, पिछले कई दिनों से रात के समय अंचल कार्यालय में घंटों बिताते नजर आ रहे हैं. दस बजे तक कार्यालय की लाइटें जलती रहती हैं और आसपास के लोग और दुकानदार साहब की चर्चा में जुटे रहते हैं. कुछ तो ये भी कह रहे हैं कि सीओ साहेब को शांति पसंद है, दिन में भीड़भाड़ और शोर-शराबा के कारण वे ठीक से काम नहीं कर पाते हैं, लेकिन हर दिन उन्हें काम करने की लत है, इसी कारण रात में आकर अपने दायित्वों का निर्वहण पूरी इमानदारी से करते हैं.

शहर में दिन भर रेंगती रहीं गाड़ियां

शुभम संदेश। धनबाद

रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को कार्यालय खुलते ही शहर की सड़कें एक बार फिर जाम की चपेट में आ गईं. सुबह 10 बजे के बाद से शाम तक बैंक मोड़ से पूजा टॉकीज तक वाहन रेंगते नजर आए. पहले बैंक मोड़ पर भीषण जाम लगा, फिर फ्लाईओवर पर वाहनों की लंबी कतारें खड़ी हो गईं. इसके बाद गया पुल और पूजा टॉकीज तक जाम की स्थिति बनी रही. इस दौरान कई बार एंबुलेंस और स्कूल बसें भी जाम में फंस गईं, जिससे मरीजों और बच्चों को भारी परेशानी हुई. करीब दो किलोमीटर लंबी इस सड़क पर महज चंद ट्रैफिक पुलिसकर्मी ही हांफते दिखे, जो जाम नियंत्रित करने में असमर्थ रहे. (शेष पेज-11 पर)

एंबुलेंस-स्कूल बसें भी फंसी

ऑटो-टोटो के सर्विस लेन में चलने की हिदायत बेअसर

डीसी आदित्य रंजन के निर्देश पर डीएसपी ट्रैफिक अरविंद सिंह ने श्रमिक चौक पर सभी ऑटो और टोटो चालकों को सर्विस लेन से ही चलने की सख्त हिदायत दी थी लेकिन यह निर्देश महज चंद दिनों में ही हवा-हवाई साबित हो गया. ऑटो और टोटो अब भी मुख्य सड़क पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति और विकराल हो गई है.

ब्रीफ खबरें

पुटकी में खनन टास्क फोर्स की मासिक बैठक

पुटकी। पुटकी आंचलिक क्षेत्र में अवैध कोयला खनन,परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम को लेकर सोमवार को पीबी एरिया गेस्ट हाउस में खनन टास्क फोर्स की मासिक बैठक पुटकी अंचल अधिकारी (सीओ) विकास आनंद की अध्यक्षता में हुई. बैठक में अवैध कोयला कारोबार पर अंकुश लगाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. सीओ विकास आनंद ने कहा कि डीसी के निर्देश पर मासिक खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई. बीसीसीएल, पुलिस व सीआईएसएफ के समन्वय बनाकर अवैध खनन पर रोक लगाने पर चर्चा हुई. साथ ही खनन के दौरान स्थानीय लोगों को हो रही समस्याओं को दूर करने को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में डब्लू जे एरिया एजीएम दीपक कुमार, पीबी एरिया एजीएम एन एन राय, सर्किल इंस्पेक्टर जेपी महतो, पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन, केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय, मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी, भागाबांध ओपी प्रभारी धर्मराज कुमार, सीआईएसएफ इंस्पेक्टर एनके चौबे, बिजय कुमार, बृज बिहारी सिंह, अनिल सिंह, सुनील प्रसाद, जितेंद्र कुमार सिंह समेत सीआईएसएफ और कई थाना एवं ओपी के अधिकारी उपस्थित थे.

पंचायत जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा पर भवन प्रमंडल का शिलान्यास कार्यक्रम रद्द

कतरास। बाघमारा प्रखंड के लकड़का छाताबाद क्षेत्र में दो अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण कार्य हेतु निर्धारित शिलान्यास कार्यक्रम को भवन प्रमंडल द्वारा रद्द कर दिया गया. यह निर्णय उस समय लिया गया जब यह स्पष्ट हुआ कि कार्यक्रम में त्रिस्तरीय पंचायत जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया गया था. स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस पर गहरी नाराज़गी व्यक्त करते हुए इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अवहेलना बताया. उनका कहना है कि सहभागिता के बिना कोई भी विकास कार्य जनभावनाओं के विरुद्ध होगा. इस मामले में कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं. जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि जानबूझकर किया गया बहिष्कार है, जो न केवल असंवैधानिक है बल्कि स्थानीय स्वशासन की भावना के भी खिलाफ है.

गोविंदपुर में कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम

गोविंदपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदपुर ने सोमवार को राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम की शुरुआत समारोहपूर्वक की . इसके पूर्व कुष्ठ के विरुद्ध आखिरी युद्ध नामक रैली भी निकल गई, जिसने पूरे स्वास्थ्य केंद्र परिसर का परिभ्रमण किया और लोगों को कुष्ठ के प्रति सचेत किया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा विशेश्वर कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम 10 नवंबर से शुरू होकर 25 नवंबर तक चलेगा . इसमें सहिया और स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर कुष्ठ रोगी की खोज करेंगे. विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाओं को इस अभियान में लगाया गया है. उन्होंने कहा कि पंजों में कमजोरी, उंगलियों में कमजोरी, आंख बंद करने में परेशानी, शरीर पर सुन्न दाग, दाग में लालपन या सूजन, तंत्रिकाओं में मोटापा, दर्द अथवा झनझनाहट, लापर रिएक्शन आदि कुष्ठ संकेत है . इसके लिए सभी अस्पतालों में जांच और उपचार मुफ्त उपलब्ध है. उन्होंने इस अभियान में सभी नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील की.

खेल सौतन का : जिंदा में ही बनवा दिया मृत्यु प्रमाण पत्र, राशि हड़पने का इरादा

शुभम संदेस। चासनाला

बीसीसीएल के ई.जे. एरिया अंतर्गत भंवरा कोलियरी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां मृत कर्मचारी की दूसरी पत्नी पर पहली पत्नी को मृत दिखाकर नकली मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने और नौकरी व पीएफ राशि हड़पने का आरोप लगा है.

भंवरा क्षेत्र निवासी गीता हाड़ी, जो स्वर्गीय सुजीत हाड़ी की पहली पत्नी हैं, ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में इस पूरे मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि उनके पति सुजीत हाड़ी बीसीसीएल के भंवरा कोलियरी में कार्यरत थे और उनका निधन 10 फरवरी 2016 को हो गया था. उनके पति का पेस्लिप नंबर 01349463 और पीएफ नंबर C/26/02/2109 है.

गीता हाड़ी ने बताया कि जब वे अपने पति की जमा राशि के भुगतान के लिए एरिया ऑफिस भंवरा पहुँचीं, तो वहाँ यह जानकर दंग रह गईं कि उनकी सौतन उमा हाड़ी ने उनके नाम पर नकली मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया है. उन्होंने आरोप लगाया कि उमा हाड़ी ने यह दस्तावेज इसलिए तैयार करवाया ताकि वह पति की पीएफ राशि और नियोजन का लाभ खुद ले सके.

गीता हाड़ी ने कहा कि मैं आज भी जीवित हूँ, फिर भी मेरे नाम से मृत्यु प्रमाण पत्र कैसे जारी हो गया — यह गहन जांच का विषय है. इस फर्जीवाड़े में शामिल सभी लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए." उन्होंने यह भी मांग की कि बीसीसीएल प्रबंधन इस पूरे मामले की सत्यापन जांच कराए और उन्हें ही उनके दिवंगत पति की जमा राशि और नियोजन का अधिकार प्रदान करे. उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकरण में शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्चाधिकारियों और न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाएँगी.

स्थानीय लोगों ने भी इस पूरे मामले को चौंकाने वाला बताया और प्रशासन से मांग की कि ऐसी घटनाओं पर सख्त निगरानी रखी जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दूसरे के अधिकारों का दुरुपयोग न कर सके.

बाघमारा हीरक रोड पर भीषण हादसा

कार और बाइक की टक्कर में पति-पत्नी घायल, चालक फरार

शुभम संदेश। बरोरा

बरोरा थाना क्षेत्र के बेहराकुदर पेट्रोपंप के समीप बाघमारा-कतरास हीरक रोड पर सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों की पहचान निशा कुमारी (पत्नी) और जय कुमार हरी (पति) के रूप में हुई है. हादसे में निशा कुमारी की जांघ की हड्डी, कुल्हा और पैर की हड्डी टूट गई, जबकि जय कुमार की हालत भी बेहद गंभीर बताई जा रही है. हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और ग्रामीणों ने दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी संजीवनी निजी अस्पताल पहुंचाया. वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए धनबाद रेफर कर दिया. इधर, टक्कर मारने वाली चार पहिया वाहन (कार) का चालक मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गया. पुलिस ने वाहन को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त सड़क पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों की वजह से हादसे होते रहते हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

एनडीआरएफ की टीम भी सुमित की तलाश में विफल

शुभम संदेश। चासनाला

तेलमोचो के दामोदर नदी घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन बुधवार को स्नान करने के दौरान डूबे छह युवकों में से पांच युवकों का शव तो निकाल लिया गया था. परंतु सुमित राय का शव का पता छठे दिन भी नहीं निकाला जा सका था.जिसको लेकर रांची की टीम एन डी आर एफ के टिम के द्वारा सोमवार को ११बजे से मोहब्बनी के दामोदर नदी घाट पर खोजबीन करने में जुटे हुए है .फिलहाल शव का कोई पता नहीं चल सका है.

वहीं इस मामले मेंझरिया सीओ मनोज कुमार ने बताया की कार्तिक पूर्णिमा के दिन नहाने के क्रम में छह युवक डूबे थे लेकिन सुमित राय के शव का पता नहीं चल सका था.जिसकी खोज आज सोमवार को किया जा रहा है.एन डी आर एफ की टीम लगातार प्रयास में जुटी है. वहीं एन डी आर एफ टिम के कमांडर रवि शंकर ने बताया कि मेरे टिम के द्वारा नदी के दोनों ओर दस किलोमीटर के दायरे में खोजबीन की जा चुकी है अंदाजा हैं कि शव कही फंसा हुआ है. खबर लिखे जाने तक लापता सुमित का कुछ पता नहीं चल पाया था.

गोधर रवानी बस्ती के युवा करेंगे आंदोलन

केंदुआ (शुभम संदेश)। कुसुंडा एरिया में रेलवे साइडिंग तक कोयला ढुलाई करने का टेंडर लेनेवाली छतीसगढ़ की चर्चित ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्रगति के खिलाफ गोधर रवानी बस्ती के युवाओं ने रोजगार की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है. कोयले के कारोबार में चर्चित ब्रजेश सिंह ने ट्रांसपोर्ट कम्पनी के कार्य का शुभारम्भ ऑन लाइन किया था. वहीं अब रेलवे साइडिंग के निकट प्रभावित गांव के युवाओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ट्रांसपोर्टिंग के कार्य में स्थानीय बेरोजगारों को समाहित करने की मांग की है. गांव के प्रताप रवानी ने कहा कि साइडिंग में कोयला ढुलाई के उड़ते धूल व हो रहे प्रदूषण से जबसे ज्यादा बस्ती के लोग प्रभावित हैं. गांव के लोगों की जमीन गई तो रोजगार पर भी पहला हक स्थानीय लोगों का ही है.अबतक ट्रांसपोर्ट कम्पनी पर जिले के माफिया के कब्जा रहा है, जो युवाओं को दरकिनार कर खुद लूटने में लगे रहे.अब ऐसा नहीं चलने दिया जाएगा. युवा रोजगार के लिए सिर पर कफ़न बांध लड़ाई लड़ने को तैयार हैं. किसी माफिया को अब चलने नहीं दिया जाएगा. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन सिंह, छोटू अंसारी,लालू रॉय,सुरेंद्र रवानी आदि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

कलश यात्रा के साथ भागवत् कथा का आयोजन

गोविंदपुर (शुभम संदेश)। श्री विष्णु मंदिर भागवत सेवा समिति मटियाला द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत सोमवार को कलश यात्रा के साथ हुई . श्री विष्णु मंदिर प्रांगण से सैकड़ो श्रद्धालु महिलाओं ने सिर में कलश लेकर बाजा गाजा के साथ यात्रा शुरू की. करीब 2 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद नेरो खुदिया नदी में श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा और सिर में कलश लेकर फिर कथा स्थल मंदिर प्रांगण पहुंचकर यात्रा संपन्न हुई . कलश शोभायात्रा से पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया . शाम में वृंदावन से आए भागवत मर्मज्ञ की हिरणमय गोस्वामी ने कथा शुरू की . सात दिवसीय कथा के प्रथम दिन कथावाचक गोस्वामी ने भागवत महात्म्य के बारे में विस्तार से बताया. उन्होंने कहा कि कलियुग में भागवत कथा आयोजन से कम पुण्य कथा कथा श्रवण में नहीं है. जो श्रद्धालु सातों दिन नियमित रूप से सात्विक रहकर कथा श्रवण करता है, उसे पुण्य की प्राप्ति होती है. इस आयोजन को सफल बनाने में काशीनाथ घाटी, उत्पल साधु, दिलीप घाटी, साधन घाटी, राकेश घाटी, उमापद साधु समेत विष्णु सेवा समिति के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. कार्यक्रम का आयोजन सोलह आना दीगर समिति ने किया है.

कुमारडीह में महिला उत्पीड़न जागरुकता अभियान

महुदा (शुभम संदेश)। उत्क्रमित उच्च विधालय कुमारडीह, एवं स्वामी विवेकानन्द +2 इन्टर कॉलेज महुदा में सोमवार को क्रिया के सेल्फ लीडर , ट्रेनर के सहयोग से स्वाभिमान संस्था धनबाद द्वारा कहानी सर्किल को लेकर किशोरियों को उनके ऊपर हो रहे हिंसा की पहचान और अधिकार पर जानकारी दी गई. हिंसा पर आधारित कहानी लिखने को कहा गया जो आस पास की महिला या किशोरी पर आधारित हो या खुद पर भी लिखे, कैसे पढ़ने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है समाज के लोगो का नजरिया केसे रूकावट आती है और कैसे आप सभी उसे तोडकर अपने सपनों की और बढ़ रही है. टैनर रोमा कुमारी ने कहा कि हमें बहुत खुशी हो रही है कि हम क्रिया के सेल्फ लीडर ट्रेनर बनने का मौका मिला ओर जानकारी सभी किशोरियों तक साझा करने का यह पहला मौका है जहां पर हमें अपनी बातो को खुलकर बात करने सिखाया जाता है . संस्था अध्यक्ष भुवनेश्वरी देवी व सचिव सुषमा देवी ने बताया कि लड़कियों को उनके ऊपर हो रहे हिंसा पर बात करने की जरूरत है विद्यालय के शिक्षिकाओं का बहुत अच्छा सहयोग रहा. मौके पर दर्जनों किशोरियों ने भाग लिया.

बरोरा क्षेत्र के नए महाप्रबंधक का धकोकसं ने किया स्वागत

बरोरा (शुभम संदेश)। धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ बरोरा क्षेत्र की क्षेत्रीय कार्य समिति की पूरी टीम ने सोमवार को क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय, बरोरा क्षेत्र में नए महाप्रबंधक शके.के. सिंह और क्षेत्रीय प्रशासन के माननीय संयुक्त हेमंत कुमार हेना का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया. इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने नए महाप्रबंधक को पुष्प गुच्छ एवं वस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया. कार्यक्रम में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के संयुक्त महामंत्री सह प्रभारी बरोरा क्षेत्र भौमिक महतो, मंत्री सह प्रभारी ब्लाक-2 क्षेत्र एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष सह क्षेत्रीय सुरक्षा समिति सदस्य देवनाथ चौहान, क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह कल्याण समिति सदस्य घनश्याम नोनिया, क्षेत्रीय सचिव सह सलाहकार समिति सदस्य नंदुराम दुसाध के अलावा जितेंद्र पासवान, संजय पासवान, पंकज कुमार, कार्तिक महतो, कार्तिक रविदास, प्रशांत कुमार सिंह, ललन चौहान, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, अनुप चौहान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

लोहापट्टी पंचायत सचिवालय में सामूहिक अन्नप्राशन

महुदा (शुभम संदेश)। टाटा स्टील फाउंडेशन की और से सोमवार को लोहापट्टी पंचायत सचिवालय में अन्न प्रासन (मुंह जुठी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि बॉबी एवं आंगनबाड़ी सुपरवाइजर विनिता पौद्दार के द्वारा 11 बच्चो को खीर खिलाकर मुंह जुठी करवाया. साथ ही उन्हें पूरक पोषाहार के बारे में जानकारी दी गयी. पंचायत सचिवालय में उपस्थित धात्री महिलाओं को पोषण युक्त भोजन के बारे में जानकारी दी गयी. वहीं अपने बच्चों को पोषण से भरपूर आहार खिलाने के लिए प्रेरित किया गया. इस दौरान टाटा स्टील फाउंडेशन की और से सेविकाओं को वजन मशीन दिया गया. मौके पर फाउंडेशन के धनंजय कुमार, मुखिया प्रतिनिधि बॉबी महतो, शम्भु रविदास, दुलाल राय, बिनोद महतो, फनी महतो, रंजीत महतो, सेविका अनिता देवी, बबली रानी, कुसुम देवी, सुमित्रा देवी, तिलकी देवी, लख्खी देवी, चिंता देवी, शकुंतला देवी, बुचनी देवी सहित सभी केंद्र के सहायिका एवं स्वास्थ्य सहियाएं मौजुद थे.

विश्व विज्ञान दिवस पर मायुमं की निबंध प्रतियोगिता

शुभम संदेश। झरिया

विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा द्वारा सोमवार को निबंध लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन मनीष कोचिंग सेंटर, मानबाद में किया गया. "वैज्ञानिक चिंतन – वैश्विक सौहार्द की राह" विषय पर प्रतियोगिता आयोजित हुई. प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने निबंधों के माध्यम से विज्ञान के मानवीय एवं नैतिक पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए. यह प्रतियोगिता हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में आयोजित की गई. 45 मिनट की समयावधि में प्रतिभागियों ने 300 शब्दों की सीमा में अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया. निर्णायक मंडल द्वारा निबंधों का मूल्यांकन किया जा रहा है, जिसके परिणाम आगामी दो दिनों में घोषित किए जाएंगे. सर्वश्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों को मारवाड़ी युवा मंच द्वारा सम्मानित किया जाएगा. शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि, "ऐसे आयोजन छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक होते हैं. जब युवा वर्ग विज्ञान को जीवन से जोड़ता है, तभी समाज में ज्ञान, प्रगति और सौहार्द का विस्तार संभव होता है." कार्यक्रम संयोजक संकल्प अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में तार्किकता और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं. वैज्ञानिक चिंतन को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर ही हम ज्ञान, शांति और विकास का दीप प्रज्वलित कर सकते हैं.

नाबालिग लड़की को दिल्ली ले जाने वाला दंपति गिरफ्तार

प्रेमी के खिलाफ भी नाबालिग के परिजनों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

शुभम संदेश। चिरकुंडा

चिरकुंडा थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर देह व्यापार के लिए विभिन्न शहरों में ले जाने का मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में चिरकुंडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुमारधुबी कोलियरी से आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. नाबालिग को मेडिकल जांच के लिए धनबाद भेजा है.

कुमारधुबी कोलियरी निवासी नाबालिग की मां ने 7 नवंबर को चिरकुंडा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. इसके बाद नाबालिग लड़की के बरामद होने व लड़की के फर्द बयान के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई. लड़की का कहना है वह 7 नवंबर की सुबह में कचौड़ी लाने जा रही थी कि रास्ते में उसका दोस्त मिला व कहा कि कहीं घूमने चलेंगे. इसके बाद नाबालिग ने घर आकर स्कूल बैग में.कपड़ा भरकर दोस्त के साथ कुमारधुबी स्टेशन पहुंची व कुमारधुबी कोलियरी निवासी आरोपी राजकुमार सोरेन व उसकी पत्नी संजना देवी भी कुमारधुबी स्टेशन पहुंचे. फिर ट्रेन पकड़कर धनबाद स्टेशन आई. नाबालिग लड़की व उसके दोस्त ने धनबाद से पूर्वा एक्सप्रेस पकड़ा व पति-पत्नी ने कहा कि वे दोनों दूसरी ट्रेन से दिल्ली पहुंच रहे हैं. लड़की ने दोस्त से कहा कि उसको तीन बजे अपना घर जाना है तो दोस्त ने कहा कि घर ही जा रहे हैं. फिर दोस्त ने सिर दर्द की दवाई दी. दवा खाने के बाद उसे नींद आने लगी. नींद आने के बाद लड़की को उपर वाले बर्थ में सुला दिया. घर से लड़की के दोस्त को बार-बार फोन आने लगा तो ट्रेन से प्रयागराज स्टेशन पर उतर गई. क्योंकि उसे कुछ होश आ गया था, इस कारण वो धनबाद स्टेशन आने वाली ट्रेन में बैठकर धनबाद पहुंची व अपने परिजन को फोन किया. इसके बाद परीजन आकर लड़की को घर लाए. लड़की के फर्द बयान पर चिरकुंडा पुलिस ने आरोपी कुमारधुबी कोलियरी निवासी राजकुमार सोरेन व उनकी पत्नी संजना सोरेन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. नाबालिग का दोस्त फरार है व पुलिस अन्य की तलाश कर रही है.पुलिस का कहना है कि ये आरोपी दिल्ली के अलावे अन्य शहरों में नाबालिक लड़की को बहला फुसलाकर भेज देते व काम के नाम पर देह व्यापार कराते हैं. इस कांड का उद्भेदन करने के लिए चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय के नेतृत्व एक टीम बनाई गई जिसमें एसआई अर्जुन सिंह,शिवकुमार टियू, रोबिनसन मुंडरी,एएसआई वन्दिता कुमारी,मो असगर आदि पुलिसकर्मी थे.

वार्ता के बाद परसियाबाद में आंदोलन समाप्त, काम शुरू

शुभम संदेश। झरिया

भौंरा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते प्रदूषण व पानी-बिजली की समस्या व ओबी डंप के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूटा. आक्रोशित ग्रामीणों ने परसियाबाद के पास बीसीसीएल व आउटसोर्सिंग कंपनी का ट्रांसपोर्टिंग व ओबी डंपिंग कार्य रविवार को सुबह 9.30 बजे से बंद रखा था. जिसके बाद सोमवार को एकीकृत भौंरा नार्थ - साउथ के परियोजना पदाधिकारी बीके पांडेय,भौंरा ओपी प्रभारी सुमन सौरभ जाम स्थल पर पहुंच कर आंदोलकारियों से वार्ता की. जिसमें परियोजना पदाधिकारी श्री पांडेय ने कहा कि क्षेत्र के महाप्रबंधक बाहर हैं. जिसके कारण वार्ता नहीं हो पा रही है. उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि महाप्रबंधक के आते ही शनिवार तक वार्ता कराकर समस्या का समाधान किया जायेगा. जिसके बाद 26 घंटे बाद आंदोलन समाप्त हो गया. उसके बाद ट्रांसपोर्टिंग व ओबी डंपिंग कार्य शुरू हो गया. इधर ग्रामीणों की ओर से सुबोध सिंह ने कहा कि अगर शनिवार तक प्रबंधन द्वारा वार्ता कर समास्या का समाधान नहीं किया गया तो पुनः अनिश्चितकाल के लिए ट्रांसपोर्टिंग ठप किया जायेगा. मौके पर सुबोध सिंह, सुनील पासवान, शिवप्रकाश सिंह, योगेंद्र महतो , कार्तिक महतो, गोपाल यादव, बीरेंद्र यादव,बिनोद रवानी, श्यामजी पासवान समेत दर्जनों ग्रामीण थे.

फुलपहाड़ी में चार दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

नवडीहा और जूनियर गर्ल्स टीम विजेता

शुभम संदेश। टुंडी

पूर्वी टुंडी प्रखंड के रूपण पंचायत अंतर्गत आदिवासी क्लब द्वारा आयोजित चार दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का सोमवार को फुलपहाड़ी गांव में समापन हुआ. समापन समारोह में 25 गांवों के हजारों ग्रामीण उपस्थित थे.

पुरुष वर्ग में कुल 24 टीमों ने भाग लिया. फाइनल मुकाबला नवडीहा और बरवाअड्डा टीम के बीच हुआ, जिसमें पेनल्टी शूटआउट में 0-1 के अंतर से नवडीहा टीम विजेता बनी.

महिला वर्ग में 4 टीमों ने भाग लिया. फाइनल मुकाबला जूनियर गर्ल्स टीम टुंडी और किस्कू ग्रुप टीम रूपण के बीच खेला गया, जिसमें 0-1 से जूनियर गर्ल्स टीम ने जीत दर्ज की.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोनेत संथाल समाज के केंद्रीय कोषाध्यक्ष एवं झामुमो के वरिष्ठ नेता रतिलाल टुडू उपस्थित थे. उन्होंने पुरुष वर्ग की विजेता टीम को ₹10,000, उपविजेता टीम को ₹7,000 तथा महिला वर्ग की विजेता टीम को ₹4,000 और उपविजेता टीम को ₹2,000 नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की.

श्री टुडू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को खेल के साथ-साथ शिक्षा पर भी समान ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार शीघ्र ही कई विभागों में भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है, ऐसे में युवाओं को शिक्षा और शारीरिक दक्षता दोनों में निपुण होना चाहिए. उन्होंने कहा — "हार की कोख में ही जीत की उम्मीद जन्म लेती है, इसलिए हार से विचलित न हों." कार्यक्रम का संचालन सुदेश हांसदा और रवि मरांडी ने किया. मौके पर पूर्व जिप सदस्य सुनिल मुर्मू, नुनुलाल मुर्मू, सुनिल मरांडी, अमित सोरेन, रवि मरांडी, मुन्ना हांसदा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

कर्ज से परेशान ठेका मजदूर ने दी जान, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

शुभम संदेश। बोकारो

बालीडीह थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक का शव रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया. मृतक की पहचान बनसिमली गांव निवासी बीरबल आचार्य के रूप में हुई है, जो बीएसएल प्लांट में ठेका मजदूर के रूप में कार्यरत था. प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बीरबल कर्ज के बोझ से परेशान था. मृतक के पिता कार्तिक आचार्य ने बताया कि उनके बेटे ने प्लांट में काम करने वाले एक व्यक्ति से दो लाख रुपये उधार लिए थे. उसने अपने पिता से कहा था कि यदि वह कर्ज नहीं चुका पाया तो आत्महत्या कर लेगा. पिता ने किसी तरह रकम जुटाकर उसे दे भी दी, लेकिन इसके बावजूद वह तनाव में था. सोमवार सुबह वह घर से शौच के लिए निकला था, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटा. कुछ समय बाद ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक पर शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी. मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान की. एएसआई एस. मुर्मू ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है. उन्होंने कहा कि युवक खेलकूद में सक्रिय था, लेकिन हाल के दिनों में आर्थिक संकट से जूझ रहा था. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. घटना के बाद गांव में शोक की लहर है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों ने प्रशासन से ठेका मजदूरों की आर्थिक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की मांग की है.

15 दिनों में दुकानों से हटाएं ओआरएस लेबल वाले पेय पदार्थ : सिविल सर्जन

शुभम संदेश। बोकारो

सिविल सर्जन सह अभिहित पदाधिकारी डॉ. अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में ड्रग एंड केमिस्ट एसोसिएशन एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स बोकारो के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि वे 15 दिनों के भीतर अपने दुकानों से ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट) शब्द वाले सभी पेय पदार्थों को हटा दें. सिविल सर्जन ने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने किसी भी खाद्य उत्पाद या पेय पदार्थ के नाम में ओआरएस शब्द के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है. यह खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन माना जाएगा. खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी गुलाब लकड़ा ने कहा कि फल आधारित या गैर-कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के नाम में ओआरएस शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता. इस दौरान ओआरएसएल, ओआरएसएल प्लस, ओआरएसएल एडभांज केयर, ओआरएसएफआइटी टीएम, न्यूट्रियरस एप्पल इनरिचड, पेपर बोट स्विंग ज्यूसी ओआरएस, डॉ. रेड्डिस रेबलंज, फ्रूटोरस आदि उत्पादों को दुकानों से हटाने का निर्देश दिया गया. सिविल सर्जन ने स्पष्ट किया कि आदेश का उल्लंघन करने वालों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 52 और 53 के तहत 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है. बैठक में डॉ. सुधा सिंह, डॉ. रेनू भारती, पुतली विलुंग, गुलाब लकड़ा, रविशंकर, कंचन सहित जिला स्वास्थ्य विभाग एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

आरपीएफ ने बरामद की महिला की बाली

बोकारो (शुभम संदेश)। सोमवार को ट्रेन संख्या 12801 एक्सप्रेस में एक महिला यात्री की गुम हुई बाली आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए बरामद कर ली. जानकारी के अनुसार, आरपीएफ पोस्ट बकसी के एएसआई एच.के. सिंह अपने स्टाफ के साथ ट्रेन संख्या 12801 एक्सप्रेस को टाटानगर से बकसी तक एस्कॉर्ट ड्यूटी पर ले जा रहे थे. इसी दौरान आद्रा एससीएनएल से रेल मदद शिकायत संख्या 2025111002696 प्राप्त हुई. शिकायत के आधार पर आरपीएफ टीम को कोच संख्या ए-1, सीट संख्या 50 पर भेजा गया, जहाँ शिकायतकर्ता से मुलाकात हुई. शिकायतकर्ता ने बताया कि वे पुरी से गोमो जा रहे थे. उनके पास पुरी से टाटानगर तक ए-1 कोच की और टाटानगर से गोमो तक बी-4 कोच की टिकट थी. सामान कोच बदलने के दौरान उनकी पत्नी की कान की बाली गुम हो गई थी, जिस पर उन्होंने तुरंत हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना दी. आरपीएफ टीम ने तत्परता दिखाते हुए ए-1 कोच के बर्थ संख्या 50 पर कर्मचारियों और यात्रियों की मदद से जांच की और बाली बरामद कर ली. जब बाली शिकायतकर्ता को दिखाई गई, तो उन्होंने पहचान कर पुष्टि की कि यह उनकी ही बाली है. बरामद बाली का अनुमानित मूल्य करीब 20 हजार रुपये बताया गया. आरपीएफ अधिकारियों ने यात्रियों से सजग रहने और किसी भी समस्या या शिकायत पर तुरंत रेल मदद या हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करने की अपील की.

दुष्कर्म करने के दोषी को आजीवन कारावास

दुमका (शुभम संदेश)। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसएन मिश्रा की अदालत ने चार साल पहले जामा की किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले अमलाचातर के दिलीप राय को दोषी करार देते हुए सोमवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने अभियुक्त पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. मामले में सरकार की ओर से लोक अभियोजक चंपा कुमारी ने बहस की. अदालत ने आठ गवाह के बयान और साक्ष्य के आधार पर यह सजा सुनाई है. जानकारी के अनुसार जामा के एक गांव की किशोरी 31 मई 2021 को घर में बताकर शौच करने के लिए गई थी. जंगल से दिलीप राय ने डरा धमका कर उसका अपहरण कर लिया और खेत से दूर वीरान एक गडढे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. काफी देर तक किशोरी वापस घर नहीं आई तो घरवालों ने उसकी खोजबीन की. इसी क्रम में घरवालों ने आरोपित को किशोरी के साथ गलत काम करते हुए पकड़ लिया. गिरफ्त में आने के बाद भी आरोपित भाग निकलने में सफल रहा. किशोरी के पिता ने जामा थाना में उसके खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया. बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दिलीप को अपहरण और दुष्कर्म करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई.

नाबालिग को भगाने वाला युवक गिरफ्तार

दुमका (शुभम संदेश)। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र से दो महीने पहले नाबालिग लड़की को भगा ले जाने वाला युवक आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया. पुलिस ने आरोपी युवक नागेश्वर उर्फ मिथुन महतो और नाबालिग लड़की दोनों को साहिबगंज जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र से बरामद किया है. मामले की शुरुआत 12 सितंबर 2025 को हुई थी, जब शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी. शिकायत में बताया गया था कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री, जिसने इसी वर्ष मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी, को शिखरडंगाल पलासी गांव निवासी नागेश्वर महतो उर्फ मिथुन बहला-फुसलाकर भगा ले गया है. इस संबंध में थाना कांड संख्या 102/25 दर्ज की गई थी, जिसमें बीएनएस की धारा 96 और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही थी. पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक और नाबालिग को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया है. दोनों को थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

टेंपो के धक्के से वृद्ध घायल

साहिबगंज। बरहेट थाना क्षेत्र में रविवार शाम करीब 5:30 बजे साहिबगंज-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर तलबड़िया चौक के पास एक अज्ञात टेंपो ने सड़क पार कर रहे तलबड़िया गांव निवासी 60 वर्षीय कलिया तुरी को जोरदार टक्कर मार दी. ठोकर लगने से कलिया तुरी गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के अनुसार, उनके सिर में गंभीर चोट आई है. घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहेट लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. घटना की सूचना मिलते ही बरहेट थाना पुलिस स्वास्थ्य केंद्र पहुंची और घायल से घटना के संबंध में जानकारी ली. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

आस्था क्लब लोदकियारी टूर्नामेंट में बना चैंपियन

कसमार (शुभम संदेश)। कसमार प्रखंड के बगदा पंचायत अंतर्गत लोदकियारी में स्टूडेंट क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन सोमवार को हुआ. फाइनल मैच में आस्था क्लब, साहदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकेश स्पोर्टिंग क्लब, रितुडीह को 0-1 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. निर्णायक गोल मैच के दूसरे हाफ में आया, जिसके बाद रितुडीह की टीम वापसी नहीं कर सकी. पुरस्कार वितरण राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री के पुत्र एवं झामुमो युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विनय कपूर ने किया. उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मंच पर सम्मानित भी किया गया. इस दौरान राहुल किस्कू (आस्था क्लब, साहदा) को मैन ऑफ द मैच तथा अमन कुमार (मुकेश स्पोर्टिंग क्लब, रितुडीह) को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया. विनय कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण प्रतियोगिताएं ही प्रतिभा की असली पाठशाला हैं, जहां से खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचते हैं. उन्होंने आयोजन समिति और ग्रामीणों के प्रयासों की सराहना की. कार्यक्रम का संचालन उमेश कुमार महतो ने किया. मौके पर बीस सूत्री समिति के प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम, अर्जुन हेंब्रम, कुलदीप करमाली, संजय सिंह, नीरज कुमार भट्टाचार्य, ज्ञानेश जायसवाल, छत्रु महतो, किशुन महतो, राजेश टुडू, भोला स्वर्णकार सहित अनेक खेलप्रेमी मौजूद थे. टूर्नामेंट के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष शेखर प्रसाद महतो, सचिव लंबोदर मुर्मू, कोषाध्यक्ष कालेश्वर टुडू, रणदेव मुर्मू, जगन्नाथ मुर्मू, दिलीप टुडू, प्रदीप मुर्मू, राहुल मुर्मू, देवानंद टुडू, रामेश्वर मुर्मू, सुमित किस्कू, नितेश मुर्मू आदि की भूमिका सराहनीय रही.

ब्रीफ खबरें

ठेगड़ी जी की 105वीं जयंती मनी

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच ने सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सेक्टर 9 डी में संस्थापक राष्ट्रऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेगड़ी जी की 105वीं जयंती स्वदेशी संकल्प दिवस के रूप में मनाई. कार्यक्रम में क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्वदेशी अपनाने पर बल दिया. जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को स्वदेशी का संकल्प दिलाया और हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की. इस अवसर पर दीपक चौधरी, नवीन सिन्हा, ददन प्रसाद सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे.

रजत जयंती पर आज मनरेगा दिवस

साहिबगंज। झारखंड राज्य की रजत जयंती समारोह के तहत 11 नवंबर को पूरे जिले में मनरेगा दिवस मनाया जाएगा. पंचायत स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मनरेगा योजनाओं में पारदर्शिता, श्रमिक सहभागिता और ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है. इस अवसर पर जन-जागरुकता रैली, मांग पंजीकरण, कार्य आवंटन, जॉब कार्ड वितरण और सामूहिक शपथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

सीएम के आदेश पर आश्रितों को सहायता

बोकारो। लुगूबुरू घंटाबाड़ी धोरोंमगढ़ महोत्सव 2025 के दौरान 5 नवंबर (बुधवार) को एक दुखद घटना घटी, जब पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले से आई श्रद्धालु आलोका सोरेन (आयु 45 वर्ष) का पर्वतारोहण के दौरान अचानक निधन हो गया. जानकारी के अनुसार, सोरेन अपने परिजनों के साथ पर्वत पर चढ़ाई कर रही थीं, तभी उन्हें अस्वस्थता महसूस हुई और कुछ ही क्षणों में उन्होंने अंतिम सांस ली. इस घटना पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर जिला प्रशासन बोकारो द्वारा सोमवार को मृतका के परिजनों को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया.

राज्य स्थापना दिवस पर डीसी ने की बैठक

दुमका। समाहरणालय सभागार में आज उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में राज्य स्थापना दिवस (11 से 15 नवंबर) के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने 11 से 15 नवंबर तक प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस झारखंड की पहचान, संस्कृति और उपलब्धियों का प्रतीक है, इसलिए सभी कार्यक्रम व्यवस्थित, आकर्षक और गरिमा के अनुरूप होने चाहिए. उपायुक्त ने बताया कि 15 नवंबर को कन्वेंशन सेंटर में मुख्य समारोह का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा. इसके साथ ही झारखंड की लोक-संस्कृति को प्रदर्शित करने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे. उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि कार्यक्रमों की तैयारी समयबद्ध रूप से पूरी की जाए और आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं. बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे.

दो सड़क हादसों में एक शिक्षक सहित दो की मौत

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो युवक घायल

शुभम संदेश। गिरिडीह

साहिबगंज। उधवा प्रखंड के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दक्षिण सरफराजगंज पंचायत के मनिहारी टोला, मदिया गांव में सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान मदिया निवासी अशरफ शेख के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार, अशरफ शेख रोजाना की तरह गोहलबाड़ी स्थित अपनी दुकान बंद कर होंडा एसपी साइन (जेएच 17 एन 2318) पर सवार होकर मदिया लौट रहे थे. इसी दौरान मदिया पुल के पास विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही सुपर स्प्लेंडर (जेएच 18 जे 2101) बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई. दुर्घटना में अशरफ शेख की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार फुदकीपुर नौघरिया गांव के दीपक कुमार और मनिहारी टोला के एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों घायलों को इलाज के लिए पश्चिम बंगाल ले जाया गया है. घटना की सूचना मिलते ही राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. साथ ही दोनों बाइकों को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसे में सोमवार को एक शिक्षक सहित दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना पचम्बा थाना इलाके के रानीखावा में हुई, जहां एक अज्ञात गाड़ी ने जमुआ थाना क्षेत्र के मरखोमुंडी निवासी दिनेश यादव (38) के बाइक को टक्कर मारा और फरार हो गया. इसमें दिनेश यादव की मौत मौके पर ही हो गई. मृतक दिनेश यादव रानीखावा से अपने गांव जा रहा था. दूसरी घटना जिले के सरिया थाना इलाके के परासिया गांव में हुई. जहां सरिया डीएवी स्कूल के शिक्षक गणेश सिन्हा की मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार गणेश सिन्हा (32) सरिया के बागोडीह परसिया गांव के रहने वाले थे और सोमवार को ड्यूटी में स्कूल जा रहे थे. इसी दौरान उनके बाइक को ट्रैक्टर ने टक्कर मारा दी, जिसमें वे गंभीर रुप से घायल हो गए. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गणेश सिन्हा गंभीर रूप से जख़्मी हो गए. लेकिन सरिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाने में क्रम में रास्ते में उनकी मौत हो गई. सरिया थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया. घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई और परिजन पहुंच गए.

ऑटो-ट्रैक्टर की टक्कर में आठ घायल, पांच रेफर

डुमरी। थाना क्षेत्र के जामतारा रेलवे ओवरब्रिज के समीप सोमवार को यात्रियों से भरे एक ऑटो और ट्रैक्टर की टक्कर में छह महिलाएं और एक बच्चे सहित आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को राहगीरों और स्थानीय लोगों की सहायता से डुमरी रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच घायलों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया. वहीं अन्य घायलों का इलाज रेफरल अस्पताल में ही चल रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि यात्रियों से भरा ऑटो पीरटांड़ से डुमरी जा रहा था. इसी दौरान ओवरब्रिज के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रैक्टर ने ऑटो को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया. इस दुर्घटना में चैनपुर पंचायत के डोमा बारा की सुमन देवी, आशा देवी, सीमा कुमारी, प्रिंस कुमार (3 वर्ष), चैनपुर के शंकर तुरी व दुखनी देवी, हरलाडीह की लीलावती देवी, समदा की मसोमात बंधवा और ऑटो चालक पांडेयडीह निवासी बालगोविंद महतो गंभीर रूप से घायल हो गए. प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सुमन देवी, आशा देवी, शंकर तुरी, लीलावती देवी और बालगोविंद महतो को धनबाद रेफर किया गया. घटना के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले गई.

बाइक की चपेट में आने से किशोर घायल

गांडेय (गिरिडीह)। अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के अहिल्यापुर–तारातांड़ मुख्य मार्ग पर बगीचा दुर्गा मंडप के समीप सोमवार की सुबह सड़क दुर्घटना में एक 14 वर्षीय किशोर घायल हो गया. घायल किशोर की पहचान अहिल्यापुर गांव निवासी भुनेश्वर रजक, पिता कैलास रजक के रूप में हुई है. घटना के बाद पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पिंटू हाजरा सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए निजी वाहन से धनबाद भेज दिया. मिली जानकारी के अनुसार भुनेश्वर कुछ सामान लेकर घर लौट रहा था, तभी गांडेय की ओर से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मार दी. घायल किशोर का इलाज फिलहाल धनबाद स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है.

गोड्डा में अवैध शराब की बड़ी खेप बरामद, एक गिरफ्तार, दो फरार

शुभम संदेश। गोड्डा

झारखंड से बिहार की ओर जा रही अवैध शराब की बड़ी खेप को पुलिस ने पकड़ा है. पुलिस ने दो बोरों में भरी 127 बोतल देशी और विदेशी शराब बरामद की है. इस दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य युवक फरार हो गए. घटना रविवार रात बसंतराय थाना क्षेत्र के डेरमा मोड़ की है. बसंतराय पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि डेरमा मोड़ से कोरियाना जाने वाले रास्ते पर एक मोटरसाइकिल से दो व्यक्ति अवैध देशी और विदेशी शराब की तस्करी कर रहे हैं. सूचना के आधार पर वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर गश्ती दल ने गोड्डा–बांका मुख्य मार्ग स्थित कोरियाना चेकपोस्ट पर जांच अभियान शुरू किया. इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक चेकिंग देखकर भागने लगे. पुलिस ने पीछा किया और गेरुआ नदी के बांध के पास एक युवक को पकड़ लिया, जबकि मोटरसाइकिल चालक भागने में सफल रहा. भागने के क्रम में बाइक से शराब से भरा बोरा गिर गया. उसी दौरान एक दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति भी पुलिस को देखकर फरार हो गया, लेकिन उसने भी शराब भरा बोरा रास्ते में गिरा दिया. दोनों बोरों की जांच करने पर रॉयल स्टैग और रॉयल झारखंड लेबल लगी कुल 127 बोतलें बरामद की गईं. पुलिस ने इस संबंध में बसंतराय थाना कांड संख्या 88/25 दर्ज की है. गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मिथलेश यादव (22 वर्ष), पिता बुध नारायण यादव, ग्राम शकहारा, थाना नवादा बाजार ओपी, जिला बांका (बिहार) के रूप में की गई है. उसे जेल भेज दिया गया है. वहीं, फरार आरोपियों की पहचान पीयूष मंडल (ग्राम खजुर कुरामा, थाना नवादा बाजार, जिला बांका, बिहार) और राहुल यादव (ग्राम शकहारा, थाना नवादा बाजार, जिला बांका, बिहार) के रूप में की गई है. दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. छापेमारी दल में बसंतराय थाना प्रभारी रामदेव वर्मा, पुअनि रविंद्र कुमार गुप्ता, आशोक कुमार, हवलदार रामेश्वर मंडल, आरक्षी गौतम सोरेन सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

हेमंत सोरेन अपने नेताओं को जानवर समझते हैं : बाबूलाल

मृत विनोद मरांडी के परिजनों से मिले, संवेदना व्यक्त कर की आर्थिक मदद

शुभम संदेश। तिसरी (गिरिडीह)

नेता प्रतिपक्ष सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बैल वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के सभी विधायक, सांसद और नेताओं को जानवर समझते हैं. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के इस बयान से उनकी मानसिकता का परिचय मिलता है. इसके साथ ही बाबूलाल मरांडी ने बिहार चुनाव को लेकर दावा किया कि बिहार में एनडीए गठबंधन की पूर्ण बहुमत से सरकार बनने जा रही है. श्री मरांडी तिसरी प्रखंड के गड़कुरा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने हाल ही में हादसे में मारे गए विनोद मरांडी के परिजनों से मुलाकात की. उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और आर्थिक सहायता भी प्रदान की. जानकारी के अनुसार, मृतक विनोद मरांडी (पुत्र रघु मरांडी) शिकार के लिए घर से निकला था, इसी दौरान करंट लगने से उसकी मौत हो गई थी. घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाना ने खोजबीन शुरू की थी और सुरंगवा जंगल से उसका शव बरामद किया गया था. सोमवार को बाबूलाल मरांडी ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और सहायता राशि सौंपी. मौके पर भाजपा नेता अशोक उपाध्याय, रामचंद्र ठाकुर, उदय साव, चंदौरी मंडल अध्यक्ष सुनील साव, संतोष राम, तिसरी मंडल अध्यक्ष सुनील शर्मा, नितेश यादव, लखीराम हेंब्रम सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

IN THE COURT OF EXECUTIVE MAGISTRATE/ RESIDENTIAL, BOKARO

AFFIDAVIT

I, SAHDEO KISKU, S/O Bishun Manjhi, Aged about 56 years, resident of village- Dahiyari, Tola- Kochagora, P.O. Parasbani, P.S. Nawadih, District- Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That, my Nationality is Indian.
2. That, my correct and real name has been mentioned as **SAHDEO KISKU** S/O Bishun Manjhi in my Aadhaar Card vide Aadhaar Card No. 4227 9169 1663 and Pan Card vide Pan No. **GMHPK1415C**.
3. That, in my bank Passbook of Bank of India, Bhendra Branch Vide Account No.488510110000316 my name has been mentioned as **SAHADEO KISHKU** S/O Bishu Manjhi.
4. That, **SAHDEO KISKU**, S/O Bishun Manjhi and **SAHADEO KISHKU**, S/O Bishu Manjhi both names are same and one person i.e. myself.
5. That, I want to correct or rectify my name and my father's name in my aforesaid Bank account as **SAHDEO KISKU**, S/O Bishun Manjhi in place of **SAHADEO KISHKU**, S/O Bishu Manjhi.
6. That, I am swearing this affidavit to submit before the authority concern for needful purpose.
7. That, the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge, information and belief, if found incorrect or false I shall be liable for the prosecution under the relevant section of law.

Affidavit No. 7546 Dt. 18.09.2025

बीएसएल में जल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक पहल

खास बात

- 30 एमजीडी एसटीपी की स्थापना

शुभम संदेश। बोकारो

बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करने जा रहा है. संयंत्र द्वारा बोकारो टाउनशिप में 30 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) क्षमता वाला अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया जा रहा है. यह परियोजना सर्कुलर वाटर इकोनॉमी को साकार करने और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बीएसएल की एक ऐतिहासिक पहल है. वर्तमान में बीएसएल अपने औद्योगिक कार्यों और टाउनशिप के घरेलू उपयोग के लिए लगभग 39 एमजीडी पेयजल की आपूर्ति करता है. संयंत्र और टाउनशिप से उत्पन्न लगभग 30 एमजीडी सीवेज एवं अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक शोधन, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना आरंभ की जा रही है. यह एसटीपी सीक्वेंशियल बैच रिएक्टर (एसबीआर) तकनीक पर आधारित होगा, जो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप होगा. इसमें सीवेज जल के कुशल संग्रहण, शोधन एवं पुनः उपयोग के लिए आधुनिक अवसंरचना विकसित की जाएगी. शोधित जल की गुणवत्ता दामोदर नदी से लिए जाने वाले रॉ जल से भी बेहतर होगी, जिसे इस्पात निर्माण प्रक्रिया में पुनः प्रयुक्त किया जाएगा. यह परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे दीर्घकालिक संचालन एवं रख रखाव की जिम्मेदारी अनुभवी एजेंसियों के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी. इस परियोजना का वर्क ऑर्डर वर्तमान वित्तीय वर्ष के भीतर जारी किए जाने की संभावना है, जिससे इसके शीघ्र क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा. परियोजना पूर्ण होने पर बीएसएल में जल संरक्षण, पर्यावरणीय अनुपालन और स्वच्छता के स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा. इससे संयंत्र की रॉ जल पर निर्भरता घटेगी तथा लगभग 4000-5000 घनमीटर प्रति घंटा कम जल दामोदर नदी से लिया जाएगा, जिससे लगभग 50 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की बचत होगी. यह पहल स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन तथा नमामि गंगे जैसे राष्ट्रीय अभियानों की भावना के अनुरूप है. इसके साथ ही लंबे समय से प्रतीक्षित म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना भी शीघ्र ही बोकारो स्टील टाउनशिप में स्थापित की जाएगी. 30 एमजीडी एसटीपी और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सुविधा के क्रियान्वयन के साथ, बोकारो टाउनशिप झारखंड का पहला ऐसा नगर बन जाएगा जहाँ इस क्षमता की इतनी उन्नत पर्यावरणीय सुविधाएं एक साथ उपलब्ध होंगी. इन पहलों के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र अपनी सतत विकास, जल संरक्षण, पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन और आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से अभिव्यक्त कर रहा है. यह प्रयास बीएसएल को एक ईको-एफिशिएंट, जिम्मेदार और भविष्य उन्मुख संगठन के रूप में और अधिक सशक्त बनाएगा.

नेशनल खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर शुरू

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी में डीएवी नेशनल लेवल स्पोर्ट्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है. यह शिविर 8 नवंबर से 12 नवंबर तक आयोजित हो रहा है. इस शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल की तकनीक, बारीकियों, जटिलताओं और दांव-पेचों की सम्यक जानकारी देकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है. इस अवसर पर क्लस्टर इंचार्ज सह प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए खेल-कूद के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं. उन्होंने कहा कि डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के माध्यम से विद्यालय ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है.

झारखंड की रजत जयंती समारोह आज से

खास बातें

- झारखंड की रजत जयंती समारोह : 25 वर्षों की यात्रा – संस्कृति, विकास और उम्मीदों की कहानी
- डीसी ने की कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह की शुरुआत मंगलवार से होने जा रही है. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार एकता और प्रगति की दौड़ कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार सुबह 6:30 बजे धनबाद के गोल्फ ग्राउंड से किया जाएगा. यह आयोजन झारखंड की 25 वर्षों की विकास यात्रा, संस्कृति और उम्मीदों की कहानी को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास है. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की एकता, गौरव और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है. फिट झारखंड-हेल्थी झारखंड के संदेश को आमजन तक पहुँचाते हुए युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना को प्रोत्साहित करना इसका प्रमुख लक्ष्य है. साथ ही खेल और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय सहभागिता और सामाजिक एकता को सुदृढ़ बनाने पर भी विशेष बल दिया गया है. दौड़ में विद्यालयी छात्र-छात्राएँ, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र, आम नागरिक, खेल प्रेमी तथा प्रशासनिक अधिकारी एवं पुलिस बल के सदस्य भाग लेंगे. प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों के लिए ओपन कैटेगरी रखी गई है. विजेताओं को प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम स्थान पर 3000 एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर 2000 एवं ट्रॉफी, तथा तृतीय स्थान पर 1000 एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी. "रन फॉर झारखंड" के माध्यम से जिला प्रशासन ने नागरिकों से राज्य की प्रगति और एकता के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान किया है.

गोल्फ ग्राउंड से निकलेगा प्रचार रथ

धनबाद। समाहरणालय सभागार में राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं सरकार आपके द्वार कार्यक्रम अंतिम तैयारियों को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिले से वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया. झारखंड की रजत जयंती समारोह का आयोजन मंगलवार से प्रारंभ हो रहा है. उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार मंगलवार को सुबह 6:30 बजे गोल्फ ग्राउंड से रन फॉर झारखंड – एकता और प्रगति की दौड़ की जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुवात की जाएगी. इसके उपरांत उपायुक्त द्वारा दोपहर एक बजे समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ/प्रचार रथ को हरी झंडी दिखा कर सभी प्रखंडों के लिए रवाना करेंगे. उपायुक्त ने कहा की 15 नवंबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला के टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमे झारखंड आंदोलनकारी का सम्मान, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन, विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र वितरण, नियुक्ति पत्र वितरण समेत अन्य कार्यक्रम निर्धारित हैं.

सभी सरकारी भवनों की 15 से पहले हो सफाई : डीसी ने 15 नवंबर से पूर्व सभी पंचायत स्तरीय, प्रखंड स्तरीय तथा जिला स्तरीय सरकारी भवन तथा कार्यालयों और चौक चौराहे पर साफ सफाई, साज सज्जा कर भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर लगा कर माल्यार्पण करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए. जिला खेल तथा पर्यटन पदाधिकारी उमेश लोहरा ने बताया की दिनांक 12 नवंबर को स्ट्रीट डांस का आयोजन सिटी सेंटर में आयोजित किया जाएगा. वहीं दिनांक 13 नवंबर को तोपचांची प्रखंड कार्यालय से तोपचांची झील तक साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा. साथ ही 14 नवंबर को बैंक मोड स्थित मॉल में स्ट्रीट डांस का आयोजन किया जाएगा. इसके साथ ही वॉल पेंटिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. सभी प्रखंडों के बेहतरीन पेंटिंग को जिला के विभिन्न मॉल में प्रदर्शनी के लिए लगाई जाएगी, इच्छुक लोग इसे खरीद भी सकते हैं. मौके पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन समेत विभिन्न विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे.

न्यूज अपडेट

युवाओं को मिलेगा उचित प्लेटफार्म : चंद्रप्रकाश चौधरी

धनबाद (शुभम संदेश)। धनबाद परिसदन में गिरिडीह लोकसभा के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने सांसद खेल महोत्सव की तैयारी को लेकर प्रेस वार्ता की. सांसद ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उनको उचित प्लेटफार्म देने के लिए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन देश के सभी लोकसभा क्षेत्र में किया जा रहा है. उचित प्लेटफार्म देने के लिए क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, तीरंदाजी, कबड्डी, खोखो, जूडो, गतका, मैराथन दौड़ जैसे कई खेलो का आयोजन कर खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर पहुंचने और उनको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दे रही है. एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि बाघमारा में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा, खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन एसोसिएशन के माध्यम से जिला स्तर में किया जाएगा. सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से रणजी स्तर, देश स्तर के विभिन्न खेलो के खिलाड़ी जो लोकसभा क्षेत्र और इसके आसपास से जो रहे है उन्हें आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा ताकि खिलाड़ियों को आगे खेलने और बढ़ने की प्रेरणा मिले. प्रेस वार्ता के दौरान धनबाद से विनय कुमार सिंह, सचिव धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन, मो जुबैर, सचिव आर्चरी एसोसिएशन, सूरज प्रकाश, सचिव वॉलीबॉल एसोसिएशन, तरक नाथ दास, सचिव एथलेटिक एसोसिएशन, संतोष तिवारी, सचिव क्रिकेट एसोसिएशन गिरिडीह, पप्पू कुमार सिंह, सचिव जूडो एसोसिएशन, तपन कुमार, विनायक वैभव, धनेश्वर महतो, जिला महामंत्री भाजपा, सुभाष रवानी, जिला सांसद प्रतिनिधि धनबाद, उत्तम गयाली, भाजपा मंडल अध्यक्ष, दीपक कुमार, राकेश गयाली, रिंकू महतो, कमलेश महतो, रामचंद्र ठाकुर, भास्कर ओझा, अर्जुन महतो, मिथलेश कुमार, आदि मौजूद थे.

सुरक्षा के लिए प्रशासन उठाएं कठोर कदम : दिलीप

धनबाद (शुभम संदेश)। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र स्थित बाजार समिति में व्यापारी श्याम भीमसरिया पर बाइक सवार बदमाशों द्वारा गोलीबारी कर 4 लाख रुपये लूटने की घटना के विरोध में सोमवार को बाजार समिति पूरी तरह से बंद रही. इस घटना से नाराज व्यापारियों ने परिसर के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए स्थायी समाधान की मांग की. इस बंद के कारण दैनिक 7-8 करोड़ रुपये का व्यापार ठप रहा. धरना-प्रदर्शन में युवा समाजसेवी दिलीप सिंह भी शामिल हुए. उन्होंने व्यापारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुरक्षा के मुद्दे को विस्तार से समझा. दिलीप सिंह ने कहा कि बढ़ती आपराधिक गतिविधियां इस बात का संकेत हैं कि व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में है और प्रशासन को तुरंत कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है.

30 रेलकर्मियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

धनबाद (शुभम संदेश)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में संरक्षा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर धनबाद मंडल के रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने सितंबर 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किया. पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों ने मंडल के विभिन्न खंडों में रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल और अन्य संरक्षा संबंधी खामियों का समय पर पता लगाकर संभावित दुर्घटनाओं और असामान्यताओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.कार्यक्रम में मंडल के अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित थे.

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकली कलश शोभा यात्रा

शुभम संदेश। तेतुलमारी

राधा कृष्ण प्रेम मंदिर के तत्वावधान में सुरेन्द्र हरीदास सानिध्य में पांडेडीह में श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व भव्य तुलसी कलश यात्रा का आयोजन किया गया. भागवत कथा से पूर्व हिंदू रीति रिवाज से भव्य तुलसी यात्रा निकल गया. जिसमें क्षेत्र की भारी संख्या में महिलाओं ने सिर पर तुलसी कलश धारण कर अपनी आस्था और परंपरा का अनुपम परिचय दिया. वहीं बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की मधुर ध्वनियों से यात्रा को और भी भव्य बना दिया. कलश यात्रा पांडेडीह दुर्गा मंदिर, तेतुलमारी राधा-कृष्ण मंदिर सुर्य मंदिर पहाड़ी तालाब से जल भर कर शिव मंदिर,हरि मंदिर, हनुमान मंदिर चंदौर भक्ति रस में सराबोर कर गया. यह दृश्य सचमुच इस बात का प्रतीक था कि जब भक्ति सच्ची हो, कोई कठिनाई. इस कथा को सफल बनाने में आशिष वर्मा, आशा वर्मा धनंजय सिंह सपरिवार,श्रवण वर्मा, प्रदीप वर्मा,मनोहर पांडे, दिगम्बर पांडे, किशोरी वर्मा,विजय बाउरी, मीना देवी, कविता देवी,सीता देवी, सुनीता देवी कपूरिया देवी.आदि समस्त पांडेडीह चंदौर बांध, तेतुलमारी नगरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है.

मणिपाल हॉस्पिटल्स समूह ने शुरू किया अन्वेषण

सतत चिकित्सा शिक्षा और जागरूकता की नई पहल

शुभम संदेश। धनबाद

मणिपाल हॉस्पिटल्स समूह ने सोमवार को 'अन्वेषण' नामक एक नई पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य मीडिया और आम लोगों के बीच स्वास्थ्य से जुड़ी सही जानकारी और लगातार चिकित्सा सीखने को बढ़ावा देना है. कार्यक्रम में मणिपाल हॉस्पिटल्स, धाकुरिया के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट और यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. बस्तब घोष, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. आयुष गोयल और मणिपाल हॉस्पिटल्स, बेंगलुरु के चेयरमैन एवं स्पाइन सर्जन डॉ. एस. विद्याधर (वर्चुअली जुड़े) ने हिस्सा लिया. विशेषज्ञों ने बताया कि आज के समय में चिकित्सा क्षेत्र में लगातार नई तकनीकें और जानकारी सामने आ रही हैं, इसलिए डॉक्टरों और आम जनता दोनों के लिए अपडेट रहना बहुत जरूरी है. अन्वेषण' शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है खोज करना और समझना. यह कार्यक्रम मणिपाल हॉस्पिटल्स की निरंतर सीखने और समाज को सटीक स्वास्थ्य जानकारी देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इस पहल के ज़रिए डॉक्टरों और मीडिया के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि लोगों तक सही और भरोसेमंद स्वास्थ्य जानकारी पहुँच सके. डॉ. बस्तब घोष ने कहा, "मणिपाल कॉम्प्रिहेन्सिव कैंसर सेंटर में हर मरीज की देखभाल विभिन्न विशेषज्ञों की टीम मिलकर करती है. कैंसर का इलाज केवल दवाओं या सर्जरी से नहीं होता, बल्कि इसमें टीमवर्क, सटीकता और संवेदना की जरूरत होती है. जब अस्पताल में सभी सुविधाएं एक ही जगह पर मिलती हैं, तो मरीज को बेहतर इलाज के साथ आत्मविश्वास और सुकून भी मिलता है. डॉ. एस. विद्याधर ने कहा ने कहा कि समाज का स्वास्थ्य बेहतर हो इसके लिए कार्य करेंगे. डॉ. आयुष गोयल ने बताया कि सर्दियों में सांस की बीमारियाँ बढ़ जाती हैं. समय-समय पर फेफड़ों की जांच करानी चाहिए. हम जागरूकता पर भी जोर देते हैं, क्योंकि रोकथाम ही सबसे बेहतर इलाज है. डॉक्टरों ने बताया कि मणिपाल हॉस्पिटल्स के सभी केंद्रों में अनुभवी विशेषज्ञों की टीम 24 घंटे उपलब्ध रहती है, कार्यक्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें डॉक्टरों ने मीडिया के साथ कैंसर से जुड़ी गलतफहमियों से लेकर अंग प्रत्यारोपण जैसी नई प्रगतियों पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि जैसे डॉक्टरों को लगातार सीखते रहना चाहिए, वैसे ही मीडिया भी लोगों तक सही स्वास्थ्य जानकारी पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

आसनसोल

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार की मांग, सड़क पर उतरी महिलाएं

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया जिले के जयपुर ब्लॉक में दांड़ीकुड़ी और सीधी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की खराब स्थिति में सुधार की मांग पर क्षेत्र की महिलाएं सड़कों पर उतर आईं. जयपुर ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी को एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा. प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि सीधी और दांड़ीकुड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अक्सर क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा सेवाओं से वंचित रहना पड़ता है. इन स्वास्थ्य केंद्रों पर बुनियादी इलाज भी उपलब्ध नहीं है. अंततः आज जयपुर ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया.मूलतः उनकी माँग है कि 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध रहें. सड़कों की हालत बहुत खराब है और उन्हें ठीक किया जाए. पर्याप्त संख्या में डॉक्टरों की व्यवस्था की जाए. एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाए. इलाके की महिलाओं ने कई माँगों के साथ पुरुलिया स्थित जयपुर बीएमओएच का रुख किया. उधर, जयपुर प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य अधिकारी दिब्येंदु महतो ने सबके सामने इस गंभीर स्थिति को स्वीकार नहीं किया. उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग आज जो मांगें लेकर मेरे पास आए हैं, उनसे मैं अपने उच्च अधिकारियों को अवगत करा दूँगा. मैं स्वयं 24 घंटे डॉक्टर की सेवा के लिए मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष सभी मुद्दे उठाऊंगा.उन्होंने कहा कि यहां से जयपुर स्वास्थ्य केंद्र या पुरुलिया देवेन महातो स्वास्थ्य केंद्र की दूरी काफी है, जिसके कारण कई मरीजों को मौत का सामना करना पड़ता है. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी ने हमारी सभी मांगों को गंभीरता से सुना है और आश्वासन दिया कि उनका समाधान करने का पूरा प्रयास करेंगे. इसलिए आज हमने अपना ज्ञापन दिया और चेतावनी दी कि यदि हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे.

इनर व्हील क्लब ने स्कूलों को बांटे पंखे-वाटर फिल्टर

शुभम संदेश। रानीगंज

रानीगंज में महिला विंग इनर व्हील क्लब की जिला अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल ने क्लब की गतिविधियों और समाज में इसके योगदान की सराहना की. जिला अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल का स्वागत रानीगंज शाखा की अध्यक्ष अनीशा भुवालका दुबे, महासचिव श्वेता बरनवाल एवं अन्य सदस्यों ने किया. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने रानीगंज के दुर्गा विद्यालय प्राइमरी स्कूल में जेरॉक्स मशीन एवं प्रिंटर मशीन प्रदान किया. इसके साथ-साथ वाटर फिल्टर एवं दो पंखे एवं अन्य कई सामग्रियां स्कूल को प्रदान की उसके पश्चात दूसरा स्कूल दुर्गा विद्यालय हाई स्कूल में जाकर वाटर कूलर प्रदान किया. रानीगंज की सदस्यों ने जिला अध्यक्ष को रानीगंज के आस्था का केंद्र श्याम मंदिर का दर्शन करवाया इस अवसर पर रानीगंज शाखा की भूतपूर्व अध्यक्ष जया सांथोलिया, कोषाध्यक्ष बीणा बाजोरिया , रितिका वाधवा, सहित कई सदस्या उपस्थित थे . अध्यक्ष अनीशा भुवालका दुबे ने बतलाया कि दीमापुर से जिला अध्यक्ष पिंकी अग्रवाल आज रानीगंज शाखा का सर्वेक्षण करने आई एवं रानीगंज शाखा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा व्यक्त की एवं हम लोगों की हौसला भी अफजाई किया. अनिशा ने बतलाया कि पिंकी अग्रवाल हमारे अभिभावक के रूप में है हमेशा हमें सामाजिक कामों में आगे ले जाने के लिए प्रेरित करती हैं हम सभी सदस्या उनके प्रति आभार प्रकट करते है. पिंकी अग्रवाल के जज्बे को हम लोग सलाम करते हैं. जिला अध्यक्ष पिंकी ने कहा कि रानीगंज शाखा की अध्यक्ष अनीशा जी के नेतृत्व में जोरदार सामाजिक एवं सेवा के कार्य किया जा रहे हैं ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आने वाले दिनों में रानीगंज इनर व्हील क्लब का नाम पूरे जिला स्तर पर सर्वश्रेष्ठ होगा. इनर व्हील क्लब की जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि क्लब का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने परिवार का बेहतर तरीके से भरण-पोषण कर सकें. क्लब द्वारा मेहंदी क्लास, सेल्फ डिफेंस क्लास, और जरूरत मंद छात्रों की ट्यूशन की व्यवस्था की जाती है. वहीं अन्य कार्यक्रम में रानीगंज श्रीश्याम मंदिर की ओर से समाजसेवी पिंकी अग्रवाल को सम्मानित किया गया.

बराकर के वार्ड 67 के पाल पाड़ा की कच्ची सड़क धंसी

शुभम संदेश। बराकर

कुल्टी बोरो अंतर्गत वार्ड 67 के पाल पाड़ा मे एक कच्ची सड़क पर कलवार्ट अचानक धंसान होने से कुछ देर के लिये आवाजही बंद ही गयी, घटना खबर मिलते ही स्थानीय महिला पार्षद टुम्पा चौधरी ने सर्वप्रथम इस सड़क से आने जाने वाले लोगों के लिये एक पत्थर लगाकर रास्ता बनाया, ताकि इस सड़क से आने जाने वाले लोगों को कठिनाईयों का सामना नही करना पड़े,बाद में नगर निगम कर्मियों के सहयोग से धंसान की जगह पत्थर की स्लेब लगवाया गया , पार्षद टुम्पा चौधरी ने बताया कि वार्ड नं0 67 में एक कच्ची सड़क है.जिससे होकर लोगों का आना जाना लगा रहता है.अचानक लगभग 5 फीट लम्बी एवं 4 फीट चौड़ी रास्ता में धंसान हो गया.इसकी खबर मिलते ही तत्काल इसकी भराई की गई.उन्होंने कहा कि रास्ता मुख्य सड़क से दूर है.जिस बस्ती की आबादी बहुत कम है.इसके बावजूद भी इस रास्ते से लोगों का आना जाना लगा रहता है.यदि इसकी तत्काल भराई नही की गयी होती,तो रात के अंधेरे में इस कच्ची सड़क से होकर गुजरने वाले लोग धंसान में गिर सकते थे.स्थानीय लोगों ने इसके लिये पार्षद टुम्पा चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया.

आओ खुशियां बांटें का चार राज्यों में सफल आयोजन

शुभम संदेश। बर्नपुर

बाल शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण मिशन की अग्रणी संस्था, हमारा संकल्प ने अपनी वार्षिक शिक्षा आधारित प्रमुख गतिविधि "आओ खुशियां बांटें – 6.0" का सफल आयोजन किया. यह कार्यक्रम 4 नवम्बर से 9 नवम्बर 2025 तक सात स्थानों पर हुआ. पश्चिम बंगाल (पुरुलिया, जमुरिया, दुर्गापुर, बर्नपुर), झारखंड (जमशेदपुर), बिहार (मोतिहारी) एवं उत्तर प्रदेश (चंदौली) में. यह कार्यक्रम संस्था के संस्थापक अजय कुमार सिंह के पूज्य पिता स्व रविशंकर सिंह की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया. ग्रामीण, जनजातीय एवं पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु इस अभियान के अंतर्गत 500 से अधिक स्कूली बैग एवं स्टेशनरी सामग्री विद्यार्थियों के बीच वितरित की गई. इस श्रृंखला का अंतिम कार्यक्रम रविवार को बर्नपुर के साउथ रोड स्थित हमारा संकल्प के मुख्यालय में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत एवं श्लोक वाचन आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए. कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी सुभाष चन्द्र अग्रवाला ने बढ़ाई. उनके साथ विशिष्ट अतिथि सुशील कुमार सिन्हा (निदेशक, बर्नपुर रिवरसाइड स्कूल), डॉ. पी. के. झा, समाजसेवी पूर्णेन्दु चौधरी , बिमल मिहारिया, आईएसपी के एजीएम दुर्गेश कुमार , सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट गौरी शंकर श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे. उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को स्कूल बैग एवं छात्रवृत्ति प्रदान की. इस कार्यक्रम के सफल संचालन में महिला समिति की अध्यक्षा मुनमुन राय के नेतृत्व में डोलन पाल, विक्रम पासवान, मौमिता चौधरी, मऊ दास, ज्योति बाला, दिपेन साहा, ललिता प्रसाद, सीता प्रसाद, बैजंती राजक, अरिंदम एवं मनोज प्रसाद सहित टीम के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा. अपने संबोधन में सुभाष अग्रवाला ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है. वहीं अजय कुमार सिंह, क्षेत्रीय आयुक्त–I, सीएमपीएफओ, कोयला मंत्रालय, ने कहा कि हम शीघ्र ही और अधिक शिक्षा में सहयोग केंद्र खोलने जा रहे हैं ताकि अधिक बच्चों को शिक्षा का अवसर मिल सके.

नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ के संस्कृति से अवगत कराने का प्रयास

शुभम संदेश। बर्नपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में इस्को स्टील प्लांट में कार्यरत छत्तीसगढ़िया कर्मचारियों द्वारा छत्तीसगढ़ महोत्सव का आयोजन भारती भवन में किया गया. इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के लोक नृत्य कला की प्रस्तुती के लिए ₹चिन्हारी₹ समूह के देवेंद्र कुमार देशमुख द्वारा 18 सदस्यीय साथी कलाकारों के साथ बर्नपुर पहुचें और कार्यक्रम में सफल प्रस्तुति दी. इस दौरान बच्चों के समूह ने भी छत्तीसगढ़ी लोक संगीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में आईएसपी के सीजीएम (इलेक्ट्रिकल, ए एंड आई एंड सी एंड ए) पीके मिश्रा एवं सीजीएम (यूएसएम) हेमंत कुमार मौजूद रहे. इस कार्यक्रम मुख्य उद्देश्य वर्तमान और आगे की पीढ़ी को छत्तीसगढ़ के संस्कृति से अवगत कराना था. वहीं जीमन(एम एम) अजय चंद्राकर के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बर्नपुर में रहने वाले छत्तीसगढ़िया लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया. कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष सिन्हा, राहुल कौशिक, आनन्द राठौर, नरेंद्र पाटले, विनय देशमुख, बाबूलाल बरेठ, सुरेंद्र साहू की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही.

एयरपोर्ट विस्तार का दूसरे दिन भी विरोध जारी

शुभम संदेश। बोकारो

पुनर्वास की मांग पर अड़े स्थानीय लोग

बोकारो एयरपोर्ट विस्तार परियोजना को लेकर सोमवार को भी सेक्टर-12 के ढूंदीबाद इलाके में स्थानीय लोगों का विरोध जारी रहा. प्रशासनिक टीम और बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) प्रबंधन के अधिकारी जब प्रस्तावित एयरपोर्ट क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे तो लोगों ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए नारेबाजी की और पुनर्वास की मांग की. इससे पहले शनिवार को प्रशासन और बीएसएल की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया था, जिसके तहत दर्जनों अवैध बूचड़खानों और झुग्गियों को तोड़ा गया था. उस समय भी इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी. सोमवार को निरीक्षण के दौरान एक बार फिर स्थानीय लोगों ने परियोजना के विरोध में प्रदर्शन किया. उनका कहना था कि विस्थापन से पहले प्रशासन को पुनर्वास की स्पष्ट योजना बतानी चाहिए. बीएसएल के सुरक्षा प्रभारी (रिटायर्ड कर्नल) राजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि एयरपोर्ट विस्तार बोकारो के विकास के लिए आवश्यक है और अवैध रूप से बसे लोगों तथा बूचड़खानों को जल्द हटाया जाएगा, ताकि परियोजना में किसी प्रकार की बाधा न आए. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध बस्तियों के लिए किसी पुनर्वास योजना का प्रावधान नहीं है. उन्होंने कहा कि विकास की गति को किसी भी कीमत पर धीमा नहीं होने दिया जाएगा. प्रशासन ने बोकारो एयरपोर्ट विस्तार कार्य को समय पर पूरा करने के लिए स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की है.

यूपी के ट्रक ड्राइवर ने गेट से लटक कर की आत्महत्या

गोड्डा (शुभम संदेश)। कंटेनर के गेट से लटक कर एक ट्रक ड्राइवर ने आत्महत्या कर ली. यह घटना पौड़ेयाहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत हंसडीहा-भागलपुर मुख्य मार्ग पर स्थित मुर्मू लाइन होटल के पास की है. बताया गया कि बीती रात कंटेनर ट्रक का चालक अपनी गाड़ी लेकर वहां पहुंचा और किनारे गाड़ी खड़ी कर दी. सुबह जब राहगीरों की नजर पड़ी, तो उन्होंने देखा कि चालक गाड़ी के गेट से रस्सी के सहारे लटका हुआ है. सूचना मिलते ही पौड़ेयाहाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गोड्डा भेज दिया. वहां मिले कागजातों के आधार पर मृतक की पहचान हनुमान प्रसाद, निवासी आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में की गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है और उनके पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है.

आठ किलो गांजा के साथ बाइक सवार युवक गिरफ्तार, गया जेल

शुभम संदेश। महगामा

मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त एक युवक को महगामा पुलिस ने बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया. घटना झारखंड–बिहार की सीमा के पास की है. एसडीपीओ महगामा चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति होंडा साइन मोटरसाइकिल (जेएच17जेड-0332) से गांजा लेकर बसंतराय थाना क्षेत्र के कर्कटडीह गांव होते हुए महगामा की ओर जा रहा है. सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया. छापामारी टीम ने मनियामोड़ से कर्कटडीह जाने वाले रास्ते पर नाका लगाया. सुबह करीब साढ़े नौ बजे बाइक सवार युवक के आने पर पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने भागने का प्रयास किया. जवानों की सतर्कता से उसे तुरंत पकड़ लिया गया. तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल में बंधे झोले से लगभग पांच किलो गांजा, जबकि डिक्की से तीन किलो गांजा बरामद किया गया. इस तरह कुल आठ किलो गांजा जब्त किया गया. साथ ही मोटरसाइकिल की सीट के नीचे से एक गुप्ती (लोहे का चाकू) भी मिला. सभी सामानों को विधिवत जप्ति सूची बनाकर जब्त किया गया. गिरफ्तार युवक की पहचान बबलू साह (50 वर्ष) पिता सुखदेव साह, ग्राम कोरियाना, थाना बसंतराय (गोड्डा) निवासी के रूप में हुई. पुलिस के अनुसार, बबलू साह पूर्व में भी गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है. बरामद गांजा के वैध कागजात प्रस्तुत न करने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया. छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक उपेंद्र कुमार महतो, थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल, पुअनि राज गुप्ता, सअनि राकेश कुमार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

पियूष का एमजीएम मेडिकल कॉलेज में चयन

गावां (गिरिडीह)। गावां निवासी सुरेश बरनवाल के पुत्र पियूष भारती ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है. उनका चयन एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में हुआ है. यह सफलता उन्हें नीट परीक्षा के तीसरे राउंड के परिणाम घोषित होने के बाद मिली है. पियूष की इस उपलब्धि से परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है. परिजनों ने बताया कि पियूष ने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर यह सफलता हासिल की है. गांव और क्षेत्र के लोगों ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है.

खरगडीहा मुखिया को मातृ शोक

जमुआ (गिरिडीह)। जमुआ प्रखंड के खरगडीहा पंचायत के मुखिया सुनील कुमार साव को मातृ शोक हुआ है. उनकी माता गिरजा देवी (उम्र 92 वर्ष) का रविवार देर शाम निधन हो गया. वे लंबे समय से बीमार थीं. उनके निधन की सूचना मिलते ही अंतिम दर्शन के लिए कई समाजसेवी एवं ग्रामीणों की भीड़ उनके आवास पर उमड़ पड़ी. गिरजा देवी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं. उनकी अंतिम यात्रा सोमवार को खरगडीहा स्थित उनके आवास से निकली, जो पूरे गांव का भ्रमण करते हुए गांव के श्मशान घाट पहुंची, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया.

तुपकाडीह में कुष्ठ रोग खोज अभियान शुरू

बोकारो। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर तुपकाडीह क्षेत्र के तीन पंचायततांतरी उत्तरी, तांतरी दक्षिणी और खुटरी में कुष्ठ रोग खोज अभियान शुरू किया गया है. आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) प्रियंका मुर्मू ने बताया कि यह अभियान 26 नवंबर तक चलेगा. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सहिया और आंगनबाड़ी सेविकाएं घर-घर जाकर संभावित कुष्ठ रोगियों की पहचान करेंगी. अभियान का उद्देश्य ऐसे मरीजों को चिह्नित कर समय पर उनका उपचार सुनिश्चित करना है. प्रियंका मुर्मू ने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस कार्य में सहयोग करें और जिनमें इस बीमारी के लक्षण दिखाई दें, वे स्वयं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें. उनका कहना था कि इलाज करना स्वास्थ्यकर्मियों का कार्य है .

विस्थापितों के पुनर्वास और रोजगार की मांग पर महाधरना

शुभम संदेश। बोकारो

झारखंड आंदोलनकारी युवा मोर्चा की ओर से सोमवार को बोकारो उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय महाधरना कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण एवं संचालन झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजदेव महथा ने किया. धरना को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र के निर्माण के लिए विस्थापितों ने अपनी जमीन राज्य सरकार को दी थी, लेकिन आज भी हजारों विस्थापित परिवार मुआवजा, पुनर्वास और नियोजन से वंचित हैं. उन्होंने बताया कि अब तक 4,406 परिवारों को पुनर्वास नहीं मिला है और 11,598 परिवार नियोजन के लाभ से वंचित हैं. श्री नारायण ने कहा कि बोकारो प्लांट की स्थापना में विस्थापितों की कुर्बानी रही है, इसलिए यहां का पहला अधिकार उन्हीं का बनता है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीएसएल स्थानीय लोगों की उपेक्षा जारी रखता है, तो किसी भी विस्तारीकरण योजना का विरोध किया जाएगा. कार्यक्रम में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि विस्थापितों के हक की लड़ाई में मोर्चा हमेशा साथ रहेगा. वहीं, केंद्रीय अध्यक्ष विदेशी महतो ने मांग की कि प्लांट के विस्तारीकरण से पूर्व विस्थापित एवं स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण के तहत रोजगार दिया जाए. जिला अध्यक्ष राजदेव महथा ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी 15 नवंबर 2025 को झारखंड स्थापना दिवस पर सभी चिन्हित आंदोलनकारियों को राजकीय सम्मान, प्रशस्ति पत्र और ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया जाए. धरना के दौरान विस्थापितों ने उपायुक्त को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा. कार्यक्रम में दुमका जिला अध्यक्ष जितेन कौल, सहदेव महतो, ठाकुर महतो, राजकिशोर महतो, कवि नागेश्वर महतो, खगेन्द्र नाथ वर्मा समेत हजारों स्थानीय एवं विस्थापित लोग शामिल हुए.

कुष्ठ रोगी खोज अभियान के लिए जागरुकता रथ रवाना

बोकारो (शुभम संदेश)। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में चलाए जा रहे कुष्ठ रोगी खोज अभियान का शुभारंभ सोमवार को किया गया. यह अभियान 10 नवंबर से 26 नवंबर 2025 तक जिले के सभी प्रखंडों में संचालित होगा. अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. सुधा सिंह ने सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. यह रथ जिले के नौ प्रखंडों के सभी पंचायतों में जाकर लोगों को कुष्ठ रोग के प्रति जागरुक करेगा. सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि इस अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर न केवल कुष्ठ रोग से संबंधित जानकारी लेंगे, बल्कि मलेरिया, हाथीपांव और टीबी जैसे रोगों की भी पहचान और जानकारी एकत्र करेंगे. इस अवसर पर डॉ. रेनू भारती, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रविशंकर, कार्यक्रम समन्वयक आशीष डीन, काय चिकित्सक सज्जाद आलम, अजय कुमार, मणिशंकर सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

राधानगर के चार घरों में लगी आग, हजारों की क्षति

साहिबगंज (शुभम संदेश)। उधवा प्रखंड के राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत राधानगर गांव में सोमवार को खाना बनाते समय अचानक आग लग जाने से चार घर जलकर राख हो गए. इस घटना में हजारों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई. जानकारी के अनुसार, राधानगर निवासी जयंत मंडल के घर में खाना बनाते समय अचानक आग लग गई. बताया गया कि महिला कुछ सामान खरीदने के लिए बाहर गई हुई थी, इसी दौरान फूस से बने रसोई घर में आग भड़क उठी. देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास के अधीर मंडल तथा बीरेन मंडल के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया. आग घर की छत पर रखे पटसन पाला में लगने से और फैल गई, जिससे चारों पटसन पाले जलकर राख हो गए. आग की सूचना मिलते ही गांव में अफरातफरी मच गई. ग्रामीणों ने पंपिंग मशीन की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. इस हादसे में दो घर पूरी तरह जलकर राख हो गए, जबकि दो अन्य घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है. कुल मिलाकर हजारों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है. घटना की जानकारी मिलते ही राधानगर थाना के एएसआई जुमराती अंसारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. वहीं अग्निपीड़ित परिवारों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है.

बिहार विस चुनाव को लेकर बॉर्डर सील

गोड्डा (शुभम संदेश)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड प्रशासन अलर्ट मोड में है. इसी क्रम में गोड्डा जिले के वे क्षेत्र जो बिहार की सीमा से सटे हैं, उन्हें सील कर दिया गया है. बॉर्डर की ओर आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की जा रही है. नगदी या अवांछित तत्वों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जिसके दौरान बड़ी मात्रा में शराब और गांजा बरामद किया गया है. चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गोड्डा जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु 11 नवंबर 2025 तक जिले की सभी शराब दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार, इस अवधि में किसी भी प्रकार की विदेशी या देशी शराब की बिक्री, परिवहन और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा. यदि कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी. प्रशासन ने यह कदम बिहार सीमा से सटे इलाकों में चुनाव के दौरान शराब की अवैध आवाजाही रोकने के लिए उठाया है. उत्पाद निरीक्षक निलेश सिंह ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और गश्ती दलों को अलर्ट मोड पर रखा गया है.

शहर की स्वच्छता पर डीसी की सख्ती, कड़े निर्देश

दुमका (शुभम संदेश)। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने दुमका नगर परिषद द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक की. बैठक में उन्होंने शहर की स्वच्छता व्यवस्था और स्ट्रीट लाइटों की स्थिति पर विशेष रूप से चर्चा की. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि दुमका शहर के सभी प्रमुख मार्गों पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तुरंत बदला जाए तथा सभी स्ट्रीट लाइटों के लिए एक सुदृढ़ मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया जाए, जिससे समय पर लाइटों का चालू और बंद होना सुनिश्चित हो सके. उन्होंने कहा कि शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्ट्रीट लाइट लाइन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने चौक–चौराहों को गंदा करने वाले दुकानदारों और प्रतिष्ठानों की पहचान कर उन पर जुर्माना लगाने तथा नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि शहर की स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य मार्गों पर किसी प्रकार की गंदगी न रहे, इसका प्रतिदिन निरीक्षण किया जाए. साथ ही उन्होंने कचरे के नियमित उठाव और आवश्यकता अनुसार पर्याप्त कचरा वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा. उपायुक्त ने नगर परिषद अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि प्रतिदिन कम से कम दो घंटे शहर का फील्ड भ्रमण करें, स्थिति का आकलन करें और जहां भी गंदगी मिले, तुरंत सफाई की व्यवस्था करवाएं. उपायुक्त ने कहा कि दुमका शहर की स्वच्छता, सुगमता और जनसुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी.

झारखंड स्थापना दिवस समारोह की तैयारी पूरी : उपायुक्त

शुभम संदेश। बोकारो

उपायुक्त अजय नाथ झा ने सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में संवाददाता सम्मेलन कर झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह 2025 की तैयारियों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर Jharkhand@25 थीम पर 11 से 15 नवंबर तक जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर विविध कार्यक्रम होंगे. इस दौरान रन फॉर झारखंड, परिसंपत्ति वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जलछाजन रैली, पेंटिंग प्रतियोगिता, गुरुजी रात्रि पाठशाला का उद्घाटन और मीडिया सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा. उपायुक्त ने आमजनों से कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की. संवाददाता सम्मेलन में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में लगा करियर मेला

शुभम संदेश। बोकारो

उच्च शिक्षा के विविध पहलुओं से अवगत हुए विद्यार्थी

12वीं के बाद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और करियर के विभिन्न आयामों की जानकारी देने के उद्देश्य से सोमवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में करियर मार्ग दर्शन मेला 2025 का आयोजन किया गया. इस शैक्षणिक मेले में देश के लगभग 30 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. उन्होंने अपने संस्थानों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों और उनसे जुड़ी संभावनाओं की विस्तृत जानकारी दी. एक ही छत के नीचे विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग, सिविल सेवा, प्रबंधन, वित्त-वाणिज्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार, विधि, डिजाइनिंग, सूचना-प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मल्टीमीडिया जैसे विविध क्षेत्रों में करियर अवसरों की जानकारी दी गई. मेले में झारखंड सहित भोपाल, देहरादून, पुणे, कटक, इंदौर, नोएडा, चेन्नई, बेंगलुरु, केगांव (महाराष्ट्र), नई दिल्ली, अहमदाबाद, कर्नाटक, कोलकाता, भुवनेश्वर, हैदराबाद, चंडीगढ़, मथुरा और वेल्लोर से आए विश्वविद्यालयों के स्टॉल लगाए गए, जहां ऑन-द-स्पॉट आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध थी. कार्यक्रम की शुरुआत में छात्र-छात्राओं ने सभी आगंतुकों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. इस अवसर पर प्रसिद्ध करियर काउंसलर रितेश जायसवाल ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुरूप लक्ष्य निर्धारण कर, ठोस रणनीति, एकाग्रता और समयबद्ध तैयारी से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी. वहीं करियर विशेषज्ञ राकेश रंजन ने विकसित भारत 2047 योजना को सरकार की महत्वाकांक्षी पहल बताते हुए भावी रोजगार अवसरों पर प्रकाश डाला. मेला आयोजन के सहयोगी एडुकेटर्स इंडिया के निदेशक सुनील प्रजापति ने बदलते समय के अनुरूप करियर विकल्पों की जानकारी दी. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि वर्तमान शिक्षा परिदृश्य में विद्यार्थियों का करियर के हर क्षेत्र में अद्यतन और जागरूक होना आवश्यक है. उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

मिथिलामय बनी रही इस्पातनगरी, भावपूर्ण नाटक-मंचन के साथ दो-दिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व समारोह संपन्न

सांस्कृतिक वैभव और मूल्यों से नई पीढ़ी को जोड़ना जरूरी : डीसी

शुभम संदेश। बोकारो

इस्पातनगरी बोकारो की धरती लगातार दो दिनों तक मिथिलामय बनी रही. मिथिला-मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में सेक्टर-4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल प्रांगण में आयोजित दो-दिवसीय 58वां विद्यापति स्मृति पर्व समारोह रविवार देर रात संपन्न हो गया. गीत-संगीत, कला, संस्कृति और परंपरा के इस महोत्सव में लगातार दो दिनों तक मिथिलांचल की अनुपम छटा बोकारो में बिखरी रही, जिसका हजारों लोगों ने भरपूर आनंद लिया. समारोह के पहले दिन शनिवार को जहां बाहर से आए आमंत्रित कलाकारों ने समां बांधा, वहीं दूसरे दिन रविवार को स्थानीय कलाकारों ने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया. गीत-संगीत और नृत्य के अलावा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मैथिली सामाजिक नाटक बड्ड मुश्किल छै का मंचन रहा. समापन समारोह के मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय नाथ झा ने सांस्कृतिक धरोहर के संवर्द्धन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के कार्यों की सराहना की. उन्होंने कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए अपनी लोकभाषा, अपने सांस्कृतिक वैभव और मूल्यों से नई पीढ़ी को जोड़े रखना अत्यंत आवश्यक है. लोकभाषा में अपनी माटी का स्पर्श होता है. झारखंड की इस पावन भूमि पर मिथिला और झारखंड के सांस्कृतिक वैभव का संगम बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने बच्चों को संस्कृति रूपी कवच से संरक्षित करने पर बल देते हुए महाकवि विद्यापति के अवदानों का स्मरण किया और समाज के दबे-कुचलों में उगना यानी महादेव का स्वरूप देखने का आह्वान किया. विशिष्ट अतिथि बीएसएल के अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनुप कुमार दत्त ने भी परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अपनी संस्कृति को सशक्त बनाना समाज के विकास के लिए आवश्यक है. इस अवसर पर पारंपरिक रीति से अतिथियों का अक्षत-तिलक से स्वागत किया गया. स्वस्तिवाचन के बीच अतिथियों ने स्मारक स्थल पर महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके बाद अक्षिता पाठक ने स्वागत गीत मंगलमय दिन आजु हे पाहुन छथि आयल की प्रस्तुति दी. परिषद के अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी, महासचिव नीरज चौधरी, मिथिला एकेडमी के सचिव दिलीप झा और मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों को मिथिला परंपरा अनुसार पाग और डोपटा पहनाकर सम्मानित किया. समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ. अध्यक्ष जयप्रकाश चौधरी के स्वागत भाषण के बाद महासचिव नीरज चौधरी ने परिषद के सामाजिक, सांस्कृतिक और पारंपरिक विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी. उन्होंने समाज के उत्थान के लिए सभी से तन-मन-धन से सहयोग की अपील की. मिथिला एकेडमी के अध्यक्ष एवं परिषद के निदेशक मंडल संयोजक राजेंद्र कुमार ने सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और बताया कि संस्था समाज के निचले तबके के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा ने की, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के उपाध्यक्ष एवं परिषद निदेशक मंडल सदस्य विजय कुमार झा ने किया.

उपायुक्त ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

शुभम संदेश। दुमका

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले के सभी विद्यालयों से जुड़े कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. उपायुक्त ने सभी विद्यालयों में आधार अपडेशन हेतु शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि बीडीओ एवं संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य यह सुनिश्चित करें कि आधार अपडेशन का कार्य समयबद्ध रूप से पूरा हो. स्मार्ट क्लास रूम की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी खराब स्मार्ट क्लास रूम को तत्काल दुरुस्त कराने का निर्देश दिया. बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में कुल 544 स्मार्ट क्लास रूम मौजूद हैं. इसी क्रम में उन्होंने आईसीटी लैब की स्थिति की भी जानकारी ली.

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति बेहतर हो, इसे सख्ती से सुनिश्चित किया जाए. मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बीईओ, बीपीओ, डीईओ एवं डीएससी को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं एमडीएम का स्वाद चखने का निर्देश दिया. रसोइयों के मानदेय के संबंध में बताया गया कि सितंबर माह तक भुगतान किया जा चुका है. उपायुक्त ने कहा कि एमडीएम का भोजन सभी बच्चों को बर्तन में परोसा जाए तथा जिन रसोइयों के पास जॉब कार्ड नहीं है, उनका जॉब कार्ड शीघ्र बनाया जाए. उन्होंने विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य जांच की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने और आयरन टैबलेट के वितरण को अनिवार्य रूप से कराने का निर्देश दिया. बैठक में बताया गया कि जिले में अब तक 1918 पोषण वाटिकाएं विकसित की गई हैं. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि कक्षा 9 एवं 10 के छात्रों के बीच मॉडल प्रश्न पत्रों का वितरण किया जाए. साथ ही हाईवे के किनारे स्थित ऐसे विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराने को कहा, जहां बाउंड्री वॉल नहीं है. बैठक में विभागीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे.

मंथन

घाटशिला उपचुनाव :आज मतदाताओं की बारी है

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में आज उपचुनाव के रूप में लोकतंत्र का पर्व मनाया जा रहा है. मतदाताओं के पास अब अपने क्षेत्र के भविष्य का निर्णय करने का अवसर है. प्रशासन की ओर से मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए पुख्ता इंतज़ाम किए गए हैं. सुरक्षाबलों की तैनाती, संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त निगरानी और मतदाताओं को सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं.घाटशिला क्षेत्र झारखंड की राजनीति में हमेशा से अहम भूमिका निभाता रहा है. यहां के मतदाता सामाजिक मुद्दों, विकास कार्यों और स्थानीय जनसमस्याओं को ध्यान में रखकर मतदान करते हैं. इस बार का उपचुनाव भी विकास बनाम जनभावनाओं की परीक्षा माना जा रहा है. प्रमुख दलों के प्रत्याशी अपने-अपने वादों और योजनाओं के साथ मतदाताओं से समर्थन की अपील कर चुके हैं. अब गेंद पूरी तरह मतदाताओं के पाले में है.राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह उपचुनाव न केवल घाटशिला बल्कि पूरे राज्य की राजनीतिक दिशा तय कर सकता है. मतदाताओं की भागीदारी जितनी अधिक होगी, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा. ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बों तक मतदान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है. युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक सभी मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं.आज का दिन घाटशिला के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है. जनता के एक-एक वोट में विकास, स्थिरता और बेहतर भविष्य की उम्मीद छिपी है. लोकतंत्र का यही सौंदर्य है कि अंतिम निर्णय जनता के हाथों में होता है. अब देखना यह होगा कि घाटशिला किस दिशा में कदम बढ़ाता है- परिवर्तन की ओर या निरंतरता की उसी पुरानी राह पर.

नजरिया

मौलाना अबुल कलाम आजाद की शिक्षाविद् विरासत को नमन

हर साल 11 नवंबर को देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है, वह दिन जो स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती को समर्पित है. आजाद ने स्वतंत्रता के बाद भारत की शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद रखने का जो कार्य किया, उसने देश के भविष्य को नई दिशा दी. मौलाना आजाद दूरदर्शी नेता और विद्वान थे. उनका विश्वास था कि शिक्षा हर व्यक्ति का अधिकार है और यही समाज में समानता व प्रगति का आधार बन सकती है. उनके नेतृत्व में ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थान स्थापित हुए, जिन्होंने भारत को ज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में विश्व पटल पर पहचान दिलाई. आज भी उनकी यह सोच उतनी ही प्रासंगिक है जितनी स्वतंत्रता के बाद थी. मौलाना आजाद कहा करते थे — "शिक्षा ही वह साधन है जो समाज में समानता और प्रगति ला सकता है." राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर देशभर के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में सेमिनार, निबंध, वाद-विवाद और प्रदर्शनियों के माध्यम से उनके योगदान को याद किया जाता है, ताकि नई पीढ़ी शिक्षा के महत्व को समझे और उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सके.

वंदेमातरम् पर कायराना सियासत

अरविंद जयतिलक

चटर्जी द्वारा रचित इस गीत की पंक्तियों में भारतीयता का राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है.

भारतवर्ष वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है. चारों ओर वंदेमातरम् की गूंज से भारतीयता का सनातन भाव गुंजायमान है. लेकिन विडंबना है कि राष्ट्र गीत वंदेमातरम् का उच्चतर भाव कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा है. वे कुतर्कों का सहारा लेकर किस्म-किस्म की प्रवंचना से विरोध का प्रस्तावना खींच रहे हैं. यह ठीक नहीं है. उन्हें समझना होगा कि वंदेमातरम् किसी धर्म या मजहब का समर्थन या विरोध का भाव नहीं है. यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, त्याग और बलिदान का वह निश्छल भाव है, जिसे विचारों का हथियार बनाकर आजादी के दीवानों ने मातृभूमि को आजाद कराया. राष्ट्रगीत वंदेमातरम केवल शब्द भर नहीं हैं, बल्कि इसमें राष्ट्र की संस्कृति, इतिहास, कला, साहित्य और ज्ञान-विज्ञान का वह भाव समाहित है, जो भारत राष्ट्र की निरंतरता और चेतना को उद्घाटित करता है. इसके प्रकटीकरण से राष्ट्र की गरिमा और गौरव में वृद्धि होती है. बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदेमातरम गीत की पंक्तियों में भारतीयता का ओज और राष्ट्रप्रेम के प्रति अटूट जज्बा है. यह गीत अपने आगोश में संपूर्ण भारत की विविधता और विशेषता को समेटे हुए है. इसमें मातृभूमि के प्रति अनुरक्ति, समर्पण और उदात्त भावनाएं निहित हैं. शास्त्रों में माता और मातृभमि को सर्वोपरि माना गया है. कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी' यानी माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है. वंदेमातरम में यही भाव निहित है. वंदेमातरम गीत के इतिहास में जाएं तो 7 नवंबर 1876 को बंगाल के कांतल पाड़ा गांव में बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस वंदेमातरम गीत की रचना की. 1882 में उनके उपन्यास आनंदमठ में सम्मिलित किया गया. 1896 में रविद्रनाथ टैगोर ने पहली बार वंदेमातरम को बंगाली शैली में लय और संगीत के साथ कलकत्ता के कांग्रेस अधिवेशन में गाया. मूल रुप से वंदेमातरम के प्रारंभिक दो पद संस्कृत में थे और शेष गीत बांगला में. वंदेमातरम का अंग्रेजी अनुवाद सबसे पहले अरविंद घोष ने किया. दिसंबर 1905 में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा प्रदान किया गया और बंगाल विभाजन के समय यह गीत राष्ट्रीय नारा बन गया. 1906 में वंदेमातरम देवनागरी लिपि में प्रस्तुत किया गया. कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रविंद्र नाथ टैगोर ने इसका संशोधित रुप प्रस्तुत किया. 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा इस्लाम की भावना के विरुद्ध बताकर वंदेमातरम गीत का विरोध किया गया. लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरु, सुभाषचंद्र बोस, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद और आचार्य नरेंद्र देव की समिति ने 28 अक्टुबर 1937 को कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पेश अपनी रिपोर्ट में इस राष्ट्रगीत के दो पहले पैराग्राफ को राष्ट्रगीत के रुप में स्वीकृति दे दी. 14 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि में संविधान सभा की पहली बैठक का प्रारंभ वंदेमातरम गीत के साथ और समापन राष्ट्रगान 'जनगणमन' के साथ हुआ. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 1905 में वंदेमातरम गीत के संबंध में लिखा है कि- 'आज लाखों लोग एक बात के लिए एकत्र होकर वंदेमातरम गाते हैं, मेरे विचार से इसने हमारे राष्ट्रीय गीत का दर्जा हासिल कर लिया है. मुझे यह पवित्र, भक्तिपरक और भावनात्मक गीत लगता है. कई अन्य राष्ट्रगीतों के विपरित यह किसी अन्य राष्ट्र-राज्य की नकारात्मकताओं के बारे में शोर-शराबा नहीं करता है.' 1936 में भी गांधी जी ने वंदेमातरम गीत के बारे में कहा कि-'कवि ने हमारी मातृभूमि के लिए जो अनेक सार्थक विशेषण प्रयुक्त किए हैं, वे एकदम अनुकूल हैं, इनका कोई सानी नहीं है. अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन विशेषणों को यथार्थ में बदलें. मुझे कभी ख्याल नहीं आया कि यह गीत सिर्फ हिंदुओं के लिए रचा गया है.' ध्यान रखना होगा कि आजादी के दौरान के अलावा 1907 में जर्मनी के स्टुटगार्ट में जब अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस का अधिवेशन शुरु हुआ तो इस अधिवेशन में श्यामजी वर्मा, मैडम कामा, विनायक सावरकर जैसे क्रांतिकारियों ने भारत की स्वतंत्रता पर संकल्प पारित करने के लिए भाषण से पहले आधुनिक भारत के पहले राष्ट्रीय झंडे को फहराया और इस झंडे के मध्य में देवनागरी लिपि में वंदेमातरम लिखा. यहां ध्यान देना होगा कि 1906 से 1911 तक यह गीत पूरा गाया जाता था. इस गीत में वह ताकत थी कि ब्रिटिश हुकूमत को बंगाल का विभाजन का फरमान वापस लेना पड़ा. क्रांतिकारियों ने इस वंदेमातरम आदर्श नारे को अपने संस्कार में ढ़ाला और गीत के जरिए आजादी की जंग को गति देकर भारतीय जनमानस में जागृति पैदा की. लोगों को लामबंद किया और ब्रिटिश राजसत्ता को उखाड़ फेंका. भगत सिंह, मदनलाल ढींगरा, राजगुरु और बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों ने वंदेमातरम की आवाज लगाकर फांसी के फंदे को चूम लिए. गौर करें तो भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर देश में राष्ट्रगीत का गायन होता है. इस्लामी देशों में भी राष्ट्रगीत को समादर प्राप्त है और वह मातृभूमि को समर्पित है. अरबी में मातृभूमि को मादर-ए-वतन कहा जाता है, जिसका मतलब मां से है. फारसी में मातृभूमि की उपमा मां से की गयी है. यमन के राष्ट्रगीत में झरनों की तुलना मां के दूध से गयी है. मिश्र के राष्ट्रगीत में मातृभूमि की तुलना मां से की गयी है. इसी तरह मलेशिया, सूडान, अरब, जार्डन सभी देशों में राष्ट्रगीत की परंपरा है और उसे किसी न किसी रुप में मातृभूमि और मां से जोड़ा गया है. तो क्या फिर यह समझा जाए कि ये मुस्लिम देश इस्लाम की भावना का अनादर कर रहे हैं? बिल्कुल ही नहीं. फिर आज वंदेमातरम के 150 वर्ष के जश्न पर ऐतराज और काली सियासत क्यों? क्यों न माना जाए कि कुछ मुठ्ठी भर लोग वंदेमातरम गीत पर सवाल खड़ा करके क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं? उन्हें समझना होगा कि वंदेमातरम गीत राष्ट्रीयता का स्वर है. साथ ही क्रांतिकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी. इसका विरोध आजादी के दिवानों का विरोध है. साथ ही राष्ट्रीयता की भावना पर कुठाराघात भी. यह ठीक नहीं है कि कुछ सियासी दल और तथाकथित संगठन अपने राजनीतिक फायदे के लिए वंदेमातरम गीत को राजनीतिक संकीर्णता के दायरे में रखकर इस्लाम की मान्यताओं के खिलाफ प्रचारित कर रहे हैं. भला इस गीत से किसी मजहब और संप्रदाय को किस तरह चोट पहुंच सकता है? उचित होगा कि वे संकीर्णताओं के केंचूल से बाहर निकलकर राष्ट्रगीत वंदेमातरम पर काली सियासत न करें. इससे राष्ट्र का नुकसान होता है. सामाजिक वातावरण विषाक्त बनता है.

आज का इतिहास

1781 : अंग्रेजों ने नागापट्टनम पर क़ब्ज़ा किया.
1847: ब्रिटेन के चिकित्सक सर जेम्स यंग सिंप्सन ने बेहोशी की दवा के रूप में पहली बार क्लोरोफार्म का प्रयोग किया.
1918: ऑस्ट्रिया एक गणतंत्र बना.
1925 : अमेरिका और इटली ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये.
1930 : लंदन में पहली बार गोलमेज सम्मेलन की शुरुआत इसमें 56 भारतीय और 23 ब्रिटिश प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कोई सदस्य शामिल नहीं हुआ.
1936 : केरल के मंदिर सभी हिंदुओं के लिए खुले.
1953 : इजराइल के प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दिया.
1956 : मोरक्को, सूडान और ट्यूनिशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए.
1963 : जापान में ट्रेन दुर्घटना में 164 लोग मारे गये.

चिंतन

इंतज़ार था जिन ख़ुशियों का, वो खुशी क्या है

डिंग रुइलिन और उसका पति एक कारोबार शुरू करने और उसे चलाने के लिये दिन-रात मेहनत करते हैं ताकि पैसा कमाकर, एक अच्छी ज़िंदगी जी सकें. लेकिन सीसीपी सरकार के शोषण और बुरे बर्ताव के चलते, वे कर्ज़ में बुरी तरह डूब जाते हैं. विदेश जाकर काम करने के अलावा, उनके पास और कोई विकल्प नहीं बचता. अधिक पैसा कमाने की गरज़ से, डिंग रुइलिन दो-दो काम पकड़ लेती है. काम के भारी बोझ और आस-पास के लोगों की बेरुख़ी से, उसे पीड़ा और पैसा कमाने की बेबसी का एहसास होता है. अपनी पीड़ा और उलझन के मध्य, डिंग रुइलिन की मुलाकात अपनी हाई स्कूल की एक सहपाठी लिन झिशिन से हो जाती है. बातचीत के दौरान डिंग रुइलिन को पता चलता है कि परमेश्वर में आस्था रखने की वजह से लिन झिशिन में बहुत-सी बातों की समझ आ गई है. परमेश्वर की उपस्थिति में, उसे आध्यात्मिक शांति और आनंद प्राप्त हो रहा है. वह सुकून और सहजता का जीवन जी रही है. इससे डिंग रुइलिन के मन में भी परमेश्वर में विश्वास रखने की भावना प्रबल होती है. जल्दी-जल्दी और अधिक पैसा कमाने के विचार से, डिंग रुइलिन और उसका पति एक रेस्टॉरेंट का अधिग्रहण कर लेते हैं. लेकिन लगातार काम और थकान की वजह से, डिंग रुइलिन एक गंभीर बीमारी का शिकार हो जाती है. उसे लकवा होने का ख़तरा बढ़ जाता है. बीमारी की यंत्रणा के दौरान डिंग रुइलिन को आत्म-चिंतन का अवसर मिलता है. लोग किसलिये जीते हैं? क्या महज़ धन-दौलत और शोहरत के लिये जीवन गँवा देना सही है? क्या धन से इंसान अपने ख़ालीपन और दुखों से छुटकारा पा सकता है? क्या धन इंसान को मौत के मुँह में जाने से बचा सकता है? परमेश्वर के वचनों पर बहन लिन झिशिन की सहभागिता से, डिंग रुइलिन को जीवन के बारे में इन प्रश्नों के उत्तर साफ़ तौर पर मिलने लगते हैं. उसमें यह भी समझ आती है कि वह कौन-सी सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है जिसका इंसान को अनुसरण करना चाहिये. अंततः, उसे आध्यात्मिक मुक्ति मिल जाती है. परमेश्वर के वचनों के मार्गदर्शन से, आख़िरकार डिंग रुइलिन जीवन में आनंद की खोज कर लेती है...

इंडिया पर ट्रेंडिंग

#ArrestAmitBaghel
#WorldScienceDay
#Faridabad
AK-47 18K
#SIGMA
#AndeSri
कश्मीर पुलिस
J&K Police
Punjab 33K
भारतीय मजदूर संघ

बहुरंग

बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी की 'हक' का जलवा, 'जटाधरा' रही फीकी

अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' इस साल 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुकी है. फिल्म की कहानी और सामाजिक संदेश ने दर्शकों का दिल जीता है, वहीं इमरान और यामी की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को खूब सराहा जा रहा है. 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन मामूली ओपनिंग के बाद वीकेंड पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है. इसके विपरीत, सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत 'जटाधरा' को दर्शकों का प्यार नहीं मिल पा रहा है. इंदौर के चर्चित शाह बानो केस से प्रेरित फिल्म 'हक' ने धीरे-धीरे अपनी पकड़ बनानी शुरू कर दी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रविवार (तीसरे दिन) को 3.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. पहले दिन 1.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने के बाद, फिल्म ने तीन दिनों में कुल 8.85 करोड़ की कमाई कर ली है. समीक्षकों की मानें तो फिल्म के दमदार विषय और कलाकारों के प्रदर्शन ने वीकेंड पर दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचा है. वहीं, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर अभिनीत फिल्म 'जटाधरा' को बॉक्स ऑफिस पर भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है. 7 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले और दूसरे दिन केवल 1.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. तीसरे दिन इसकी कमाई घटकर मात्र 99 लाख रुपये रह गई. तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन सिर्फ 3.13 करोड़ रुपये हुआ है, जो इसे साल की फ्लॉप फिल्मों की सूची में डाल सकता है. सुपर्ण वर्मा के निर्देशन में बनी 'हक' शाह बानो केस से प्रेरित एक संवेदनशील फिल्म है, जो महिलाओं के अधिकार और न्याय की लड़ाई को आधुनिक संदर्भ में दर्शाती है. फिल्म के दमदार संवाद, यामी गौतम का सशक्त अभिनय और इमरान हाशमी का संतुलित प्रदर्शन दर्शकों को बांधे रखते हैं. ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि यदि फिल्म वर्ड ऑफ माउथ का फायदा उठाती रही, तो यह आने वाले दिनों में और मजबूत पकड़ बना सकती है.

थलापति विजय के बेटे जेसन की डेब्यू फिल्म का नाम आया सामने

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय के बेटे जेसन संजय ने अपने निर्देशन करियर की शुरुआत कर दी है. उनकी पहली फिल्म को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर अब विराम लग गया है, क्योंकि निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और पहला पोस्टर जारी कर दिया है. जेसन की इस डेब्यू फिल्म का नाम 'सिग्मा' रखा गया है. फिल्म का निर्माण साउथ के प्रतिष्ठित लाइका प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया गया है. पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जेसन को बधाइयों की बाढ़ आ गई है. लोग थलापति विजय के बेटे की डेब्यू फिल्म देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं. 'सिग्मा' के पोस्टर में अभिनेता संदीप किशन सोने की ईंटों और पैसों के ढेर पर बैठे नजर आ रहे हैं. उनके हाथ पर बंधी पट्टी और गहन एक्सप्रेशन उनके किरदार की इंटेंस और एक्शन-पैक्ड झलक पेश करते हैं. पोस्टर जारी करते हुए संदीप ने लिखा, "जेसन 01 – सिग्मा को आपके प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है." थलापति विजय के बेटे के निर्देशन डेब्यू की खबर सुनते ही साउथ इंडस्ट्री के कई सितारों और फैंस ने सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं. 'सिग्मा' को लेकर अब दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है.

फिल्म को एक स्टाइलिश एक्शन-ड्रामा बताया जा रहा है, जो विजय के परिवार की सिनेमाई विरासत को आगे बढ़ाएगी. फिल्म की रिलीज डेट फिलहाल सामने नहीं आई है, लेकिन मेकर्स के मुताबिक 'सिग्मा' को 2026 की शुरुआत में बड़े पैमाने पर रिलीज किया जाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. शुभांक-3-5-7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आय-व्यय समान रहेगा. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. सुख-आनंद कारक समय है. अपने काम पर ध्यान दीजिए. अंधविश्वासी न बनें. शुभांक-5-7-9

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. शुभांक-6-7-9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें. अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-4-6-8

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. यात्रा का योग. शुभांक-6-8-9

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. शुभांक-5-7-9

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं. किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं. 'आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक :कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. शुभांक-3-6-8

धनु : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं. निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा. अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे. नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. शुभांक-2-3-5

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा. किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी. अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. आर्थिक ड्डचताएं कम होगी. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. शुभांक-2-5-7

कुंभ : विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा. भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी. जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-3-5-8

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ. विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें. राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें. मान-सम्मान को ठेस लग सकती है. जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें. नये आगंतुकों से लाभ होगा. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. शुभांक-3-5-7

'पंचायत' के अभिषेक बनेंगे कबूतरबाज

'पंचायत' वेब सीरीज से अपार लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार अब एक बिल्कुल अलग किरदार में नजर आने वाले हैं. अपनी सादगी और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले जितेंद्र इस बार 'कबूतरबाजी' यानी पारंपरिक पक्षी प्रतियोगिता पर आधारित एक अनोखी कहानी में दिखाई देंगे. खास बात यह है कि इस फिल्म में उनके साथ पूजा भट्ट भी नजर आएंगी, जो जितेंद्र की मां का किरदार निभाएंगी. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म भारत की सदियों पुरानी कबूतरबाजी की परंपरा पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी पेश करेगी. इसमें भावनाओं, परंपरा और आधुनिक सोच के टकराव को दिखाया जाएगा. फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के नॉट आउट एंटरटेनमेंट बैनर तले किया जा रहा है, जबकि बिलाल हसन इसके निर्देशक हैं और हितेश केवल्य सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं. निर्माताओं ने फिलहाल फिल्म का शीर्षक तय नहीं किया है. माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल 2026 की शुरुआत में शुरू की जाएगी. कहानी का केंद्र पारिवारिक रिश्तों और पारंपरिक कबूतरबाजी के जुनून के इर्द-गिर्द घूमता है. काम की बात करें तो जितेंद्र कुमार आखिरी बार वह 'भागवत : चैप्टर वन राक्षस' में नजर आए थे.

महाकाल के दरबार में पहुंचीं अभिनेत्री दिव्या दत्ता, बोलीं -आत्मा तृप्त हो गई

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री दिव्या दत्ता हाल ही में उज्जैन पहुंचीं, जहां उन्होंने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए. अपनी शानदार अभिनय यात्रा और विनम्र स्वभाव के लिए जानी जाने वाली दिव्या दत्ता बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर भक्ति भाव में लीन नजर आईं. महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने बताया कि अभिनेत्री ने पूरे श्रद्धाभाव से पूजन-अर्चन किया और भगवान शिव की आराधना में समय बिताया. दिव्या दत्ता इस दौरान पारंपरिक साड़ी पहने हुए बेहद सादगीपूर्ण अंदाज में दिखाई दीं. उन्होंने कभी ध्यान लगाया, कभी तालियां बजाईं और बार-बार "ॐ नमः शिवाय" का जाप करती रहीं. बाबा महाकाल के दर्शन के बाद उन्होंने नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही. दर्शन और पूजन के पश्चात उन्होंने भगवान कोटेश्वर का जलाभिषेक कर उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त किया. मीडिया से बातचीत में दिव्या दत्ता ने कहा कि बाबा महाकाल के दिव्य दर्शन ने उनके हृदय को प्रसन्न कर दिया है. उन्होंने बताया, "जैसे ही मैंने बाबा की आरती देखी, लगा कि वे मेरे बिल्कुल करीब हैं. ऐसा अद्भुत अनुभव पहले कभी नहीं हुआ. आत्मा तृप्त हो गई." उन्होंने सभी के मंगल की कामना करते हुए कहा कि बाबा महाकाल का आशीर्वाद सब पर बना रहे. अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वे खुद को धन्य मानती हैं कि बाबा महाकाल के आंगन में होने वाले लाइट एंड साउंड शो में उनकी आवाज गूंजती है. उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए गर्व और भक्ति का विषय है कि मेरी आवाज के माध्यम से बाबा की सेवा हो रही है." दिव्या दत्ता ने महाकाल मंदिर की दर्शन व्यवस्था और प्रबंध समिति की कार्यप्रणाली की भी प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार में सभी समान हैं.

न्यूज अपडेट

कैमूर में चुनावी ड्यूटी के दौरान पुलिस हेड कॉन्स्टेबल की मौत

कैमूर। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र से दुखद खबर सामने आई है. चुनावी ड्यूटी पर मौजूद कर्नाटक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार की हार्ट अटैक से मौत हो गई. सूत्रों के अनुसार, राजकुमार और उनकी टीम रामगढ़ हाई स्कूल परिसर में चुनाव ड्यूटी के लिए ठहरे हुए थे. सुबह साथी जवानों ने उन्हें जगाने की कोशिश की, तो वह बेहोशी की हालत में मिले. तुरंत उन्हें रामगढ़ रेफरल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. रामगढ़ बीडीओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत हार्ट अटैक से होने की बात सामने आई है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेजा गया है.

पुलिस ने फुलकाहा के नवाबगंज से साढ़े छह किलो गांजा किया जब्त

अररिया। जिले की फुलकाहा थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ सोमवार को कार्रवाई करते हुए साढ़े छह किलो गांजा बरामद किया. बरामदगी फुलकाहा थाना क्षेत्र के तोप नवाबगंज से हुआ. हालांकि, तस्कर जवानों को देख कर मौके से भागने में सफल रहा. एसएसबी के फुलकाहा बीओपी प्रभारी असिस्टेंट कमांडेंट राणा कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई. जवानों ने जांच-पड़ताल कर गांजे की यह खेप जब्त की और उसे सुरक्षित तरीके से कब्जे में ले लिया. बीओपी प्रभारी सहायक कमांडेंट रामकुमार ने बताया कि जब्त किए गए गांजे की कागजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है और इसे फुलकाहा थाना पुलिस को सौंप दिया गया. उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में नशे की तस्करी को रोकना और युवाओं को सुरक्षित रखना है.

परिवार पर लाठी-डंडों से हमला, 5 घायल

भोजपुर। जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव से एक मारपीट का वीडियो सामने आया है, जिसमें आपसी रंजिश के चलते एक ही परिवार के पाँच लोगों को बेरहमी से पीटा गया. वीडियो में हमलावरों को हाथों में लाठी-डंडे लेकर लोगों पर हमला करते हुए देखा जा सकता है. स्थानीय ग्रामीणों की त्वरित मध्यस्थता से मामला शांत कराया गया. घायल सभी लोगों का इलाज आरा सदर अस्पताल में जारी है. फतेहपुर गांव के रहने वाले राकेश कुमार, मनोज कुमार सिंह, शत्रुघ्न सिंह, इंद्रजीत सिंह और बेदामो देवी इस हमले में घायल हुए हैं. पीड़ित मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मतदान से पहले कुछ लोगों ने उन्हें एक विशेष पार्टी को वोट न देने का दबाव बनाया था. जब उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने मन से वोट देगा, तब विवाद बढ़ गया.

टीचर ने फंदे पर लटक कर दी जान

पटना। एएनएम टीचर अपने बॉयफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात की और फिर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित आदर्श कॉलोनी का है. जानकारी अनुसार सुकन्या एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की शिक्षिका ज्योति कुमारी जो समस्तीपुर की रहने वाली थी. उन्होंने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. मिली जानकारी के अनुसार, ज्योति ने आत्महत्या से कुछ देर पहले एक युवक से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी. बातचीत खत्म होने के बाद वह अपने कमरे में चली गईं और दरवाजा बंद कर लिया.

नीतीश कुमार ने स्वास्थ्य और उम्र पर उठे सवालों का विपक्ष को दिया करारा जवाब

84 रैलियां कर चुनावी प्रचार में दिखाया दम

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्ष द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उम्र और स्वास्थ्य को लेकर उठाए गए सवालों का सीधा जवाब नीतीश कुमार ने अपने चुनावी प्रचार के जरिए दिया है. विपक्ष ने दावा किया था कि सीएम बुजुर्ग हो गए हैं, थक गए हैं और बीमार हैं, इसलिए बिहार का प्रशासन संभालना उनके लिए मुश्किल है. इस पर नीतीश कुमार ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए सक्रिय चुनावी अभियान चलाया और खुद को राज्य का सबसे सक्रिय स्टार प्रचारक साबित किया. इस बार नीतीश कुमार ने कुल 84 रैलियां कीं, जिनमें से 11 रैलियां सड़क मार्ग से की गईं. पहले चरण के चुनाव से पहले बारिश और खराब मौसम ने कई नेताओं की रैलियों को प्रभावित किया था. तेजस्वी यादव सहित कुछ नेता हेलीकॉप्टर से रैलियों में शामिल नहीं हो सके और उन्होंने जनता को केवल फोन के माध्यम से संबोधित किया. वहीं, नीतीश कुमार ने हेलीकॉप्टर पर निर्भर होने की आवश्यकता नहीं समझी और सड़क मार्ग से जनसभाओं में पहुंचे. नीतीश कुमार ने कुल 1000 किलोमीटर की सड़क यात्रा कर जनता से सीधा संवाद किया. इसके अलावा, उन्होंने 73 रैलियां हवाई मार्ग से पूरी की. केवल मंच पर भाषण देने तक सीमित न रहते हुए सीएम ने आठ विधानसभा क्षेत्रों में जनता से आमने-सामने बात की और उनके सवालों का जवाब दिया. इस दौरान उन्होंने खुद को थके और बीमार बताने वाले आरोपों को पूरी तरह गलत साबित किया.

मुख्यमंत्री ने चुनावी सभाओं में लालू-राबड़ी के शासन काल पर जमकर निशाना साधा और जनता को एनडीए एवं जद(यू) समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देने का आग्रह किया. रविवार को रोहतास जिले के गढ़ नोखा में आयोजित विशाल जनसभा में सीएम ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और बिहार की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए जनता से समर्थन मांगा. चुनावी रणनीति के तहत सीएम ने जनता के बीच अपने कदम रखा और विपक्ष के आरोपों को प्रत्यक्ष रूप से चुनौती दी. इस बार की रैलियों में उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की कि उनकी ऊर्जा और सक्रियता अब भी चुनावी मैदान में पूरी तरह मौजूद है. बिहार विधानसभा चुनाव का प्रचार अब अंतिम चरण में है. दूसरे चरण का प्रचार रविवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया. इस चरण में 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर 11 नवंबर को मतदान होगा. कुल 1,302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,165 पुरुष, 136 महिलाएं और 1 तृतीय लिंग प्रत्याशी शामिल हैं.

राज्यभर में प्रति बूथ औसतन लगभग 815 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. इस चुनावी दौड़ में नीतीश कुमार ने यह साबित कर दिया कि उम्र और स्वास्थ्य के सवाल उनके प्रचार और जनसंपर्क में बाधक नहीं हैं. सड़क और हवाई मार्ग से किए गए उनके सक्रिय प्रचार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और उन्हें चुनावी स्टार प्रचारक के रूप में स्थापित किया.

अधिकारियों पर बनाया जा रहा है दबाब: तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के पूर्व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा आरोप लगाया है. एक वीडियो संदेश जारी कर उन्होंने कहा है कि प्रथम चरण के बाद एनडीए खेमे में भारी गमगीन माहौल है. उन्होंने आरोप लगाया कि हार के ख़ौफ़ से गृहमंत्री अधिकारियों से मिलकर एवं फ़ोन पर धमकी दे रहे है. जहां ठहरते है उस होटल के सीसीटीवी बंद करा देर रात्रि अधिकारियों को बुलाते है. साथ ही अभी मुख्यमंत्री आवास से बिना मुख्यमंत्री की जानकारी के भूंजा पार्टी की मित्र मंडली के ईडी के चंगुल में फंसे महाभ्रष्ट अधिकारी फ़ोन कर अधिकारियों को महागठबंधन के कार्यकर्ताओं को पुलिस के द्वारा वोटिंग के दिन तक डिटेन करने, महागठबंधन समर्थित मजबूत बूथों को डिस्टर्ब करने संबंधित निर्देश दिए जा रहे है. संबंधित रेंज के अधिकारी बैठक कर रहे है. उन्होंने कहा कि बदलाव निश्चित है इसलिए अधिकारी फ़ोन करने वाले का स्क्रीनशॉट तक हमें भेज रहे है. बिहार सरकार के ईमानदार अधिकारी बिना रिटायर्ड अधिकारियों के दबाव में आए संविधान सम्मत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें. उन्होंने कहा कि दो गुजराती येनकेन प्रकारेण बिहार पर कब्जा करना चाहते है. वो बिहार को अपना उपनिवेश बनाना चाहते है. बिहार की जनता संविधान विरोधी कार्य करने वाले बेगैरत बे-ज़मीर सत्ताधारी नेताओं को कड़ा सबक सिखाने के लिए एक पैर पर खड़ी है. गणतंत्र की जननी बिहार में इनकी वोट चोरी हरगिज नहीं चलेगी. जनता हर प्रकार से यानि हर प्रकार से इनकी वोट चोरी और लोकतंत्र की डकैती रोकने के लिए तैयार है

पूर्वी चंपारण हमेशा से एनडीए का गढ़ माना जाता रहा है

इस बार चुनावी समीकरण बदलते दिख रहे हैं

शुभम संदेश। पूर्वी चंपारण

पूर्वी चंपारण हमेशा से एनडीए का गढ़ माना जाता रहा है. 2020 के विधानसभा चुनाव में 12 सीटों में से नौ पर एनडीए और तीन पर राजद का कब्जा था. लोकसभा चुनाव में भी एनडीए गठबंधन ने ही जीत दर्ज की थी. लेकिन इस बार स्थिति कुछ बदलती नजर आ रही है. दोनों गठबंधन—एनडीए और महागठबंधन—ने वैश्य समाज पर भरोसा जताते हुए लगभग आधा दर्जन सीटों पर वैश्य उम्मीदवार उतारे हैं. 2020 में भाजपा के प्रमोद सिन्हा ने कांग्रेस के रामबाबू यादव और राजद के बागी सुरेश यादव को हराया था. इस बार कांग्रेस ने पूर्व मंत्री बृजबिहारी प्रसाद के भाई श्याम बिहारी प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है.

भाजपा के पूर्व विधायक अजय सिंह बागी होकर महागठबंधन उम्मीदवार की मदद कर रहे हैं. जनसुराज ने जेडीयू के पूर्व जिलाध्यक्ष भुवन पटेल को उतारा है, जिससे कांग्रेस को फायदा दिख रहा है. हरसिद्धि में भाजपा के मंत्री कृष्णनंदन पासवान फिर से मैदान में हैं. उनके खिलाफ राजद और जनसुराज के उम्मीदवार हैं. स्थानीय नाराजगी और विधायक-महेश्वर सिंह की अदावत मुकाबले को प्रभावित कर सकती है. गोविंदगंज में एनडीए के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर खींचतान रही. भाजपा के सुनील मणि तिवारी और लोजपा (आर) के राजू तिवारी के बीच मुकाबला है. कांग्रेस के शशिभूषण राय और जनसुराज के कृष्णकांत मिश्रा भी मैदान में हैं.

केसरिया में जेडीयू की शालिनी मिश्रा और महागठबंधन के कई उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है, जिससे जेडीयू को फायदा दिख रहा है. कल्याणपुर में भाजपा प्रत्याशी के अश्लील ऑडियो-वीडियो वायरल होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है. पिपरा, मधुबन और चिरैया में वैश्य और यादव वोटों के बिखराव से भाजपा और जेडीयू को लाभ मिलने की संभावना है. मुस्लिम बहुल सीट पर जनसुराज ने वैश्य चिकित्सक डॉ. लालबाबू प्रसाद को उतारा है, जिससे मुकाबला रोमांचक बन गया है. नरकटिया में वैश्य वोटों को एकजुट करने की रणनीति दिखाई दे रही है. मोतिहारी में भाजपा के प्रमोद कुमार लगातार पांचवीं बार मैदान में हैं. राजद ने बाहुबली नेता देवा गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है. भाजपा वोटों के बिखराव से राजद को फायदा मिल सकता है. पूर्वी चंपारण की यह चुनावी तस्वीर दर्शाती है कि पारंपरिक समीकरण अब चुनौतीपूर्ण हो गए हैं. वैश्य और यादव वोटों की रणनीति और बागी उम्मीदवारों की भूमिका इस बार परिणाम को प्रभावित कर सकती है.

गायघाट क्षेत्र में मौत विराग ने डीएम की रिपोर्ट खारिज कर दी

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट विधानसभा क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत ने राजनीतिक चर्चा तेज कर दी है. जिला प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया कि मृतक की मौत का चुनाव या मतदान प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है. इस मामले पर लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने ट्वीट कर डीएम की रिपोर्ट को खारिज कर दिया और इसे राजनीतिक हत्या करार दिया. चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि गायघाट के सखौरा पटसारा गांव में राजद समर्थकों ने शंकर पासवान की हत्या की और इसे चुनावी हार की हताशा का परिणाम बताया. उन्होंने इसे 'जंगलराज की मानसिकता' की वापसी कहा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि व्यक्ति को गलत जगह वोट डालने पर सजा दी गई, जिसके बाद उसकी मौत हुई. डीएम कार्यालय ने इसे पूरी तरह भ्रामक और बताया. प्राथमिक जांच में पता चला कि विवाद की शुरुआत जलेबी के पेड़ से पत्ता तोड़ने को लेकर हुई.

बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो महिलाओं को ढाई हजार रुपये की सहायता: जयराम रमेश

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि इस बार बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना तय है. सत्ता में आते ही बिहार के लिए महागठबंधन की पांच साल की बीस सूत्री गारंटी लागू की जाएगी, जिसमें हर घर से एक सदस्य को सरकारी नौकरी, महिलाओं को हर महीने ढाई हजार रुपये सहायता और दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली जैसी तमाम सुविधाएं दी जाएंगी. कांग्रेस नेता रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि महागठबंधन की गारंटी में पांच सौ रुपये में गैस सिलेंडर, महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा, जीविका दीदियों को तीस हजार रुपये वेतन, वृद्धजनों को पंद्रह सौ रुपये पेंशन और दिव्यांगों को तीन हजार रुपये मासिक पेंशन देने का वादा किया गया है. इसके अलावा किसानों को उपज पर समर्थन मूल्य की गारंटी, चौबीस घंटे मुफ्त बिजली और सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की बात भी शामिल है.

सरकारी स्कूलों में अटेंडेंस के लिए अब टैबलेट का उपयोग, सामूहिक फोटो से होगी उपस्थिति दर्ज

पटना। सरकारी स्कूलों में दशकों से चली आ रही एटेंडेंस रजिस्टर प्रणाली अब बदलने जा रही है. पटना जिला शिक्षा कार्यालय ने स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति डिजिटल माध्यम से दर्ज करने का निर्णय लिया है. इस योजना के तहत प्रत्येक क्लास में क्लास टीचर के पास टैबलेट रहेगा. टीचर रोजाना अपने क्लास के बच्चों की सामूहिक तस्वीर खींचकर अपनी लॉगिन आईडी से ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति अपलोड करेंगे. तस्वीरें वर्ग के चारों ओर से ली जाएंगी ताकि हर बच्चे का चेहरा स्पष्ट दिखाई दे. जिले के प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों को दो-दो टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं. कुछ स्कूलों में बच्चों की संख्या के आधार पर तीन टैबलेट भी दिए गए हैं. एक टैबलेट का उपयोग बच्चों की उपस्थिति, स्कूल में हो रही गतिविधियों, नियमित क्लास और मध्याह्न भोजन में शामिल बच्चों की जानकारी दर्ज करने के लिए होगा. वहीं दूसरा टैबलेट शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज करने में इस्तेमाल करेंगे. विशेष रूप से प्रारंभिक स्कूलों में यह प्रक्रिया अनिवार्य होगी.

कारोबार

भारत की हाउसिंग सेल्स वैल्यू वित्त वर्ष 26 में 6.65 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत के बड़े शहरों में प्राइमरी हाउसिंग मार्केट की सेल्स वैल्यू वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 6.65 लाख करोड़ रुपए पहुंचने की उम्मीद है. इसकी वजह लग्जरी और अल्ट्रा-लग्जरी घरों की मजबूत मांग होना है. यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई. रियल एस्टेट सर्विसेज फर्म एनारॉक की रिपोर्ट में कहा गया कि वैश्विक स्तर पर तनाव के बावजूद भी शीर्ष सात भारतीय शहरों में सेल्स वॉल्यूम स्थिर बनी हुई है और वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में इन शहरों में 1.93 लाख यूनिट्स से अधिक की ब्रिकी हुई है. सेल्स वैल्यू में वृद्धि मुख्य रूप से विभिन्न शहरों में अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री के कारण हो रही है,क्योंकि लग्जरी और अल्ट्रा-लग्जरी आवास की मांग अन्य सभी सेगमेंट्स से अधिक बनी हुई है. आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में कुल सेल्स वैल्यू 2.98 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है जो वित्त वर्ष 2025 की कुल सेल्स वैल्यू 5.59 लाख करोड़ रुपए का 53 प्रतिशत है. एनारॉक ग्रुप के कार्यकारी निदेशक और रिसर्च एवं एडवाइजरी प्रमुख प्रशांत ठाकुर ने कहा, "कुल बेचे गए घरों की सेल्स वैल्यू बढ़ रही है. वित्त वर्ष 2025 में सेल्स वॉल्यूम में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी, जबकि सेल्स वैल्यू 6 प्रतिशत बढ़कर 5,59,290 करोड़ रुपए हो गई, जो वित्त वर्ष 2022 के बाद से सबसे अधिक है." शहर-वार विश्लेषण से पता चला है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और चेन्नई ने वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में अन्य शहरों को पीछे छोड़ दिया.

बजट 2026-27 की तैयारी शुरू

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ की पहली प्री-बजट चर्चा

एजेंसियां। नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री-बजट चर्चा की. यह बैठक नई दिल्ली में हुई, जिसमें मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए.

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा, "केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली प्री-बजट चर्चा की अध्यक्षता की." मंत्रालय के अनुसार, बैठक में डीईए के वरिष्ठ अधिकारियों और कई अनुभवी अर्थशास्त्रियों ने हिस्सा लिया और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपने सुझाव दिए.

प्री-बजट चर्चाओं का उद्देश्य सरकार को आगामी बजट के लिए आवश्यक इनपुट उपलब्ध कराना है. इन चर्चाओं में टैक्स सुधार, व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business), निवेश को प्रोत्साहन और राजकोषीय संतुलन जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है. सरकार विभिन्न उद्योग संगठनों, कारोबारी प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ क्रमिक बैठकों के माध्यम से व्यापक परामर्श प्रक्रिया चला रही है.

बीते महीने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के अधिकारियों ने राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव से मुलाकात की थी. बैठक के बाद पीएचडीसीसीआई के सीईओ और महासचिव डॉ. रणजीत मेहता ने बताया कि बातचीत अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष कर प्रणाली को सरल बनाने और उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप ढालने पर केंद्रित थी. उन्होंने कहा कि "एमएसएमई सेक्टर की लिक्विडिटी की समस्या दूर करने के लिए भी सरकार को सुझाव दिए गए हैं. सरकार का रुख इन सुझावों के प्रति काफी सकारात्मक रहा है."

वहीं पीएचडीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष साकेत डालमिया ने कहा कि "नए कानूनों के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को लेकर भी चर्चा हुई, जिसे सरकार ने गंभीरता से सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी." इन प्रारंभिक चर्चाओं से यह स्पष्ट है कि केंद्र सरकार आगामी बजट को न केवल विकासोन्मुखी बल्कि उद्योग, रोजगार और सामाजिक कल्याण को प्रोत्साहित करने वाला बनाना चाहती है. वित्त मंत्रालय का लक्ष्य है कि 2026-27 का बजट आम नागरिक तक आर्थिक लाभ पहुंचाने के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को गति दे.

मेट्रो शहरों से परे अब 9 उभरते बाजार दे रहे हैं कॉरपोरेट माइग्रेशन को नई दिशा

एजेंसियां। मुंबई

देश में अब मेट्रो शहरों से हटकर नौ नए उभरते बाजार कॉरपोरेट माइग्रेशन को गति दे रहे हैं. एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 10 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था में ये शहर लगभग 70 मिलियन वर्ग फीट ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस और 80 मिलियन वर्ग फीट लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर का संचालन कर रहे हैं.

जेएलएल की रिपोर्ट बताती है कि जयपुर अब आईटी कंपनियों के लिए एक नए टेक्नोलॉजी डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है. दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी, साथ ही मजबूत टैलेंट पूल ने शहर को तेजी से विकसित किया है.

लखनऊ अपने उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग निवेश के कारण तेजी से इंडस्ट्रियल हब बन रहा है. अगले तीन से चार वर्षों में यहां मजबूत कमर्शियल इन्वेंट्री की उम्मीद है.

कोयंबटूर राज्य में चेन्नई के बाद दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक और आईटी केंद्र बन चुका है. यह सुरक्षित कार्य वातावरण और विविध सेक्टर्स के लिए उपलब्ध टैलेंट के कारण निवेशकों को आकर्षित कर रहा है.

कोच्चि अपने इंटरनेशनल अंडर-सी केबल सिस्टम के कारण देश का प्रमुख इंटरनेट गेटवे है, जो कम लागत पर हाई-स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करता है. वहीं, भुवनेश्वर अपनी स्मार्ट सिटी पहल और बेहतर गवर्नेंस से निवेश का केंद्र बन रहा है.

पूर्वोत्तर में गुवाहाटी भारत-आसियान व्यापार कॉरिडोर का प्रमुख द्वार बनकर उभरा है. भारतमाला प्रोजेक्ट और लॉजिस्टिक्स पार्क विकास ने इसे क्षेत्रीय वेयरहाउसिंग हब में बदल दिया है.

भारत में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश में तेजी, पांच वर्षों में पूंजीगत व्यय 280 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद : जेफरीज

एजेंसियां। मुंबई

भारत में ऊर्जा क्षेत्र पर पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) अगले पांच वर्षों में दोगुना से अधिक बढ़कर 280 अरब डॉलर के पार पहुंचने की उम्मीद है. यह अनुमान वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में व्यक्त किया है. रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 से 2030 के बीच भारत का ऊर्जा क्षेत्र में पूंजीगत निवेश वित्त वर्ष 2019-2024 के मुकाबले 2.2 गुना बढ़ जाएगा.

जेफरीज का कहना है कि ऊर्जा क्षेत्र में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से बड़े ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स, सरकारी नीतिगत समर्थन और ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के कारण संभव हो रही है. फर्म का आकलन है कि पावर सेक्टर का इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश इस वृद्धि का प्रमुख चालक रहेगा, जो लगभग 21 प्रतिशत कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ रहा है. इसके मुकाबले, समग्र औद्योगिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर कैपेक्स वित्त वर्ष 2024 से 2027 के बीच 11 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ने की संभावना है.

रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में लगभग 1.6 लाख करोड़ रुपये के ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स की बोलियां पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 39,500 करोड़ रुपये था. यह संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में भारत का ऊर्जा ढांचा तेजी से विस्तार करेगा.

जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और ग्रिड के आधुनिकीकरण पर बढ़ते फोकस से पावर इक्विपमेंट निर्माताओं के लिए जबरदस्त अवसर पैदा होंगे. रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत एग्जीक्यूशन, बढ़ते ऑर्डर इनफ्लो और बेहतर मार्जिन से सेक्टर की अग्रणी कंपनियों को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की संभावना है.

ब्रोकरेज फर्म ने यह भी जोड़ा कि "भारत के मौजूदा पूंजीगत व्यय चक्र में पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट सबसे आकर्षक औद्योगिक क्षेत्रों में से एक बने हुए हैं."

सरकार की नीति भी इस दिशा में साफ है. केंद्र सरकार पारंपरिक ऊर्जा के साथ-साथ स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) पर तेजी से फोकस बढ़ा रही है. बीते महीने सरकार ने बताया था कि भारत के कुल बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी की हिस्सेदारी बढ़कर 51 प्रतिशत हो चुकी है. इसमें रिन्यूएबल, हाइड्रो और न्यूक्लियर स्रोतों से मिलने वाली ऊर्जा शामिल है.

यह रुझान इस बात का संकेत है कि आने वाले वर्षों में भारत का ऊर्जा क्षेत्र न केवल अधिक टिकाऊ बनेगा बल्कि आर्थिक विकास की गति को भी नई दिशा देगा.

'वर्ल्ड साइंस डे' पर केंद्रीय मंत्रियों ने कहा

भारत अपनी वैज्ञानिक प्रगति से दुनिया को कर रहा प्रेरित

नई दिल्ली। 'वर्ल्ड साइंस डे' के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि भारत अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों और ज्ञान-आधारित नवाचारों से दुनिया को प्रेरित कर रहा है और आगे भी विज्ञान के माध्यम से वैश्विक प्रगति में योगदान देता रहेगा. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि 'भारत विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नेतृत्व की दिशा में बढ़ रहा है, जहां इनोवेशन प्राचीन ज्ञान से जुड़कर विकास को नई दिशा देता है. विश्वगुरु बनने के विजन के साथ भारत विज्ञान के माध्यम से उद्देश्यपूर्ण और स्थायी भविष्य का निर्माण करेगा.' वहीं, नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'विज्ञान हमें हमारे ग्रह की बड़ी चुनौतियों के समाधान की ओर मार्गदर्शन करता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए समानता और प्रगति को बढ़ावा देता है.'

अक्टूबर में खुले 30 लाख से अधिक डीमैट खाते, 10 महीनों का उच्चतम स्तर दर्ज

मुंबई। अक्टूबर माह में देशभर में 30 लाख से अधिक नए डीमैट खाते खोले गए, जो पिछले 10 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है. डिपॉजिटरी डेटा के अनुसार, सितंबर में 24.6 लाख नए खाते खुले थे, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा तेजी से बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. विशेषज्ञों का कहना है कि डीमैट खातों में यह उछाल इक्विटी बाजार की रिकवरी, विदेशी निवेशकों की वापसी और बड़े आईपीओ के आने से जुड़ा है. इस महीने के अंत तक देश में डीमैट खातों की कुल संख्या 21 करोड़ को पार कर गई, जो सितंबर में 20.7 करोड़ थी. अक्टूबर में भारतीय प्राइमरी मार्केट ने जोरदार प्रदर्शन किया. महीने भर में 10 आईपीओ लॉन्च हुए, जिन्होंने मिलकर करीब 44,930 करोड़ रुपये जुटाए — जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. शेयर बाजार के बेहतर प्रदर्शन ने भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ाई है. अक्टूबर में सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 3 प्रतिशत रिटर्न दिया.

इस सप्ताह खुलेंगे 6 नए आईपीओ, सात कंपनियों की होगी शेयर बाजार में लिस्टिंग

नई दिल्ली। इस सप्ताह प्राइमरी मार्केट में निवेशकों के लिए बड़ा अवसर आने वाला है. सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में छह कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं, जिनमें चार मेनबोर्ड और दो एसएमई सेगमेंट के इश्यू शामिल हैं. इसके अलावा सात कंपनियों की शेयर बाजार में लिस्टिंग भी तय है. 11 नवंबर को एमवी फोटोवोल्टिक लिमिटेड का 2,900 करोड़ का आईपीओ खुलेगा, जबकि फिजिक्स वाला 3,480 करोड़ का आईपीओ लॉन्च करेगा. इसी दिन वर्कमेट्स कोर-2-क्लाउड और महामाया लाइफसाइंसेज लिमिटेड के एसएमई आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध होंगे. 12 नवंबर को टेनेको क्लीन एयर 3,600 करोड़ का आईपीओ लाएगी और 13 नवंबर को फूजियामा पावर सिस्टम्स का इश्यू खुलेगा.

मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 3-0 से पराजित किया

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर सिटी ने मैनेजर पेप गार्डियोला के करियर के 1000वें मैच में लिवरपूल को 3-0 से मात देकर इतिहास रचा. इस जीत के साथ सिटी ने प्रीमियर लीग तालिका में आर्सेनल से केवल चार अंकों की दूरी बनाए रखी. मैच में पहले हाफ में एर्लिंग हॉलैंड ने 29वें मिनट में मैथ्यूस नूनेस के क्रॉस पर हेडर से गोल किया. हाफ टाइम से ठीक पहले निको गोंजालेज़ का शॉट वैन डाइक से टकराकर गोलपोस्ट में गया और सिटी 2-0 से आगे हो गई. दूसरे हाफ में जेरेमी डोकू ने व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए 63वें मिनट में तीसरा गोल दागा. सिटी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला समाप्त किया. इस जीत के साथ सिटी दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि लिवरपूल आठवें स्थान पर खिसक गया. गार्डियोला ने अपने 1000वें मैनेजमेंट मैच में 716वीं जीत दर्ज की, जिनमें 388 सिटी के साथ हैं. हॉलैंड ने लगातार तीसरे होम मैच में लिवरपूल के खिलाफ गोल दागा और अब तक इस सीज़न 14 गोल कर चुके हैं.

'शुक्रगुजार हूं गोवा के छोटे गांव में रहता हूं', मेरे घर में सूर्यास्त कुछ ऐसा दिखता है

दिल्ली की आबोहवा से परेशान हुए जोंटी रोड्स

- रांची जाते हुए दिल्ली से गुजर रहा हूं और हमेशा की तरह यहां की खराब वायु गुणवत्ता देखकर दुख होता है.

एजेंसियां । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली की जहरीली हवा ने न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि विदेशी हस्तियों को भी परेशान कर दिया है. साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि वे खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि गोवा जैसे स्वच्छ वातावरण में रहते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं दक्षिण गोवा के एक छोटे से गांव में रहता हूं, जहां मेरे बच्चे समुद्र किनारे खुले वातावरण में फुटबॉल खेल सकते हैं, जबकि दिल्ली में बच्चों को घरों में ही रहने की सलाह दी जा रही है."

पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक सुंदर सूर्यास्त की तस्वीर साझा की और लिखा, "मेरे घर में सूर्यास्त कुछ ऐसा दिखता है, और हां, ये मेरे बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं. दिल्ली में तो इस वक्त घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है." रोड्स हाल ही में दिल्ली से रांची की उड़ान पर थे. उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान राजधानी की वायु गुणवत्ता पर टिप्पणी करते हुए लिखा, "आज शाम रांची जाते हुए दिल्ली से गुजर रहा हूं और हमेशा की तरह यहां की खराब वायु गुणवत्ता देखकर दुख होता है. मैं वास्तव में आभारी हूं कि मैं गोवा के छोटे से गांव में रहता हूं, जहां हवा ताजी और साफ है." दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, सोमवार सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 372 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है. यह स्तर सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन, और गले में खुजली जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रहा है.

डॉक्टरों के मुताबिक, इस स्तर का प्रदूषण अस्थमा और श्वसन रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए बेहद खतरनाक है. विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रदूषण का स्तर ऐसा ही बना रहा तो फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के मामले बढ़ सकते हैं. लोगों को सलाह दी गई है कि वे घर से बाहर निकलने से बचें, विशेषकर सुबह और शाम के समय जब प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक होता है.

दिल्ली सरकार ने दावा किया है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए युद्धस्तर पर उपाय किए जा रहे हैं, जिनमें निर्माण कार्यों पर रोक, वाहन प्रतिबंध और एंटी-स्मॉग गन जैसे कदम शामिल हैं. हालांकि, नागरिकों का कहना है कि हर साल सर्दियों में यह स्थिति दोहराई जाती है और स्थायी समाधान की कमी बनी हुई है. जोंटी रोड्स का यह बयान सिर्फ उनकी व्यक्तिगत परेशानी नहीं दर्शाता, बल्कि दिल्ली की बिगड़ती आबोहवा पर एक वैश्विक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है. उनका यह संदेश यह याद दिलाता है कि स्वच्छ हवा अब विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत आवश्यकता बन गई है.

अरुण बने झारखंड अंडर-19 क्रिकेट टीम के मैनेजर

शुभम संदेश । चाईबासा

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने चाईबासा के वरिष्ठ खेल प्रबंधक और पूर्व क्रिकेटर अरुण मूंधड़ा (जिप्पी) को बीसीसीआई द्वारा आयोजित कूच बिहार ट्रॉफी के लिए झारखंड अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया है. उनकी नियुक्ति पश्चिमी सिंहभूम जिले के लिए गर्व का बात मानी जा रही है. चाईबासा के यूरोपियन क्वार्टर निवासी मूंधड़ा लंबे समय से क्रिकेट से जुड़े हैं और पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ तथा झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के आजीवन सदस्य हैं. मूंधड़ा को क्रिकेट प्रशासन और प्रबंधन का व्यापक अनुभव है. उन्होंने कई वर्षों तक जिला क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया और जिले में क्रिकेट के विकास में सक्रिय भूमिका निभाई. यह दूसरी बार है जब जेएससीए ने उन्हें अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया है. इससे पहले वर्ष 2009-10 में वे विवेक सिंह की कप्तानी वाली झारखंड अंडर-16 टीम के मैनेजर रह चुके हैं, और उस समय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था. नियुक्ति पर पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मुकुंद रुंगटा और महासचिव असीम कुमार सिंह ने उन्हें बधाई दी और इसे पूरे जिले के लिए सम्मान का विषय बताया. अरुण मूंधड़ा 13 नवम्बर को रांची से हवाई मार्ग से राजकोट के लिए रवाना होंगे, जहां झारखंड टीम 16 नवम्बर से सौराष्ट्र के खिलाफ पहला मुकाबला खेलेगी. लगभग एक माह तक चलने वाली ट्रॉफी में टीम सौराष्ट्र, हैदराबाद, बड़ौदा, केरल और पंजाब के खिलाफ खेलेगी. इस बार झारखंड अंडर-19 टीम में पश्चिमी सिंहभूम के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ी साकेत कुमार सिंह और गौरव सिंह भी शामिल हैं.

आईपीएल 2026 : अभय बन सकते हैं एलएसजी के नये फील्डिंग कोच

एजेंसियां । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) अपनी तैयारी नए अंदाज़ में कर रही है. टीम प्रबंधन कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव की योजना पर काम कर रहा है. पिछले सीजन में टीम के मेंटर रहे जहीर खान अब एलएसजी से अलग हो चुके हैं, जबकि आने वाले सीजन के लिए एक नए फील्डिंग कोच की नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है. रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व फील्डिंग कोच अभय शर्मा को लखनऊ सुपर जायंट्स के फील्डिंग कोच के रूप में शामिल किया जा सकता है. अभय शर्मा का कोचिंग अनुभव काफी समृद्ध रहा है. वह युगांडा की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं और भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ भी काम कर चुके हैं. उनकी कोचिंग में कई युवा खिलाड़ी जैसे शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल, अवेश खान और यशस्वी जायसवाल निखरकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं.

एलएसजी ने हाल ही में अपने प्रबंधन में भी अहम बदलाव किए हैं. टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच टॉम मूडी को क्रिकेट निदेशक नियुक्त किया है, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को रणनीतिक निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. विलियमसन, जो अभी भी सक्रिय क्रिकेटर हैं, पिछले सीजन में नीलामी में नहीं बिके थे. अब वे पर्दे के पीछे से टीम की रणनीति और दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. पिछले दो सीजन में एलएसजी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है. आईपीएल 2025 में टीम ने ऋषभ पंत पर बड़ा दांव लगाया था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं मिले. ऐसे में आगामी सीजन के लिए टीम प्रबंधन नए कोचिंग स्टाफ और रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में है, ताकि टीम को विजेता की राह पर वापस लाया जा सके.

टी-20 विश्व कप 2026 : आईसीसी ने आठ वेन्यू को चुना

कोलकाता व अहमदाबाद में हो सकते हैं सेफा. मुकाबले

- भारत में चुने गए पांच स्थानों में मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद और कोलकाता शामिल हैं.
- अगर पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों टीमें सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती हैं, तो दोनों सेमीफाइनल मुकाबले भारत में ही खेले जाएंगे.

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में अगले साल आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले जा सकते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस टूर्नामेंट के लिए कुल आठ वेन्यू को चुना है जिनमें भारत के पांच और श्रीलंका के तीन शहर शामिल हैं. भारत में चुने गए पांच स्थानों में मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद और कोलकाता शामिल हैं. वहीं श्रीलंका में कोलंबो के दो स्टेडियम और कैंडी को मेजबानी का मौका दिया गया है. फाइनल मैच कहां खेला जाएगा, यह अभी तय नहीं हुआ है, हालांकि संभावना जताई जा रही है कि फाइनल मुकाबला भी अहमदाबाद में ही आयोजित किया जा सकता है.

टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन फरवरी-मार्च के बीच होने की योजना है. सूत्रों के अनुसार, सेमीफाइनल मुकाबलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद और कोलकाता शीर्ष दावेदार बने हुए हैं. हालांकि, अंतिम फैसला टीमों के क्वालीफाई करने की स्थिति पर निर्भर करेगा.

अगर पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों टीमें सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती हैं, तो दोनों सेमीफाइनल मुकाबले भारत में ही खेले जाएंगे. लेकिन यदि पाकिस्तान क्वालीफाई करता है, तो उसका मुकाबला श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा. इसी तरह अगर श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो उसका मैच कोलंबो में खेला जा सकता है.

आईसीसी के 17 अक्टूबर को जारी बयान के अनुसार, इस बार 20 टीमें टी-20 विश्व कप में हिस्सा लेंगी. इन्हें चार ग्रुपों में पांच-पांच टीमों में बांटा जाएगा. ग्रुप चरण के बाद सुपर-8 राउंड खेला जाएगा, जिससे चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. दिलचस्प बात यह है कि इस बार यूरोपीय टीम इटली टी-20 विश्व कप में अपना डेब्यू करेगी. वहीं, भारत मौजूदा चैंपियन है जिसने 2024 के टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया था.

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में सेमीफाइनल और संभवतः फाइनल मुकाबलों का आयोजन होने से दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलेगी, जिससे टूर्नामेंट का रोमांच और भी बढ़ जाएगा. आईसीसी जल्द ही टी-20 विश्व कप 2026 का विस्तृत शेड्यूल जारी करने वाली है, जिसके बाद वेन्यू और तारीखों की औपचारिक घोषणा की जाएगी.

एटीपी फाइनल्स 2025

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर की शानदार शुरुआत

एजेंसियां । ट्यूरिन

एटीपी फाइनल्स 2025 में जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है. टूर्नामेंट के पहले मैच में ज्वेरेव ने अमेरिकी युवा खिलाड़ी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(6) से हराया. इस जीत के साथ ज्वेरेव ने शेल्टन के खिलाफ एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 5-0 कर लिया. दो बार के एटीपी चैंपियन ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में शेल्टन के 6/4 की बढ़त और दो सेट प्वाइंट का सामना करते हुए अपने संयम का परिचय दिया. आठ दिन पहले पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जैनिक सिनर से हार का सामना करने के बाद ज्वेरेव पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, और इस मैच में वे बेहद तरोताजा नजर आए. उन्होंने पहला सेट 6-3 से आसानी से अपने नाम किया.

दूसरे सेट में ज्वेरेव लगातार दबाव में आए, लेकिन 2-2 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट बचाने में सफल रहे. इसके बाद उन्होंने शेल्टन को टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया. टाई-ब्रेक में शेल्टन ने 4/0 की बढ़त हासिल की और 6/4 पर दो सेट प्वाइंट भी बनाए. लेकिन ज्वेरेव ने संयम बनाए रखा और 7-6(6) से सेट जीतकर मैच अपने नाम किया. इस जीत के बाद ज्वेरेव ने शेल्टन की खूबियों की तारीफ की. उन्होंने कहा, "वह अविश्वसनीय रूप से आक्रामक खिलाड़ी हैं. शायद दुनिया के सबसे आक्रामक खिलाड़ियों में से एक हैं. टाई-ब्रेक में उन्होंने शानदार शुरुआत की. मैंने एक-दो सर्व मिस किए और उनका पासिंग शॉट (5/4 पर) शानदार था. मैंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन्हें मैं नियंत्रित कर सकता था. टाई-ब्रेक के अंत में अच्छा प्रदर्शन कर मैच जीतना बेहद संतोषजनक है."

इस जीत से ज्वेरेव ने न केवल आत्मविश्वास हासिल किया बल्कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए अच्छी शुरुआत भी की. उनका अगला मुकाबला निर्णायक साबित हो सकता है, और उन्होंने संकेत दिया है कि वे अपनी आक्रामक शैली और संयम के दम पर इस एटीपी फाइनल्स में शीर्ष प्रदर्शन के लिए तैयार हैं.

18 साल बाद खिताब जीतना एक अधूरी कहानी का अंत था : मयंक अग्रवाल

एजेंसियां । बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने हाल ही में टीम के आधिकारिक पॉडकास्ट 'आरसीबी पॉडकास्ट' में अपने अनुभव साझा किए. उन्होंने आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने से लेकर आरसीबी के साथ 18 साल बाद खिताब जीतने तक के सफर के बारे में खुलकर बात की. नीलामी के बाद मयंक ने कहा, "मैंने खुद को 6-8 घंटे का समय दिया. हां, विचार आए कि मैं नहीं बिका, लेकिन मैंने खुद से कहा—हां, तुम्हें नहीं चुना गया. इसका मतलब है कि कुछ सुधार करने की जरूरत है. मैंने अपने बल्लेबाजी कोच के साथ बैठकर सुधार के बिंदु लिखे और तुरंत काम शुरू किया."

उन्होंने खुद के लिए सख्त रूटीन अपनाया—सुबह 5 बजे उठना, ट्रेनिंग और स्किल सेशन करना, दोपहर तक खत्म करना, परिवार के साथ समय बिताना और रात में अगले दिन की योजना बनाना. मयंक ने कहा, "अगर मैं दोपहर 3 या 3:30 तक योजना पूरी कर लेता, तो खुद को थोड़ा आराम देता, लेकिन अगले दिन की चेकलिस्ट हमेशा तैयार रहती."

आरसीबी ट्रायल्स के दौरान उन्हें असली मैच जैसा दबाव महसूस हुआ. मयंक ने कहा, "एंडी (आरसीबी कोच) ने कहा, 'ये सिलेक्शन मैच है, या तो बनाओ या बिगाड़ो.' मुझे ये चुनौती पसंद आई. अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुझे टीम में जगह मिली, और ओपन नेट्स और प्रैक्टिस गेम्स में बुलाया गया." फाइनल मुकाबले को लेकर मयंक ने कहा, "क्वालिफायर में काइल जैमीसन ने मेरे खिलाफ अच्छा ओवर डाला था. फाइनल में विराट ने कहा, 'वो बाउंस और शेप ले रहा है, इसलिए स्क्वेयर शॉट्स खेलो.' पहले बाउंड्री के बाद आत्मविश्वास लौटा और हमने दबाव पलट दिया. फिल सॉल्ट की आक्रामकता ने शुरुआत दी और मेरा काम लय बनाए रखना था."

भावुक होकर मयंक ने कहा, "आरसीबी के साथ मेरा पहला साल 2011 था जब फाइनल हारे थे. अब जीतना सिर्फ खुशी नहीं, बल्कि 2011 की कहानी को खत्म करना था. आईपीएल का हिस्सा न होने से लेकर 18 साल बाद खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक का सफर ऐतिहासिक था. उस पल की भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है." अंत में उन्होंने कहा, "अब ध्यान रणजी ट्रॉफी पर है. कर्नाटक ने काफी समय से खिताब नहीं जीता. हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं, लेकिन फाइनल लाइन पार नहीं कर पाए. इस बार हम सब कुछ झोंक देंगे ताकि कर्नाटक और उसके फैन्स के लिए ट्रॉफी जीत सकें."

मेलबर्न स्टार्स बनाम एडिलेड स्ट्राइकर्स मैच बारिश में धुला

एजेंसियां । मेलबर्न

विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में सोमवार को मेलबर्न स्टार्स और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया चौथा मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा. इस परिणाम के साथ दोनों टीमों ने 1-1 अंक साझा किए. यह दोनों टीमों का इस सीजन पहला मुकाबला था. जंक्शन ओवल में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 184 रन बनाए. मेग लैनिंग ने रिस मैककेना के साथ 4.3 ओवरों में 38 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दी. मैककेना 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं.

इसके बाद लैनिंग ने एमी जोन्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 25 रन जोड़कर टीम को संभाला. जोन्स 13 रन बनाकर पवेलियन लौटीं. 63 रन पर दो विकेट गिरने के बाद, लैनिंग ने कप्तान एनाबेल सदरलैंड के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 रन जोड़े. लैनिंग 41 गेंदों में 1 छक्का और 9 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुईं.

सदरलैंड ने डेनियल गिब्सन के साथ पांचवें विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया. सदरलैंड 39 गेंदों में 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से नाबाद 54 रन रही, जबकि गिब्सन ने 31 रन जोड़े. एडिलेड की ओर से अमांडा-जेड वेलिंगटन ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए, जबकि डार्सी ब्राउन और सोफी एक्लेस्टोन को 1-1 सफलता मिली. जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी एडिलेड स्ट्राइकर्स ने 4.2 ओवरों में 1 विकेट खोकर 32 रन बनाए, लेकिन इसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया और मुकाबला दोबारा शुरू नहीं हो सका. टैमू ब्यूमोंट ने कोई रन नहीं बनाया, जबकि लौरा वोल्वार्ड्ट 10 और मैडलिन पेन्ना 22 रन नाबाद रहीं. इस पारी में एकमात्र सफलता मारिजन कप्प को मिली.

जापान ओपन: लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय करेंगे लय वापस पाने की कोशिश

एजेंसियां । कुमामोटो (जापान)

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय मंगलवार से शुरू होने वाले 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में अपनी खोई हुई लय वापस पाने की कोशिश करेंगे. उभरते भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से उम्मीदों को हकीकत में बदलने की तैयारी में हैं. लक्ष्य सेन ने लंबे समय के फीके प्रदर्शन के बाद हाल ही में शानदार वापसी की है. उन्होंने हांगकांग ओपन में उपविजेता रहकर आत्मविश्वास हासिल किया और उसके बाद डेनमार्क व हायलो ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे. 24 वर्षीय सेन, जो पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे थे, अब इस लय को जारी रखना चाहेंगे. सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन का पहला मुकाबला जापान के विश्व नंबर 25 कोकी वातानाबे से होगा, जिसे चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है.

वहीं, 33 वर्षीय एचएस प्रणय, जिन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था, पिछले समय में फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं. पेरिस ओलंपिक से पहले चिकनगुनिया ने उनकी तैयारी पर असर डाला था, लेकिन दर्द के बावजूद वे ओलंपिक में खेले. अब चोट से उबरने के बाद वे वापसी कर रहे हैं. प्रणय का पहला मुकाबला मलेशिया के जुन हाओ लियोंग के खिलाफ होगा. उन्होंने कोरिया ओपन में इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ रिब की चोट के कारण मैच बीच में छोड़ दिया था. करीब एक महीने के आराम के बाद प्रणय अब कोर्ट पर लौटने को तैयार हैं.

अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों में आयुष शेठी पर सबकी नजरें रहेंगी. उन्होंने यूएस ओपन जीता था और हायलो ओपन में पूर्व विश्व चैम्पियन लो कियान यू को हराया था. उनका पहला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावत वितिदसार्न से होगा. इसके अलावा थरुन मन्नेपल्ली, जिन्होंने मकाऊ ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर प्रभावित किया था, कोरिया के जियॉन ह्योक जिन से भिड़ेंगे, जबकि किरण जॉर्ज का सामना पहले दौर में एक क्वालिफायर से होगा. मिक्स्ड डबल्स में भारत की जोड़ी रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे अमेरिका की जोड़ी प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गैई से भिड़ेगी. अन्य श्रेणियों में इस बार भारत की कोई भागीदारी नहीं होगी. इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी, खासकर लक्ष्य सेन और प्रणय की लय और फिटनेस पर, जो आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए महत्वपूर्ण संकेत देंगे.

चयन | ज्योति संभालेंगी कप्तानी, 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक चिली में खेला जाएगा-

एफआईएच महिला जू. हॉकी वर्ल्ड कप, भारतीय टीम घोषित

एजेंसियां । नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने सोमवार को एफआईएच महिला जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है. यह टूर्नामेंट 25 नवंबर से 13 दिसंबर 2025 तक सैंटियागो (चिली) में खेला जाएगा. टीम में 18 खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं. इस प्रतियोगिता में भारत को पूल-सी में रखा गया है, जहां उसका सामना जर्मनी, आयरलैंड और नामीबिया जैसी टीमों से होगा.

भारत अपना पहला मैच 1 दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ खेलेगा, इसके बाद 3 दिसंबर को जर्मनी और 5 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगा. पूल चरण की शीर्ष टीमें 7 से 13 दिसंबर के बीच खेले जाने वाले नॉकआउट मुकाबलों में जगह बनाएंगी. इस बार टीम की कप्तानी ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि टीम के मुख्य कोच तुषार खांडेकर रहेंगे. कोच तुषार खांडेकर ने कहा, "हमने टीम चयन में अनुशासन और संतुलन को प्राथमिकता दी है. बीते कुछ महीनों में खिलाड़ियों ने रक्षा और फिनिशिंग दोनों क्षेत्रों में जबरदस्त सुधार दिखाया है. अब वे अधिक आत्मविश्वास के साथ खेल रही हैं. हमारी तैयारियां बहुत मजबूत हैं और पूरा दल चिली में शानदार प्रदर्शन के लिए उत्साहित है."

उन्होंने आगे कहा, "टीम का जोश, फिटनेस और मानसिक दृढ़ता इस बार पहले से बेहतर है. हमें भरोसा है कि लड़कियां वर्ल्ड कप में देश का नाम रोशन करेंगी." टीम संयोजन की बात करें तो, गोलकीपर के रूप में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिन्ज को शामिल किया गया है. डिफेंस लाइन में मनीषा, लल्थनलुआलांगी, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू और नंदिनी टीम का हिस्सा हैं. मिडफील्ड में कप्तान ज्योति सिंह के साथ साक्षी राणा, ईशिका, सुनेलिता टोप्पो, खैदेम शिलैमा चानू और बिनिमा धान को जगह मिली है. फॉरवर्ड लाइन में सोनम, पूर्णिमा यादव, कनिका सिवाच, हिना बानो और सुखवीर कौर टीम की आक्रामक रणनीति को मजबूती देंगी. वैकल्पिक खिलाड़ियों के रूप में प्रियंका यादव और पार्वती टोप्पो को शामिल किया गया है.

भारतीय जूनियर टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी फिटनेस, रणनीति और मानसिक मजबूती के दम पर विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है. कोचिंग स्टाफ को उम्मीद है कि यह युवा और ऊर्जावान टीम सैंटियागो में देश को गौरवान्वित करेगी और पदक के लिए प्रबल दावेदारी पेश करेगी.

न्यूजीलैंड बनाम वेस्टइंडीज : चौथा टी20 बारिश में धुला, न्यूजीलैंड 2-1 से आगे

एजेंसियां । नई दिल्ली

न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच नेल्सन में खेले गए चौथे टी20 मैच में बारिश ने खेल को बाधित कर दिया और मुकाबला बेनतीजा रहा. इस मैच में केवल 6.3 ओवरों का ही खेल संभव हो पाया. पांच मैचों की सीरीज में इस परिणाम के बाद न्यूजीलैंड 2-1 से आगे बना हुआ है.

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. वेस्टइंडीज ने संभली हुई शुरुआत की. आमिर जंगू और एलिक एथनाज ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवरों में 30 रन की साझेदारी की. एथनाज 18 गेंदों में 2 छक्के और 1 चौका लगाकर 21 रन बनाकर आउट हुए. इसके बाद आमिर जंगू ने कप्तान शाई होप के साथ मोर्चा संभाला. दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 8 रन जोड़ पाए, तभी बारिश ने खेल रोक दिया. इस दौरान आमिर 18 गेंदों में नाबाद 12 रन बनाकर आउट नहीं हुए, जिसमें 2 चौके शामिल थे, जबकि शाई होप ने टीम के खाते में 3 रन जोड़े. विपक्ष की ओर से जेम्स नीशम इकलौते सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 1 ओवर में 5 रन देकर 1 विकेट हासिल किया. इस सीरीज की शुरुआत ऑकलैंड में हुई थी. पहले मैच को वेस्टइंडीज ने 7 रन से अपने नाम किया था. सीरीज का दूसरा मैच भी इसी मैदान पर खेला गया, जिसमें न्यूजीलैंड ने 3 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल की. तीसरा मुकाबला नेल्सन में खेला गया, जिसे न्यूजीलैंड ने 9 रन से जीत कर सीरीज में बढ़त बना ली थी.

चौथा मैच बेनतीजा रहने के बाद अब सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच 13 नवंबर को यूनिवर्सिटी ओवल में खेला जाएगा. इस मैच में वेस्टइंडीज जीत दर्ज करके सीरीज को बराबरी पर लाना चाहेगी, जबकि न्यूजीलैंड अपनी बढ़त बरकरार रखने का प्रयास करेगी. टी20 सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे और तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी.

डोमचांच में अधेड़ का शव बरामद, बेटे ने हत्या की आशंका जताई

डोमचांच (कोडरमा) । थाना क्षेत्र अंतर्गत रमेश प्रसाद यादव डिग्री कॉलेज रोड में सोमवार को 55 वर्षीय राज कुमार राज का शव बरामद हुआ. मृतक पांडेयबागी (डोमचांच) निवासी थे. उनके पुत्र प्रिंस राज ने बताया कि पिता सुबह करीब 10 बजे स्कूटी लेकर घर से निकले थे और प्रायः ब्लॉक क्षेत्र में लोगों का काम करवाते थे. प्रिंस ने कहा कि उनके पिता किसी बीमारी से पीड़ित नहीं थे, इसलिए स्वाभाविक मौत की संभावना नहीं है. उन्होंने हत्या की आशंका जताई है. थाना प्रभारी अभिमन्यु कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे. फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस संभावित हत्या के पहलुओं पर जांच कर रही है.

अबुआ झारखंड सरकार में भी मसूरीतारी, परसातरी और गिधनिया गांवों तक सड़क नहीं बन पाई

दुखी ग्रामीणों ने खुद बनाई एक किलोमीटर लंबी सड़क

शुभम संदेश । विष्णुगढ़

प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत चितरामो गांव के मसूरीतरी टोला के ग्रामीणों ने सरकारी उदासीनता से तंग आकर अपने बलबूते करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क तैयार कर दी. कुदाल और गैता लेकर किए गए इस श्रमदान कार्य की अध्यक्षता सोहन हेमब्रोम ने की. उन्होंने बताया कि 78 वर्षों के नए भारत और 25 वर्षों के अबुआ झारखंड सरकार में भी मसूरीतारी, परसातरी और गिधनिया गांवों तक सड़क नहीं बन पाई. हर चुनाव में आश्वासन तो मिलता है, पर सड़क नहीं. मजबूर होकर ग्रामीणों ने स्वयं सड़क निर्माण शुरू किया.

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में इस इलाके में पैदल चलना भी कठिन हो जाता है. सड़क की अनुपस्थिति से डिलेवरी मरीजों और सर्पदंश पीड़ितों की जानें भी जा चुकी हैं. साथ ही, विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते भी सड़क सुविधा न होने के कारण टूट जाते हैं. इस समस्या के समाधान हेतु ग्रामीणों ने प्रशासन और सरकार से शीघ्र पक्की सड़क निर्माण की मांग की.

इस श्रमदान कार्य में सोमर सोरेन, अर्जुन मरांडी, धनीराम मरांडी, महेश मरांडी, मेहीलाल टुडू, सरजू हेमब्रोम, अनिल हेमब्रोम, फेनीराम मुर्मू, बड़की देवी, अनीता देवी, प्रीति देवी, तालो हेमब्रोम, रुपमनी देवी, फूलमुनी देवी, मालती देवी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित थे. उन्होंने अपनी मेहनत और आत्मनिर्भरता से दिखाया कि यदि सरकार और प्रशासन उदासीन हों, तो भी ग्रामीण स्वयं अपने लिए बदलाव ला सकते हैं. ग्रामीणों ने कहा कि यह सड़क उनके जीवन की सुविधा और सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक थी. उनका यह प्रयास गांववासियों में आत्मनिर्भरता, एकजुटता और सामूहिक मेहनत की प्रेरणा देता है. प्रशासन को चाहिए कि वह इस पहल को देखते हुए पक्की सड़क का निर्माण शीघ्र पूरा कराएं, ताकि ग्रामीणों की समस्या स्थायी रूप से हल हो सके. इस तरह, मसूरीतरी टोला के ग्रामीणों ने सरकार की बेरुखी के बीच भी समाज में बदलाव लाने की मिसाल पेश की है.

पीवीयूएनएल यूनिट-1 का सफल संचालन, झारखंड को मिलेगी 85% बिजली: सांसद मनीष जायसवाल

रामगढ़ । हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने रामगढ़ स्थित शिवम इन होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) की यूनिट-1 के वाणिज्यिक संचालन को झारखंड के लिए ऐतिहासिक बताया. उन्होंने कहा कि यह प्लांट तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के दूरदर्शी सोच का परिणाम है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से यह योजना धरातल पर उतरी. सांसद ने बताया कि इस प्लांट से उत्पन्न बिजली का 85% झारखंड राज्य को मिलेगा, जबकि केवल 15% अन्य राज्यों को जाएगा. अन्य पावर प्लांटों में आम तौर पर राज्य को मात्र 25% बिजली मिलती है. यह आधुनिक ड्राई ऐश टेक्नोलॉजी वाला प्लांट है, जिसमें कम पानी की खपत होगी और प्रदूषण रहित बिजली उत्पादन सुनिश्चित होगा. अगले साल दिसंबर तक सभी यूनिटें चालू होने पर यह प्लांट देश को 4000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराएगा. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि उन्होंने भी बतौर झारखंड विधानसभा सदस्य परियोजना के क्रियान्वयन में सहयोग किया.

झारखंड स्थापना दिवस पर जिले में होंगे कार्यक्रम

हजारीबाग । झारखंड राज्य के 25वें स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में हजारीबाग जिला प्रशासन द्वारा "रजत जयंती समारोह" का भव्य आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर जिले भर में विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने बताया कि राज्य स्थापना की 25 वर्षों की गौरवगाथा, संस्कृति और विकास को साझा करने के लिए जिला मुख्यालय और प्रखंड मुख्यालय तक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. 11 नवम्बर को सुबह 07:00 बजे जिला मुख्यालय से डी.टी.ओ. ऑफिस से झंडा चौक तक रन फॉर झारखंड का आयोजन होगा. 12 नवम्बर को सुबह 10:00 बजे बड़ा अखाड़ा से ग्वालटोली चौक, पंच मंदिर, झंडा चौक तक स्ट्रीट डांस का आयोजन किया जाएगा. 13 नवम्बर को सुबह 07:00 बजे साइक्लोथॉन कैनरी हिल से झील तक आयोजित किया जाएगा. 14 नवम्बर को दोपहर 12:00 बजे कर्जन ग्राउंड में जतरा मेला का आयोजन होगा. मुख्य कार्यक्रम 15 नवम्बर को दोपहर 12:00 बजे विवेकानंद सभागार, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा. जिला प्रशासन ने सभी कार्यक्रमों की तैयारी पूरी कर ली है.

कस्तूरबा में सुरक्षा चूक पर डीसी ने की कार्रवाई

चतरा । शुभम संदेश दैनिक अखबार की खबर का असर देखने को मिला है. कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय प्रतापपुर से दो छात्राओं के लापता होने के गंभीर मामले में चतरा के उपायुक्त कीर्तिश्री ने कड़ी कार्रवाई की है. सोमवार को उपायुक्त ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया और सुरक्षा में चूक पाए जाने पर दोनों नाइट गार्डों को तत्काल निलंबित कर दिया. इसके साथ ही उन्हें एक वर्ष तक किसी भी पदस्थापन से वर्जित रखने का आदेश दिया गया. ज्ञात हो कि बीते दिनों भित्हा गांव की ये दोनों बच्चियां रात भर गायब रहीं, जिन्हें प्रतापपुर पुलिस ने सुबह जंगल से सुरक्षित बरामद किया. इस मामले को शुभम संदेश ने प्रमुखता से उजागर किया था, जिसके बाद प्रशासन ने सख़्ती दिखाई. उपायुक्त ने केवल सुरक्षा ही नहीं बल्कि विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं पर भी ध्यान दिया. आईसीटी रूम, विज्ञान प्रयोगशाला, जिम रूम, स्मार्ट क्लास रूम और रसोईघर का निरीक्षण किया. छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना. वार्डन सरिता कुमारी, सुषमा कुमारी और अनिता कुमारी को सुरक्षा, स्वच्छता और निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने के सख्त निर्देश दिए गए. इसके अलावा, विद्यालय में चल रही जलापूर्ति समस्या के शीघ्र समाधान का भी आश्वासन दिया गया. यह कार्रवाई दर्शाती है कि मीडिया की खबरें प्रशासनिक स्तर पर प्रभाव डाल सकती हैं और सुरक्षा एवं सुविधाओं में सुधार की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं.

शुभम संदेश
खबर का असर

हजारीबाग सदर अस्पताल में जल्द होगी रोटी बैंक की स्थापना

सभी जरूरतमंदों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा

शुभम संदेश । हजारीबाग

रांची रोटी बैंक के संस्थापक विजय पाठक ने समाजसेवी एवं जदयू नेता राकेश गुप्ता का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया. इस अवसर पर दोनों के बीच हजारीबाग सदर अस्पताल में रोटी बैंक की जल्द स्थापना को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई. रोटी बैंक के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अस्पताल आने वाले लोग भूख से परेशान नहीं होंगे.

राकेश गुप्ता ने कहा कि रोटी बैंक जैसा कार्य समाज में मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है. उन्होंने बताया कि रांची रिम्स में पिछले 6 वर्षों से रोटी बैंक संचालित है, जिसमें 500 से अधिक जरूरतमंदों को प्रतिदिन निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है. हजारीबाग सदर अस्पताल में इस व्यवस्था के शुरू होने से भी सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को भोजन सुविधा प्राप्त होगी. उन्होंने इसे समाज में मानवता की सच्ची सेवा और प्रेरणा का कार्य बताया.

इस अवसर पर रांची रोटी बैंक के सदस्यगण एवं अन्य समाजसेवी उपस्थित थे. उन्होंने राकेश गुप्ता के सामाजिक कार्यों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. आयुष पाठक, नीरज सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे. विजय पाठक ने कहा कि रोटी बैंक का उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि समाज में सेवा और मानवता का संदेश फैलाना भी है. राकेश गुप्ता ने बताया कि इस पहल से अस्पताल में आने वाले मरीजों को न केवल पोषण मिलेगा, बल्कि मानसिक राहत भी मिलेगी. यह कदम स्थानीय प्रशासन, समाजसेवी संस्थाओं और नागरिकों को मिलकर समाज के कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देगा.

हजारीबाग में रोटी बैंक की स्थापना से स्वास्थ्य संस्थानों में मरीजों और उनके परिवारों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित होगी. यह पहल मानव सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है और समाज में दूसरों की मदद करने की भावना को बढ़ावा देगी.

मेघातरी चेक पोस्ट पर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

शुभम संदेश । कोडरमा

झारखंड-बिहार सीमा पर अवस्थित मेघातरी मिरर चेक पोस्ट पर सघन वाहन जांच के दौरान भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई. पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिली कि एक ट्रक पर अवैध शराब लदी हुई है, जो बिहार की ओर जा रहा है. पुलिस ने ट्रक पंजीयन संख्या बी0आर0 56जी0-4297 को रोककर तलाशी ली, जिसमें कुल 279 पेटी शराब बरामद हुई. बरामद शराब में इम्पेरियल ब्लू 52 पेटी (468 लीटर), रॉयल स्टेज 98 पेटी (882 लीटर), रॉयल चैलेंज 46 पेटी (414 लीटर) और आइकॉनिक व्हाइट 73 पेटी (657 लीटर) शामिल हैं. कुल शराब की मात्रा 2421 लीटर और अनुमानित मूल्य 16,50,000/- रुपए है. ट्रक चालक शिशुरंजन उर्फ सोनु (24 वर्ष), पिता उपेन्द्र प्रसाद, साकिन मानपूर, थाना सारे, जिला नालंदा (बिहार) को गिरफ्तार किया गया. वह शराब के परिवहन के लिए आवश्यक कागजात प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा. पुलिस ने ट्रक और शराब को जब्त कर कोडरमा थाना में अवैध शराब तस्करी के तहत मामला दर्ज किया. इस कार्रवाई में विकास पासवान, पुनि-सह-थाना प्रभारी, कोडरमा थाना, सशस्त्र बल और मेघातरी चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त पुलिस बल शामिल थे. पुलिस ने मामले में अन्य आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापामारी शुरू कर दी है.

अवैध शराब पर सघन कार्रवाई , 450 लीटर महुआ चुलाई शराब जब्त, 12000 किग्रा किन्वित जावा नष्ट

चौपारण \हजारीबाग । उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के आदेश पर सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के निर्देशन में जिले में अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया. इसके तहत चोरदाहा चेक पोस्ट के उत्पाद कर्मियों ने बिहार सीमा के नजदीकी भगहर पंचायत के ग्राम भगहर झरना ठाकुरटोला में छापेमारी की. छापेमारी में अवैध महुआ शराब भट्टियाँ पाई गईं और उन्हें ध्वस्त किया गया. लगभग 12000 किग्रा किन्वित जावा और शराब निर्माण की अन्य सामग्रियाँ नष्ट की गईं. इसके साथ ही तैयार 450 लीटर महुआ चुलाई शराब जब्त की गई. संलिप्त अभियुक्तों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है. इस अभियान में अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सैयद बशीरुद्दीन, एंटोनी बागे, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह और सशस्त्र गृहरक्षा वाहिनी के जवान शामिल थे. सहायक आयुक्त ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब पर विशेष छापेमारी अभियान निरंतर जारी रहेगा.

बीडीओ के मार्गदर्शन में प्रशिक्षुओं ने मरकच्चो गांव का किया भ्रमण

मरकच्चो (कोडरमा) । लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के 100वें फाउंडेशन फॉर्थ ऑफिसर ट्रेनीज़ के छह प्रशिक्षुओं ने मरकच्चो प्रखंड के ग्राम पंचायत मरकच्चो उत्तरी का भ्रमण किया. कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को प्रखंड कार्यालय से हुआ. प्रशिक्षुओं का पंचायत सचिवालय में आरती, सांस्कृतिक मुकुट और फूल मालाओं से स्वागत किया गया. प्रशिक्षुओं ने प्रज्ञा केंद्र, मनरेगा ग्राम रोजगार सेवक कक्ष का निरिक्षण किया.

चोरी का सफल उद्भेदन आरोपी व जेवरात बरामद

हजारीबाग । शहर के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र में हुई बड़ी चोरी का पुलिस ने सफल उद्भेदन किया. चोरी की घटना 5 नवंबर को चतरा बस स्टैण्ड के पास वादी सरादार रणवीर सिंह के घर हुई थी, जिसमें लगभग 40 लाख रुपए मूल्य के सोना और चाँदी के आभूषण चोरी हो गए थे. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी शाखा की मदद से आरोपी पुरूषोतम कुमार यादव उर्फ फक्कू को गिरफ्तार किया. पूछताछ में उसने चोरी की घटना और अपने द्वारा चोरी किए गए आभूषण कुछ बेचने तथा कुछ अपने घर छुपाने की बात स्वीकार की.

कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर डीसी की बैठक

कोडरमा । झारखंड स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "झारखंड @25" थीम पर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी को लेकर उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने सभी विभागों को स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि झारखंड के 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह और अनुशासन के साथ किया जाए. उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल विकास, पोषण और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया. जिला खेल पदाधिकारी को "रन फॉर झारखंड" कार्यक्रम की तैयारी करने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया.

जागरुकता अवर निरीक्षक ने क्षेत्र के पेट्रोल पंपों में पोस्टर चिपकाकर लोगों को किया जागरूक

रजरप्पा थाना पुलिस ने नो हेलमेट- नो फ्यूल नियम लागू किया

शुभम संदेश । रामगढ़

रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार के निर्देश पर सोमवार से थाना क्षेत्र में ₹नो हेलमेट, नो फ्यूल₹ नियम को लागू कर दिया गया. इसके तहत बिना हेलमेट पहने दोपहिया सवारों को क्षेत्र के पेट्रोल पम्पों पर पेट्रोल नहीं मिलेगा. इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना और लोगों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करना है.

रजरप्पा थाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह सख्ती केवल पोस्टर लगाने तक सीमित नहीं है. यदि कोई पेट्रोल पंप संचालक नियम का उल्लंघन करता है और बिना हेलमेट वालों को पेट्रोल देता है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. यह कदम सड़क सुरक्षा के प्रति पुलिस की गंभीरता को दर्शाता है.

अभियान के तहत सोमवार को रजरप्पा थाना के अवर निरीक्षक रंजीत महतो ने क्षेत्र के सभी पेट्रोल पम्पों में ₹नो हेलमेट, नो फ्यूल₹ पोस्टर चिपकाकर लोगों को जागरूक किया. उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी के निर्देश पर यह अभियान पूरे थाना क्षेत्र में लागू किया गया है. इसके माध्यम से आम लोगों में हेलमेट पहनने की आदत को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है.

थाना अधिकारियों ने कहा कि रजरप्पा थाना क्षेत्र में रोड एक्सीडेंट की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं. इन दुर्घटनाओं में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, जिनमें अधिकांश मामले ऐसे हैं जहां सवार हेलमेट नहीं पहन रहे थे. यही कारण है कि इस अभियान को गंभीरता से लागू किया जा रहा है.

अवर निरीक्षक रंजीत महतो ने आम लोगों से अपील की है कि वे सड़क पर अपनी गति को नियंत्रित करें और यातायात नियमों का पालन करें. उन्होंने कहा कि हेलमेट पहनना केवल कानून का पालन करना नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति की जीवन सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है. पुलिस ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और पोस्टर भी लगाए जाएंगे.

रजरप्पा थाना पुलिस का यह कदम सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है. पुलिस लगातार इस नियम के पालन और सड़क सुरक्षा को लेकर निगरानी रखेगी.

एक नजर

विवाहिता की गला दबाकर हत्या, पति गिरफ्तार

चतरा । चतरा सदर थाना क्षेत्र के सजना गांव निवासी पूजा देवी (पति-गोलू विश्वकर्मा) का शव संदिग्ध अवस्था में घर में मिला. घटना को लेकर मृतका की मां ने सदर थाना में आवेदन देकर दामाद सहित छह लोगों को आरोपी बनाया है. महिला के अनुसार दहेज की खातिर पुत्री की ससुराल के लोगों ने हत्या कर दी है. इनमें पति के अलावा ससुर मनोज विश्वकर्मा, सास कंचन देवी, देवर छोटू कुमार, ननद माही कुमारी व कुसुम कुमारी शामिल हैं. बताया कि पुत्री की शादी वर्ष 2021 में वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के जोरी निवासी गोलू विश्वकर्मा से हुई थी. कुछ दिनों तक सब ठीक-ठाक चला. इसके बाद से दहेज को लेकर पुत्री को प्रताड़ित किया जाने लगा. हमेशा बाइक, गहने की मांग की जाती थी. आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने के कारण वे देने में असमर्थ थे. पुत्री के साथ हमेशा मारपीट किया जाता था. एक बार पुत्री के ऊपर गर्म पानी डाल दिया गया था. समझाने-बुझाने के बाद कुछ दिनों तक ठीक रहा. घटना के दिन उसके साथ मारपीट की गयी और गला दबाया गया, जिससे उसकी मौत हो गयी. बाद में आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया. पुलिस ने शव को कब्जे में कर सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया. इस संबंध में थाना प्रभारी विपिन कुमार ने कहा कि मृतका की मां के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया.

धान के बंटवारे को लेकर विवाद, छोटे भाई की मौत

लावालौंग । लावालौंग थाना क्षेत्र के चानी गांव में धान के हिस्से को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हुए विवाद ने खतरनाक रूप ले लिया. बड़ी भाई जगदीश भुइयां ने छोटे भाई संतोष भुइयां पर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया, जिससे संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई. घटना की जानकारी उसकी पत्नी ने पुलिस को दी. थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा ने बताया कि यह आपसी विवाद से उत्पन्न मामला है. आरोपी जगदीश घटना के बाद फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है. घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है. ग्रामीण और परिवारजन प्रशासन से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं.

हुसैनाबाद में लावारिस पड़ी सैकड़ों छात्राओं की साइकिलें, विभाग की लापरवाही से योजना ठप

हुसैनाबाद, पलामू । झारखंड सरकार की छात्राओं को निःशुल्क साइकिल देने की योजना हुसैनाबाद में ठप पड़ गई है. पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर में सैकड़ों साइकिलें खुले मैदान में लावारिश पड़ी हैं, जिससे करोड़ों रुपए की सरकारी संपत्ति खराब हो रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार साइकिलें कई महीने पहले ही पहुंच गई थीं और असेंबलिंग का काम भी पूरा हो गया, फिर भी वितरण नहीं हुआ. विभागीय अधिकारियों द्वारा हर बार नई तिथियां या सूची तैयार होने के बहाने बताये जा रहे हैं. इससे छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा नहीं मिल पा रही और योजना का उद्देश्य अधूरा रह गया है. शिक्षा विभाग के स्थानीय अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सूची तैयार होते ही वितरण शुरू होगा, लेकिन अभिभावकों का कहना है कि पिछले महीनों से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया. हुसैनाबाद की स्थिति प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, जिस पर तुरंत कार्रवाई की आवश्यकता है.

बारीडीह में मुखिया मंजीत सिंह की पहल पर ग्रामीणों ने श्रमदान से सड़क की मरम्मत की

मयूरहंड (चतरा) । मंझगावां पंचायत के बाराडीह गांव में मुखिया मंजीत सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने श्रमदान कर सड़क की मरम्मती की. यह कार्य पूरी तरह से ग्रामीणों के सहयोग और मुखिया के निजी खर्च से किया गया. सड़क लंबे समय से जर्जर थी, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हो रही थी. मुखिया मंजीत सिंह ने जनता की समस्या को समझते हुए सरकारी फंड की परवाह किए बिना स्वयं ग्रामीणों के साथ मिलकर जेसीबी से मिट्टी, मोरम और डस्ट डालकर सड़क को दुरुस्त कराया. ग्रामीणों ने बताया कि मुखिया अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही हर छोटे-बड़े कार्य में जनता के साथ खड़े हैं और उनके उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं. लगभग पांच सौ मीटर सड़क की मरम्मती से अब ग्रामीणों को काफी राहत मिलेगी. इस कार्य में डॉ. अरुण कुमार दांगी, बजरंगी यादव, सूरजदेव पासवान, परुस्तम कुमार, राजकुमार दांगी और अन्य ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा.

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत ग्रामीणों ने सड़क पर शव रख कर किया हंगामा

रामगढ़ । रजरप्पा थाना क्षेत्र के बुधबाजार के समीप रविवार देर शाम एक सड़क दुर्घटना में 27 वर्षीय राजकुमार महतो गंभीर रूप से घायल हो गए. उन्हें तुरंत सदर अस्पताल रामगढ़ पहुंचाया गया और बेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया और शव को सड़क पर रखकर रामगढ़–बोकारो मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. सैकड़ों लोग सड़कों पर बैठ गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ. रजरप्पा और रामगढ़ थाना प्रभारी मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े रहे.

पेज तीन का शेष

बाजार समिति लूट-गोलीकांड का विरोध....

बाजार समिति चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल द्वारा बाजार समिति की सुरक्षा के लिए बाजार समिति परिसर में सीसीटीवी एवं पुलिस चौकी की मांग की गई. बैठक की अध्यक्षता चेंबर के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल एवं संचालन विनोद गुप्ता द्वारा किया गया. बैठक संपन्न होने के पश्चात विधायक रागिनी सिंह के नेतृत्व में सभी व्यापारी उपायुक्त से मिले और सुरक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा हुई. उपायुक्त ने व्यापारियों की सुरक्षा का आश्वासन दिया. बैठक में चेंबर के अध्यक्ष चेतन गोयंका, महासचिव अजय नारायण लाल, कोषाध्यक्ष श्याम नारायण गुप्ता, धनबाद के सांसद ढुलू महतो, झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्व सांसद पीएन सिंह, पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, बैंक मोड़ चेंबर के सचिव लोकेश अग्रवाल, डीएमडीए के अध्यक्ष कौशल सिंह, प्रेम गंगेशर्या बरवाअड्डा चेंबर के सचिव पप्पू सिंह एवं मिहिर दत्ता, धनबाद जिला थोक वस्त्र विक्रेता संघ के घनश्याम नारनोली, निरसा चेंबर के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल, सिंदरी चेंबर के अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू, मेमको मोड चेंबर से अभिषेक विश्वकर्मा, बाजार समिति चैंबर के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, सचिव गौरव गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक कटेसरिया, पूर्व अध्यक्ष विनोद गुप्ता, विकास कांधवे, राजकुमार अग्रवाल, सुरेंद्र जिंदल, जसविंदर सिंह, अजय बंसल, विकास कंधवे आदि ने भी संबोधित किया. बैठक में विनोद सिंघल, बिट्टू लाडिया, कृष्ण अग्रवाल, इंद्र अग्रवाल, सुधीर बंसल, संजय भुवानिया, रंजीत साव के अलावा सैंकड़ों व्यवसायी उपस्थित थे.

शहर में दिन भर रेंगती रहीं....

शहरवासियों का कहना है कि रोजाना की यह समस्या अब असहनीय हो चुकी है. जाम में फंसे लोग घंटों सड़क पर खड़े रहने को मजबूर हैं, जिससे ईंधन की बर्बादी के साथ-साथ समय और धैर्य दोनों की हानि हो रही है. ट्रैफिक पुलिस की कमी और निर्देशों के पालन न होने से स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है. प्रशासन से मांग की जा रही है कि बरमसिया पुल की जल्द मरम्मत की जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए स्थायी उपाय किए जाएं. बरमसिया पुल का बंद होने से गया पुल के रास्ते पर वाहनों का बोझ अचानक बढ़ गया. इसके बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, जो समझ से परे है.

न्यूज अपडेट

असम मंत्रिमंडल ने बहुविवाह निषेध विधेयक-2025 को दी मंजूरी

गुवाहाटी। राज्य मंत्रिमंडल ने असम बहुविवाह निषेध विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी. इसे राज्य में बहुविवाह प्रथा को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रही है. यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की अध्यक्षता में रविवार रात लोक सेवा भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक में लिया गया. बैठक में और भी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. मंत्रिमंडल ने उत्तर गुवाहाटी के रंगमहल में स्टेट ऑफ द आर्ट ज्यूडिशियल टाउनशिप के पहले चरण के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की. इस परियोजना की अनुमानित लागत 478.78 करोड़ रुपये होगी. हाई कोर्ट कॉम्प्लेक्स डेवलपमेंट के अंतर्गत आधुनिक न्यायिक परिसर का निर्माण किया जाएगा.

दक्षिण कोरिया: पूर्व राष्ट्रपति यून सुक पर मुकदमे की मिली मंजूरी

सियोल। दक्षिण कोरिया में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल और उनकी सरकार के दो शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा अब और सख्त हो गया है. आरोप है कि योल ने दोनों कोरियाओं के बीच तनाव भड़काने और देश में मार्शल लॉ लगाने का बहाना जुटाने के उद्देश्य से उत्तर कोरिया के ऊपर ड्रोन उड़वाए थे. इसके चलते देश के वर्तमान राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने इस मुकदमे की मंजूरी दे दी है. योल पर यह भी आरोप है कि उन्होंने दिसंबर में संसद के खिलाफ सैनिक भेजकर मार्शल लॉ लागू कराने की कोशिश की, जिसे संसद ने निरस्त कर दिया था. ओलीयुक्त उनकी पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून और पूर्व मिलिट्री खुफिया सर्विस कमांडर यिओ इन ह्युंग भी इस मामले में आरोपी हैं. इससे योल का समूचा राजनीतिक भविष्य संकट में है.

आचार संहिता उल्लंघन पर मिजोरम के सीएम को ईसी ने लगाई फटकार

आईजोल। मिजोरम के सीएम लालदुहोमा को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में चुनाव आयोग ने फटकार लगाई है. कार्रवाई डम्पा विधानसभा उपचुनाव के दौरान प्रचार भाषण में दिए गए उनके बयानों को लेकर की गई. आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त रिपोर्ट और सत्तारूढ़ जोरोम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के अध्यक्ष लललियानसावता के स्पष्टीकरण की समीक्षा के बाद कहा कि पार्टी का जवाब अस्वीकार्य है. आयोग ने मिजोरम के सीईओ को भेजे पत्र में मुख्यमंत्री के बयान को "निंदनीय" बताया.

मधेश प्रदेश की राज्यपाल सुमित्रा भंडारी पद से बर्खास्त

काठमांडू। नेपाल सरकार ने मधेश प्रदेश की प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी को पद से हटा दिया है. प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उन्हें पदमुक्त करने का निर्णय लिया गया. सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना तथा संचार मंत्री जगदीश खरेल ने बताया, "मधेश प्रदेश में हाल में घटित घटनाक्रमों के आधार पर सरकार ने उन्हें पद से हटाने का निर्णय लिया है." रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत सात दलों ने राज्यपाल भंडारी का ध्यान आकर्षित करते हुए संविधान की धारा 168 के उपधारा (2) के अनुसार सरकार गठन का आह्वान करने की मांग की थी.बताया गया है कि राज्यपाल भंडारी स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देते हुए जनकपुर से काठमांडू के लिए रवाना हुई थीं.

बीबीसी 'छेड़छाड़' स्कैंडल के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटिश सार्वजनिक प्रसारक बीबीसी पर 2021 में उनके द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से संपादित कर प्रसारित करने का आरोप लगाते हुए तीखा विरोध जताया है. ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि बीबीसी के शीर्ष लोग, जिनमें कार्यकारी प्रमुख टिम डेवि और अन्य शामिल हैं, या तो इस्तीफा दे चुके हैं या उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने 6 जनवरी के मेरे अच्छे भाषण में छेड़छाड़ की. इन भ्रष्ट पत्रकारों का भंडाफोड़ करने के लिए टेलीग्राफ का धन्यवाद. इन बेईमान लोगों ने राष्ट्रपति चुनाव में दखल देने की कोशिश की. सबसे बड़ी बात, ये लोग उस देश से हैं, जो हमारा सबसे करीबी सहयोगी है. लोकतंत्र के लिए यह कितनी भयावह बात है. यह विवाद तब सामने आया जब नवंबर 2025 में बीबीसी को आरोपों का सामना करना पड़ा.

स्लोवाकिया में दो ट्रेनों की टक्कर में दर्जनों घायल यात्री अस्पताल में

ब्राटिस्लावा। स्लोवाकिया में रविवार शाम दो ट्रेनों की टक्कर में दर्जनों यात्रियों के घायल होने की खबर है. देश के आंतरिक मंत्री माटुस सुताज एस्टोक ने यह जानकारी दी. एस्टोक ने दुर्घटनास्थल पर बताया कि यह दुर्घटनाघटना उस समय हुई जब पहले से ही खड़ी एक ट्रेन में एक अन्य ट्रेन ने पीछे से आकर टक्कर मार दी. बाद में उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक संक्षिप्त प्रेस वार्ता में कहा कि दुर्घटना राजधानी ब्राटिस्लावा और उसके 20 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित पेजिनोक के बीच के 'कॉरिडोर' में हुई. बताया कि इस दौरान दर्जनों लोग घायल हुए हैं जिसमें से 11 को अस्पताल ले जाया गया है. हालांकि उन्होंने दुर्घटना में किसी की मृत्यु होने के घायल होने से इंकार किया है.

न्यूयार्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयार्क के प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर पर कुछ हिंदू संगठनों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ एवं कुछ अन्य न्यायाधीशों के हिन्दू विरोधी रवैये और बयानबाज़ी के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया तथा उनसे हिंदुओं से माफ़ी मांगने और इस्तीफ़ा देने की मांग की. इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उनके अल्प वस्त्रों वाले चित्रों और उनके विरुद्ध कटाक्ष वाले बयानों के बड़े बड़े कट आउट प्रदर्शित किये. भारी तादाद में जुटे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गवई को उनकी हिंदू विरोधी टिप्पणियों के लिए दुनिया भर के हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा, ₹ हम ऐसे न्यायाधीशों के इस्तीफे की मांग करते हैं.₹ प्रदर्शनकारियों ने उनकी जिन टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है, उसमें 'लिंग' को 'पुरुष जननांग'के रूप में निरूपित करना भी शामिल है. रैली में ऐसे ही अन्य हिंदू-विरोधी और भ्रष्ट न्यायाधीशों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई. उन्होंने आरोप लगाया कि एक इस्लामी संगठन की याचिका पर, उच्चतम न्यायालय ने न्यायपालिका की भागीदारी के बिना सरकार को सरकारी ज़मीन पर दावा करने से भी रोक लगा दी है. यह मूल रूप से वक्फ अधिनियम की जगह ले रहा है. प्रदर्शनकारियों ने ऐसे न्यायाधीशों को खतरनाक 'माफिया' करार देते हुए आरोप लगाया कि ये सभी हिंदू धर्म को निशाना बना रहे हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान न्यायपालिका के साथ राष्ट्र की प्रगति असंभव है. देश में कुल पांच करोड़ से ज़्यादा मामले लंबित हैं और अकेले उच्चतम न्यायालय में ही सात लाख मामले लंबित हैं फिर भी ये न्यायाधीश तीन महीने की छुट्टी लेते है.

इजरायली सेना के सामने हमास के 200 लड़ाके नहीं करेंगे आत्मसमर्पण

इजरायल ने हमास के बंकर को सील करना शुरू किया

एजेंसी। तेलअवीव

गाजा के राफा क्षेत्र में हमास और इजरायल के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. हमास की सशस्त्र शाखा इज़्ज़ेदिन अल-क़स्साम ब्रिगेड ने रविवार को घोषणा की कि राफा के एक बंकर में फंसे उसके लगभग 200 लड़ाके इजरायली सेना के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे. संगठन ने कहा है कि वह मध्यस्थों से इस संकट का कोई वैकल्पिक समाधान खोजने की उम्मीद करता है, ताकि करीब एक महीने पहले लागू हुए युद्धविराम को खतरा न हो. रिपोर्टों के अनुसार, इजरायली सेना ने राफा के उस बंकर को सील करना शुरू कर दिया है, जिसमें हमास के ये लड़ाके फंसे हुए हैं. इससे उनके जीवन पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है. समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि बंकर में फंसे लड़ाकों को बाहर निकालने के लिए मध्यस्थ लगातार बातचीत कर रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक, मध्यस्थों ने एक प्रस्ताव रखा है जिसके तहत हमास के लड़ाके यदि अपने हथियार डाल दें तो उन्हें गाजा के किसी अन्य क्षेत्र में सुरक्षित निकलने की अनुमति दी जा सकती है. लेकिन हमास ने इस प्रस्ताव को सख्ती से ठुकरा दिया है. हमास के प्रवक्ता ने कहा, "दुश्मन को यह पता होना चाहिए कि आत्मसमर्पण और खुद को सौंपने की अवधारणा अल-क़स्साम ब्रिगेड के डिक्शनरी में मौजूद ही नहीं है. हमारे लड़ाके अपने बचाव के लिए डटे रहेंगे." इस बयान से स्पष्ट है कि संगठन किसी भी तरह के समझौते के बजाय संघर्ष को जारी रखने के पक्ष में है. इस बीच, तुर्की ने दावा किया है कि वह गाजा में सुरंगों में फंसे लगभग 200 'नागरिकों' की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है. तुर्की के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि अंकारा ने इससे पहले भी इजरायल और हमास के बीच मानवीय मध्यस्थता में भूमिका निभाई थी. अधिकारी ने कहा कि तुर्की ने करीब 11 साल पुराने एक मामले में, जिसमें इजरायली सैनिक हदर गोल्डिन की मृत्यु हुई थी, उसके अवशेषों की वापसी में सहयोग किया था. उन्होंने कहा, "हम अब गाजा में फंसे लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए भी प्रयास कर रहे हैं."

वहीं, मिस्र के मध्यस्थों ने भी एक नया प्रस्ताव रखा है. उनके अनुसार, यदि राफा में फंसे हमास के आतंकवादी मिस्र को अपने हथियार सौंप दें और वहां मौजूद सुरंगों की जानकारी दें, तो उन्हें सुरक्षित मार्ग दिया जा सकता है. मिस्र चाहता है कि इन सुरंगों को नष्ट कर भविष्य में हथियारों की तस्करी और सैन्य गतिविधियों को रोका जा सके. अमेरिका भी इस स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है. अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि राफा में फंसे लगभग 200 आतंकवादियों के लिए प्रस्तावित समझौता गाजा में हमास बलों को निरस्त्र करने की व्यापक प्रक्रिया का एक "टेस्ट केस" साबित हो सकता है. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर यह संकट नहीं सुलझा, तो इससे मौजूदा युद्धविराम खतरे में पड़ सकता है. हालांकि, अल-क़स्साम ब्रिगेड ने राफा में चल रही मध्यस्थता पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की, लेकिन अपने बयान में संकेत दिया कि मौजूदा गतिरोध युद्धविराम की स्थिरता को प्रभावित कर सकता है. इस पूरे घटनाक्रम से गाजा में शांति प्रक्रिया एक बार फिर अस्थिर स्थिति में पहुंच गई है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ गई है.

शहरी सहकारी बैंक बनें आकांक्षी युवाओं और निम्न वर्ग के सशक्तीकरण का आधार: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि देश के शहरी सहकारी बैंक अब आकांक्षी युवाओं, छोटे व्यापारियों और निम्न वर्ग के लोगों के सशक्तीकरण के लिए अग्रणी भूमिका निभाएं. उन्होंने कहा कि नैफकब और अन्य शहरी सहकारी संगठन एक 'नैतिक दिशानिर्देश जारी करें, जिसके आधार पर प्रत्येक बैंक अपने वित्तीय ढांचे को पुनः डिज़ाइन कर सके. शाह यहां राष्ट्रीय शहरी सहकारी बैंक एवं ऋण समिति महासंघ (नैफकब) और सहकारिता मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'को-ऑप कुंभ 2025' को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि शहरी सहकारी बैंक और ऋण समितियां हाल के वर्षों में नए उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ी हैं. उन्होंने अमूल और इफ्को को अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा विश्व रैंकिंग में क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी. शाह ने कहा कि यह दर्शाता है कि सहकारिता की अवधारणा आज भी उतनी ही प्रासंगिक और जीवंत है.

संसद पुनर्स्थापना मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस में गहराया मतभेद, महासचिव ने जताई आपत्ति

काठमांडू। नेपाल की संसद- प्रतिनिधि सभा के पुनर्स्थापना के मुद्दे पर नेपाली कांग्रेस के भीतर आंतरिक मतभेद उजागर हो गये हैं. पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा निवर्तमान संसद की पुनर्बहाली के पक्ष में लामबंदी कर रहे हैं जबकि पार्टी के महासचिव गगन थापा के अगले वर्ष चुनाव कराने के पक्ष में आवाज़ मुखर कर रहे हैं. पार्टी के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा के निर्देशन में, जो इस समय सिंगापुर में हैं, नेपाली कांग्रेस ने रविवार से सांसदों के हस्ताक्षर कराने की प्रक्रिया शुरू की. मुख्य सचेतक श्याम धिमिरे ने देउबा के आदेश पर इस हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की, ताकि 12 सितम्बर को सुशीला कार्की के नेतृत्व में गठित अंतरिम सरकार के बाद भंग की गई संसद को पुनर्स्थापित किया जा सके. इस कदम के साथ, नेपाली कांग्रेस और नेकपा (एमाले) दोनों ही संसद पुनर्स्थापना के पक्ष में खड़ी हो गई हैं. हालांकि, नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने इस कदम का सार्वजनिक रूप से विरोध किया है. उनका कहना है कि आगामी 5 मार्च को निर्धारित आम चुनाव नियत समय पर ही कराए जाने चाहिए.

श्रीलंका की कैद से मछुआरों की रिहाई के लिए सीएम स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री को लिखा पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे श्रीलंकाई नौसेना की कैद से सभी मछुआरों को रिहा करने के लिए हस्तक्षेप करें. साथ ही मछुआरों की मछली पकड़ने वाली नावों को भी वापस दिलाने का प्रयास करें. इस संबंध में मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने पत्र में लिखा कि भारतीय मछुआरों और उनकी मछली पकड़ने वाली नावों को श्रीलंका की नौसेना सैनिकों के पकड़ने की घटनाएं लगातार हो रही हैं. इसी माह 9 नवंबर 2025 की रात को मयिलादुथुराई जिले के 14 मछुआरों और उनकी मोटरबोटों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया है. इन मछुआरों को पकड़ना बेहद चिंताजनक है. मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा कि इसके अलावा, ₹2024 में पकड़े किए गए कई मछुआरे अभी भी वहां की हिरासत में हैं. तमिलनाडु के 128 मछुआरे भी श्रीलंकाई जेलों में हैं. साथ ही, तमिलनाडु के मछुआरों की 248 मछली पकड़ने वाली नावें भी श्रीलंका नौ सेना के कब्जे में हैं.

गुवाहाटी के आसमान में वायुशक्ति का भव्य प्रदर्शन

गुवाहाटी। भारतीय वायुसेना के 93वें स्थापना दिवस समारोह के तहत रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी के आसमान में वायुशक्ति का भव्य प्रदर्शन हुआ. ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे, प्रसिद्ध अहोम सेनानी लचित बोरफुकन की प्रतिमा के पास आयोजित इस शानदार फ्लाई पास्ट ने पूरे क्षेत्र में रोमांच भर दिया. यह आयोजन न केवल भारतीय वायुसेना की ताकत और तकनीकी कौशल का परिचायक रहा, बल्कि देश के दुश्मनों को भी सख्त संदेश देने वाला साबित हुआ. मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस अवसर पर कहा कि "गुवाहाटी के आसमान में गर्जना करते ये जेट हमारे दुश्मनों की नींद उड़ा देंगे." उन्होंने यह भी कहा कि "चिकन नेक" जैसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाके में आयोजित यह फ्लाई पास्ट भारत की तैयारी और सामरिक क्षमता का प्रतीक है. इस हवाई प्रदर्शन में तेजस, राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिग-29, जगुआर और मिराज जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने आसमान में गगनभेदी गर्जना की. वहीं, परिवहन और सहयोगी विमानों में सी-17, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, सी-295, एएन-32, आईएल-78 और एईडब्ल्यूएंडसी जैसे विमान शामिल थे.

पीआईए की उड़ानें लगातार छठे दिन भी बाधित रहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विमान इंजीनियरों की जारी हड़ताल के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की उड़ानें सोमवार को लगातार छठवे दिन भी बाधित रही जिसके कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा. सोसाइटी ऑफ एयरक्राफ्ट इंजीनियर्स ऑफ पाकिस्तान (एसएईपी) के सदस्य वेतन असमानता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को लेकर हड़ताल पर हैं, जिसके कारण नौ उड़ानें रद्द हो गईं और 18 अन्य में तीन से दस घंटे तक की देरी हुई. पीआईए प्रबंधन और इंजीनियरों के बीच विवाद चार नवंबर को उस समय चरम पर पहुंच गया, जब इंजीनियरों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए विमानों के 'एयरवर्थनेस' प्रमाणपत्र जारी करने से इनकार कर दिया. इससे देश भर में पीआईए की कई उड़ानें ठप हो गईं. इस बीच आज रद्द हुई उड़ानों में आबू धाबी से पेशावर, दुबई से कराची, फैसलाबाद से दुबई, दुबई से फैसलाबाद, पेशावर से दुबई जैसी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल हैं, जबकि घरेलू स्तर पर गिलगित-इस्लामाबाद और स्कार्दू-इस्लामाबाद की आने जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं हैं. देरी से उड़ान भरने वाली उड़ानों में में इस्लामाबाद से अल ऐन को करीब 10 घंटे की देरी का सामना करना पड़ा, जबकि लाहौर से मदीना, इस्लामाबाद से जेद्दा, कराची से जेद्दा और अन्य रूट्स पर भी व्यवधान हुआ. रिपोर्टों के मुताबिक यात्रियों ने हवाई अड्डों पर लंबे इंतजार की शिकायत की, जिसमें उड़ानों में होने वाली देरी के कारण कईयों को होटलों में ठहरना पड़ा.

ट्रंप ने बेलारूस के लिए विशेष दूत नामित किया, अधिक कैदियों की रिहाई की मांग की

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि उन्होंने जॉन कोएल को बेलारूस के लिए विशेष दूत के रूप में नामित किया है. कोएल ने हाल ही में बेलारूस से बंदियों की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. ट्रंप ने कहा कि वे अब अधिक कैदियों की रिहाई के लिए प्रयास जारी रखेंगे. ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में बेलारूस के साथ राजनयिक संपर्कों में तेजी लाई है और इस वर्ष मिन्स्क में कई अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं. बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी सहयोगी माने जाते हैं. सितंबर में, ट्रंप की अपील के बाद बेलारूस ने 52 कैदियों को रिहा किया था. ट्रंप ने इससे पहले लुकाशेंको से 1,400 बंदियों की रिहाई की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने "बंधक" कहा था. ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' नेटवर्क पर पोस्ट करते हुए लिखा, "जॉन कोएल अब तक 100 बंदियों की रिहाई सफलतापूर्वक करा चुके हैं और अब 50 और लोगों की रिहाई के लिए प्रयास कर रहे हैं." उन्होंने आगे कहा, "मैं बेलारूस के अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको का अग्रिम धन्यवाद करता हूं, जो अतिरिक्त बंदियों की रिहाई पर विचार कर रहे हैं." सितंबर में हुई यह रिहाई लुकाशेंको द्वारा अब तक की सबसे बड़ी कैदी माफी थी. विशेषज्ञों का मानना है कि लुकाशेंको अमेरिका के साथ संबंध सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, ताकि वर्षों से चले आ रहे अलगाव और प्रतिबंधों से राहत मिल सके.

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर सामूहिक नमाज पर भाजपा ने जताई नाराजगी, हवाई प्रशासन मौन

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सामूहिक नमाज अदा करने वाला एक वीडियो ने बड़ी सार्वजनिक बहस छेड़ दी है. इसे लेकर तमाम तरह की चर्चा हो रही है. इस बीच प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तो राज्य सरकार के खिलाफ इसे लेकर अपना गुस्सा भी जाहिर किया है. बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में कुछ लोग खुले में नमाज अदा करते नजर आ रहे हैं. इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद छिड़ गया है. विपक्षी दलों ने राज्य सरकार पर धार्मिक गतिविधियों को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाया है. वीडियो सामने आने के बाद भाजपा के नेता विजय प्रसाद ने एक्स पर राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे से सवाल किया . उन्होंने लिखा, ₹बेंगलुरु एयरपोर्ट के टी-2 टर्मिनल में यह कैसे अनुमति दी गई? क्या इन लोगों ने नमाज पढ़ने के लिए पहले से कोई अनुमति ली थी? यह एक हाई-सिक्योरिटी जोन है₹ उन्होंने आगे लिखा, ₹सरकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पथ संचलन जैसी गतिविधियों पर रोक लगाती है, लेकिन ऐसी घटनाओं पर आंख मूंद लेती है. यह गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय है₹ वायरल वीडियो में जो लोग नमाज पढ़ते दिख रहे हैं, वे मक्का जाने वाले यात्रियों के परिजन बताए जा रहे हैं.

कबाड़ से कमाई : केंद्र सरकार के दफ्तरों में अक्टूबर महीने में चले स्वच्छता अभियान से बड़ी उपलब्धि हासिल

कबाड़ बेचकर 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की हुई कमाई

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार के दफ्तरों में अक्टूबर महीने के दौरान चले एक महीने के विशेष स्वच्छता अभियान ने इस बार बड़ी उपलब्धि हासिल की है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस अभियान के तहत कबाड़ बेचकर 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई है. इतना ही नहीं, देशभर के मंत्रालयों और सरकारी दफ्तरों में करीब 233 लाख वर्ग फुट जगह भी खाली कराई गई है. यह रकम इतनी है कि इससे सात वंदे भारत ट्रेनें खरीदी जा सकती हैं. केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि बीते पांच विशेष स्वच्छता अभियानों के दौरान सरकार ने कबाड़ बेचकर कुल 4,100 करोड़ रुपये जुटाए हैं. उनका कहना है कि यह राशि किसी बड़े अंतरिक्ष मिशन या कई चंद्रयान अभियानों के बजट के बराबर है. उन्होंने कहा कि इन अभियानों के जरिए न केवल जगह खाली हुई है, बल्कि सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ी है.

जितेंद्र सिंह ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि पिछले पांच सालों में इन अभियानों के जरिए 923 लाख वर्ग फुट जगह खाली कराई गई है. उन्होंने कहा कि यह इतनी बड़ी जगह है कि उस पर एक बड़ा मॉल या कोई विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट खड़ा किया जा सकता है. सरकार ने 2021 से यह नियम तय किया है कि हर साल 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता का यह विशेष अभियान चलाया जाएगा. इस अभियान का समन्वय प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग करता है, जिसमें 84 केंद्रीय मंत्रालय और विभाग मिलकर भाग लेते हैं. अभियान के दौरान न केवल दफ्तरों की सफाई पर जोर दिया गया, बल्कि पुरानी और अनुपयोगी फाइलों को भी हटाया गया. मंत्रालयों में लंबित मामलों को कम करने, फाइलों के निपटान और कबाड़ को राजस्व में बदलने पर खास ध्यान दिया गया. केंद्रीय मंत्रियों ने खुद अधिकारियों से मुलाकात कर अभियान की प्रगति की समीक्षा की, जबकि सचिवों और महानिदेशकों को हर हफ्ते स्थिति की रिपोर्ट देनी थी. केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को सरकारी दफ्तरों के बाहर की जगहों की सफाई और कर्मचारियों को जुटाने की जिम्मेदारी दी गई थी.

अधिकारियों का कहना है कि सामान्य तौर पर हर मंत्रालय को साफ-सफाई का ध्यान रखना होता है, लेकिन अक्टूबर का यह विशेष अभियान स्वच्छता, कार्यकुशलता और कबाड़ से कमाई—तीनों मोर्चों पर एक साथ काम करने का अवसर देता है. इस बार की उपलब्धियों ने साफ कर दिया है कि "कबाड़ से कमाई" का यह मॉडल न सिर्फ दफ्तरों को साफ-सुथरा बना रहा है, बल्कि सरकारी खजाने में भी अरबों की आमदनी जोड़ रहा है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.